हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

9 मार्च, 1989

खण्ड 1, अंक 11

अधिकृत विवरण

विशय सूची

वीरवार, 9 मार्च 1989

	पृश्ठ संख्या
तारांकित प्र न एवं उत्तर	(11)1
अतारांकित प्र न एवं उत्तर	(11)25
ध्यानाकर्शण प्रस्तावः–	
ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की कम सप्लाई तथा पीने के पानी की कमी के कारण किसानों तथा उपभोक्ताओं द्वारा कठिनाईयों का सामना करने सम्बन्धी	(11)27
वक्तव्यः–	
सिचाई तथा बिजली मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव सम्बन्धी	(11)27
सदन की मेज पर रखे गए कागज पत्र	(11)30
वर्श 1989–90 के बजट पर सामान्य चर्चा	(11)30

हरियाणा विधान सभा

वीरवार 9 मार्च, 1989

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन,सैक्टर–1 चण्डीगढ़ मे प्रात 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (सरदार हरमोहिन्दर सिंह चट्ठा) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, अब सवाल होगे।

Upgradation of Primary School at Diwana

***684 Ch. Satbir Singh Kadian:** Will the Minister for Education be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade Primary School to Middle School for Gilrs at Diwana in Tehsil Panipat; if so, the time by which it is likely to be upgraded?

Education Minister (Smt. Sushma Swaraj): No Sir.

चौधरी सतबीर सिंह कादयानः स्पीकर साहब, मै मंत्री महोदया से यह पूछना चहता हूं। कि क्या हरियाणा में कही और किसी जिले में या गांव में इस तरह क स्कूल अपग्रेड किये गये है?

श्री सुशमा स्वराजः बिल्कुल किये है। 50 कन्या स्कूल हम लोगों ने प्राइमरी से मिडल किये है और 25 मिडल से हाई किये हैं

चौधरी सतबीर सिंह कादयानः स्पीकर साहब, क्या मंत्री महोदया यह बताने का कश्ट करेंगी कि करनाल जिले में कितने स्कूल अपग्रेड किये है?

श्रीमती सुश्मा स्वराजः हमने करनाल जिले में प्राईमरी स्कूलों को मिडल स्कूल में अपग्रेड किया है।

श्री मुनी लालः क्या मंत्री महोदया यह बतोयगी कि डिस्ट्रिक्ट महेन्द्रगढ़ में भी कुछ स्कूल अपग्रेड किये है, अगर किये है तो कितने कन्या स्कूल अपग्रेड किये है?

श्रीमती सुशमा स्वराजः जी हां, 5 स्कूल जिला महेन्द्रगढ़ में हमने अपग्रेड किए है ओरउनके नाम है नांगल सरोही, खेड़ी, धारूहेड़ा, बरेली कलां और पीठनवास।

श्री मक्खन सिंहः क्या मंत्री महोदया, यह बातयेगी कि जिला कुरूक्षेत्र में कौनसे स्कूल अपग्रेड किये है?

श्रीमती सुशमा स्वराजः स्पीकर सर, हमने जिला कुरूक्षेत्र में प्राइमरी से मिडल केवल एक करोड़ गांव का स्कूल अपग्रेड किया हैं

श्री भागी राम: स्पीकर साहब, मै मंत्री महोदया से यह पूछना चाहता हूं कि जिला सिरसा में कितने स्कूल अपग्रेड किये है और उनके नाम क्या क्या है?

श्रीमती सुशमा स्वराजः स्पीकर साहब, हमने प्राइमरी से मिडल, जिला सिरसा में 7 स्कूल अपग्रेड किये है। वे है—बहाबदीन, भाकर अडोरी, खारियां, बड़ा गुड्डा, देसू जोधा, कालावंली ग्राम ओर प्राइमरी स्कूल कन्या नं0 2 सिरसा।

श्री रत्न लाल कटारियाः स्पीकर साहब, मै मंत्री महोदया से यह जानना चाहता हूं कि कांग्रेस ने दे ा के अन्दर हालता ऐसी बनायी है कि प्राइमरी स्कूलों में क्लासिज तो 5 होती है लेकिनअध्यापका केवल एक रहता है। यह अध्यापक बेचारा पंचमुखी बन जाता है। 15 मिनट पहले, एक क्लास की तरफ, दूसरे 15 मिनट दूसरी क्लास की तरफ और तीसरे 15 मिनट तीसरी क्लास की ओर लगाते है। इस तरह के हालता को दूर करने के लिए क्या कोई योजना सरकार बना रही है या नही?

श्रीमती सुशमा स्वराजः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य की बात बिल्कुल ठीक है। अभी भी हमारे बहुत से सिंगल टीचरस्कूल्ज हैं अकेले सिंगल टीचरसे सारी क्लासिज मैनेज नही होसकतीं लेकिन एक नयी स्कीम बनी है जिसकों आप्रे ान ब्लैक बोर्ड का नाम दिया है। इसमें भारत सरकारने यह कहा है कि प्राइमरी स्कूल में सैकड टीचर की तरख्वाह हम देगे। उसे नीचे हम

ब्लौक–वाइज उनको ले रहे हैं 20 ब्लौक्स हमने पिछले साल इस स्कीम` लिये थे। इस साल भी हमने 20 ब्लौक्स ब्लैक बोर्ड स्कीम के तहत लिए है। इन सारे ब्लौक्स में दो–दो टीचर्ज प्रावाइड कर रहे ं इस स्कीम को हम 1990 में भी आगे बढ़ा रहे हैं तो हर ब्लांक में इस तरह से दो–दो टीचर्ज को प्रोवीजन कर दिया जायेगा।

श्री रत्न लाल कटारियाः मै मंत्री महोदया से यह जानना चाहता हूं कि प्रधान मंत्री के स्वयं के बच्चे कौनसे स्कूल में पढ़ने जाते है?

श्रीमती सुशमा स्वराजः वह तो डर के मारे पढ़ने ही नजत`हैं घर में ही टीचर लगा रखे हैं

श्री हीरा नन्द आर्यः मै मंत्री महोदया से यह जानना चाहता हूं कि उन 20 ब्लौक्स के नाम क्या हैं जिनमे ंइन्होने यह आप्रे ान ब्लैक बोर्ड स्कीम इससाल चालू कि है?

श्रीमती सुशमा स्वराजः स्पीकर साहब माननीच सदस्य ने 20 ब्लौक्स के नाम पूछे है, वे मै आपकी इजाजत से बात देती हूं। वे है– नारायणगढ़, बरवाला, लोहारू, तो ाम, बल्लभगढ़, हथीन, नगीना, फिरोजपुर झिरका, भूना, कलैत, उचाना, असन्ध गुहला, नांगल चौधरी, कनीना, मेहम, रानियां, बड़ा गुड्डा, गोहाना और कथूरा। ये 20 ब्लौक्स वे है जो पिछले वर्श लिये गये थे।

तारांकित प्रश्न संख्या 801

यह प्र न पूछा नही गया क्योंकि माननीय सदस्य सेठ लछमन दास बजाज, इस समय सदन में उपस्थित नही थे।

Revival of Zila Parishad in the State

***744 Sh. Raghu Yadv:** Will the Minister for Development and Panchyats be pleased to state-

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to revive Zila Parisad in the State;

(b) If reply to part (a) above be in the negative, whether there is also any proposal under consideration of the Government to allocate the functions being preformed by these Zila Parishads to various Panchayast/Bloock Samitis;

(c) Whether there is also any proposla under consideration of the Government to re-constitute the Block Samitis; and

(d) If so, the time by which the aforesaid proposal if likely to be materialized?

विकास मंत्री (श्री हुकम सिंह):

(क) नही।

(ख) नही।

(ग) हां, कुछ पंचायत समितियेां को पुनर्गठन करने का प्रस्ताव है।

(घ) कुछ पंचायत समितियों को पुनरूज्जीवन करने का प्रस्ताव जिाल पुनर्गठन समिति के विचारधीन है। उक्त समिति को रिपोर्ट प्राप्त होने पर कुछ पंचायत समितियों का पुनर्गठन कर दिया जायेगा।

श्री रधु यादवः अध्यक्ष महोदय पंचायत राज की नीव को मजबूत करने ` लिए राजय में जिला परिशदों का गठन करना चाहिए। क्या मंत्री महोदय इस पर फिर से विचार करने के लिए तैयार है?

श्री हुकम सिंहः स्पीकर साहब, मु ातरफा पंजाब में थ्री टायर सिस्टम था। 1.11.1966 को जब हरियाणा वजूद में आया तो माडू सिंह नाम की एक कमेटी बनाई गई थी और उस कमेटी ने 1969 में अपनी रिपोर्ट दी थी। उसने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि ज्यादा चुनाव कराने से पार्टी बाजी फैलती है। प्रजातन्त्र का ढोल पीटने वालो ंने यह रिपोर्ट दी थी कि चुनाव कम कराए जाए और जिला परिशदों को खत्म कर दिया जाए।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, अगर रिपोर्ट मे ंहय कहा गया था कि ज्यादा चुनाव न कराए जाएं तो यह ठीक बात नही थी। स्पीकर साहब, ब्लौक समितियों और जिला परिशद तो सैकिण्ड लाइन औफ लीडर ाप बिल्ट अप करती हैं क्या मंत्री महोदय, इस तथा रूरलवेस्ट लीडर ाप को बिल्ट अप करने के लिए जिला परिशदो को रिवाइन करने का विचार करेगे?

श्री हुकम सिंहः स्पीकर साहब, सारे भारत में कही पर टू टायर सिस्टम है, कही पर थ्री टायर सिंस्टम है। और कही खाली पंचायते ंकाम कर रही हैं 1977 मे ंजब चौधरी देवी लाल की सरकार आई तो उस समय सरदार तारा सिंह की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई गई थी। यह देखने के लिए कि पंचायत राज को कैसे मजबूत किया जाए। 1978 में अ ाोक मेहता कमेटी ने अपनी रिपोर्ट दे दी जो कि सारे दे ा में लागू होनी थी। उस समय तक सरदार तारा सिंह कमेटी अपनी रिपोर्ट पे ा नही कर सकी थी। 1979 में ठाकुर बीर सिंह की अध्यक्षता में एक ऐडहौक कमेटी बनाई गई और उसको कहा गयाकि इस मामले पर पुनर्विचार किया जाए। इस कमेअी ने अपनी रिपोर्ट पे ा की और कहा कि हरियाणा में थ्री टायर सिस्टम होना चाहिए। चौधरी भजन लाल जी उस कोआप्रटिव मिनिस्टर भी थे और इस कमेअी मे ंभी भाामिल थे। 1981 में जब वे चीफ मिनिस्ट की कुर्सी पर विराजमान हुए तो वह रिपोर्ट कैबिनेट में गई ओर उसने यह फैसला किया कि हरियाणा मे टू टायर सिस्टम ही रहना चाहिए।

श्री रघु यादवः अध्यक्ष महोदय, इस दे ा में लोकतन्त्र है अैर मै हरियाणा सरकार को बधाई देना चाहता हूं कि उसने सत्ता में आते ही नगरपालिकाओं के चुनाव करवा दिसए। माडू सिंह कमेटी ने जो रिपोर्ट दी उसमें यह कहा गया कि अगर ज्यादा चुनाव कराए जाएंगे तेा झगड़े होगे ओरपार्टीबाजी होगी। अध्यक्ष महोदय, अगर इस बात को लेकर चुनाव न कराए जोए तो यह

लोकतन्त्र की भावना के विरूद्ध बात है। माडू सिंह कमेटी की रिपोर्ट लोकतन्त्र विरोधी रिपोर्ट है। क्या मंत्री महोदय, उस रिपोर्ट को नजरअन्दाज करके जैसे कि गांधी जी के सपनों का भारत बनाने की चौधरी देवी लाल की कामना है, जिला परिशदों को पुनः जीवित करने पर गम्भीरता से विचार करेगे?

श्री हुकम सिंहः स्पीर साहब, मै पहले ही कह चुका हूं कि चौधरी देवी लाल जी की सरकार के समय 1979 में जो कमेटी बनी थी उसके द्वारा इस बात का निर्णय लिया गया था कि यहां पर थ्री टायर सिस्टम होना चाहिये लेकिन 1981 में भजन लाल के भाासन काल में कैबिनेट ने यह निर्णय लिया था कि टू टायर सिस्टम ही हरियाणा मे ंरहना चाहिए।

श्री मंगल सैनः आदरणीय अध्यक्ष महोदय, अभी मेरे लायक मंत्री महोदय ने यह बताया कि चौधरी देवी लाल जी की सरकार के समय 1979 में जो कमेटी बनी थी उसने यह फैसला लिया था कि हरियाणा के न्दर थ्री टायर सिस्टम होना चाहिए। तो मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि अब सरकार को इस तरह की घोशणा करने में क्या संकोच हो रहा है। कि सरकार जिला परिशदों को रिवाईव करेगी?

श्री हुकम सिंहः स्पीकर साहब, जनवरी में चूंकि पालियामैन्ट के चुनाव नजदीक आ रहे है। इसको मद्देनजर रखते हुए राजीव गांधी जी ने उत्तरी भारत की ब्लौक समिति के एक

एक मैम्बर को दिल्ली में बुलाकर इस तरह का एक ढांग रचा कि मै पंचायतो ंको बड़े अख्तियार दूंगा पैसा दूंगा। इन सारी बातों पर सरकार विचार कर रही हैं अभी अप्रैल में इसी तरह का दक्षिण भारत का एक सम्मेलन दिल्ली में होन जा रहा हैं और इसी के लिए प्रधानमंत्री जी ने चीफ सैक्टरीज की मीटिग भी बुलाई थी कि सारे भारत मे ंएक ही सिस्टम लागू होना चाहिए। अगर यह सिस्टम लागू होगा तो यहां भी वैसा ही हो जाएगा।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने बताया कि मुख्तलिफ आधार पर कमेटीज की रिपोर्ट आई है लेकिन किन्ही कारणाो ंसे उनको ंलागू नही किया गया। तो मै आपक माध्यम से सरकार से यह जानना चाहता हूं कि सरकार ने पंचायती राज पावर्ज को विकेन्द्रीयकरण करने की जो योजना बनायी हे, उसको दृश्टिगत रखते हुए क्या जिला परिशदों को रिवाइव करेगे या जिला परिशदों की जो पावर्ज थी उनको ब्लौक समितियों को देगे?

श्री हुकम सिंहः स्पीकर साहब आज 40 सालों के बाद चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंह जी को याद आया कि पंचायती राज सिस्टम को मजबूत किया जाना चाहिए।

श्री मंगल सैनः अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री महोदय ने यह बताया है कि राजीव जी ने उत्तरी भारत के ब्लौक समितियों के एक–एक मैम्बर को बुलाकर यह कहा कि हम आपको अख्तियार

देगे, पैसा देगे लकिन इसके साथ साथ क्या उनकी जानकारी में यह बात भी है कि कन्द्र सरकार न हर म्यूनिसिपल कमि ानर को टेलफोन देने की घोशणा कर दी है?

श्री हुकम सिंहः स्पीकर साहब, यह बात मेरी जानकारी में नही हैं

श्री भगवान सहाय रावतः अध्यक्ष महोदय मंत्री होदय ने अपने लिखित उत्तर में कहा है कि कुछ पंचायत समितियों को पुररूजीवन करने का प्रस्ताव जिला पुनर्गठन समिति के विचारधीन हैं अध्यक्ष महोदय, मै 1972 में पंचायत समिति का सदस्य था। अब कांग्रेस सरकार ने जिला परिशदों का हर प्रकार से ना ा कर दिया है तो क्या सरकार जिला परिशदों को पुन रिवाईव करने की कोि ा ा करेगी?

श्री हुकम सिंहः स्पीकर साहब, इसका उत्तर मैं पहले ही दे चुका हू।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं क्या सरकार पंचायतों को और अधिक अधिकार देकर उन की स्थिति को भाक्ति ाली बनाने का बारें में विचार कर रही है?

श्री हुकम सिंहः स्पीकर साहब, पंचायतों को तो पहले ही पूरे अख्तियार दे रखे है।

कामरेड हरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री महोदय ने यह फरमाया कि कन्द्र सरकार ने दिल्ली मे ंएक एक ब्लौक समिति के मैम्बर को बुलाकर कुछ आ वासन देकर ढोंग रचा है ंकि केन्द्र पंचायतो को अख्तियार देगी, पैसा देगी। वाकई यह तो एक इलैक ान स्टण्ट है। लेकिन अब चूंकि हरियाणा के अन्दर डैमोंक्रेटिक प्रोसैस भाुरू हुआ हैं इसलिए क्या राजय सरकार कोई ऐसा विचार करेगी जिससे जिला परिशदों को दोबारा रिवाईव किया जा सके?

श्री हुकम सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह तो एक इलैक ान स्टंट था और है। अगर इन्होन पंचायतों को कुछ देना होता तो आज से 40 साल पहले ही दे देते।

डा0 बृज मोहनः स्पीकर साहब, सरकार ने बैकवर्ड क्लासिज के लोगों को पंचायतों में नौमिने ान करने के लिए घोशणा कर रखी है। लेकिन कुद पंचायतें चूंकि एसी है। जिनमे बैकवड क्लासिज के लोगों की आबादी नही है इसलिए वहां पर इस जाति के मैम्बर नही आ सकते। क्या सरकार ने उनको नौमिनेट करने का कोई टाईम मुकर्रर किया है?

श्री हुकम सिंहः स्पीकर साहब, चौधरी देवी लाल की सरकार ने यह किया है कि जहां पर बैकवर्ड क्लासिंज के लोगों की दो परसैट आबदी होगी वहां उनकाएक आबदमी पंचायत में आएगा और हमने लगाया भी है।

श्री रणजी सिंहः स्पीकर साहब, अभी पीछे प्रधान मंत्री ने दिल्ली में सरपंचों और पंचों का सम्मेलन बुलाया था। उसक लिए उन्होन`सभी स्टेटसय को लिखा था। मै यह जाननाचाहता हूं कि हमारी स्टेट से जो मैम्बर्ज भेजे गए थे कया उनको तैयार करके भेजा गयाथा कि हमारे यहां पंचायतों का क्या सिस्टम है?

श्री हुकम सिंहः स्पीकर साहब, सारी ब्लौक समितियों से एक एक आदिमी जो हरियाणा से वहां गया था उनको तैयार करके भेजा गया था। वापिस आने पर हमने उनसे यह भी पूछा कि दूसरी स्टेअस के लोगों ने वहां प क्याकहा? तो वे कहने लगे कि दूसरी स्टेटस के लोग यह कहते थे कि यह तो इलैक ान काएक ढांग है। उन्होने यह भी कहा कि इलैक ान आ जाने दो बता देगे।

श्री रधु यादवः अध्यक्ष महोदय, ब्लौक समितियों ओर जिला परिशद के पुनर्गठन के लिए केन्द्रीय सरकार को कोई दखल नही हैं यह तो राज्य सरकार का मामला है। कर्नाटक की राजय सरकार ने ब्लौक समितियों को पुनर्गठन किया है और उसने जिला परिशद के चेयरमैन को राज्य मंत्री का दर्जा दिया हैं इसलिए मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जब चौधरी देवी लाल जी की सरकार इस बात को पहले ही मंजर कर चुकी है फिर इस सवाल का जवाब बार बार 'नो' में देने की क्या जरूरत है।

श्री हुकम सिंहः स्पीकर साहब, मै पहले ही जवाब दे चुका हूं कि 1979 में एक कमेटी बनाई गई थी। उसने रिपोर्ट दी थी कि थ्री टायर सिस्टम होना चाहिए लेकिन जब भजन लाल जी कुर्सी पर विराजमान हुए तो उन्होने फैसला लिया कि हरियाणा मे टू टायर सिस्टम रहना चाहिए। (विध्न)

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिह): स्पीकर साहब, मंत्री जी ने स्पश्ट कहा है कि चौधरी देवी लाल जी ने जो कमेटी का गठन किया उसने सिफारिश की थी थ्री टायर सिस्टम होना चाहिए लेकिन उनको उनकी कैबिनेट ने मंजूरी नही दी क्योंकि उसे सामने यह मामला पुट–अप ही नही हुआ। उसे बाद भजन लाल की कैबिनेट ने उसको नांमजूर कर दिया।

डा0 बृज मोहनः स्पीकर साहब, मेरा सवाल यह था कि जहां बैकवर्ड क्लासिज के लोगों की आबादी कम है, वहां से भाायद जनरल में से मैम्बर नौमिनेट कर रहे है मै यह जाननाचाहता हूं कि उसे नौमिने ान की फाइनल डेट कब है?

श्री हुकम सिंहः स्पीकर साहब, मै पहले कह चुका हूं कि जहां पदा परसैन्ट आबादी है वहां बैकवर्ड क्लास का एक आदमी आया है और जहां इससे कम है वहां नही आया है।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने अभी कहा कि चौधरी देवी लाल जी ने इसको मान है कि थ्री टायर सिस्टम होना चाहिए उस वक्त तो हकूमत बदल गई, अब तो

इनकी हकूमत है अब क्या दिककत आ रही है? क्या ये इसलिए नही करना चाह रहे है केन्द्रीय सरकारपहल करना चाह रही है? दूसरे जिन ब्लौक समितियों का पुनर्गन किया जा रहा है, क्या वह सारे हरियाणा में किया जा रहा है या कुछ का किया जा रहा है और उनके नाम बताने का कश्ट करे?

श्री हुकम सिंहः स्पीकर साहब, 1983 में जब ब्लौक समितियों का चुनाव हुआ था तब कांग्रेस का ही राज था लेकिन इनकी सरकार ने दो साल बाद मैम्बरों को ओथ दिलाइ। यह इन्होन इसलिए किया क्योंकि कांग्रेस को खतरा था कि कही लोक दल के मैम्बर चेयरमैन न बन जाएं (विध्न) स्पीकर साहब, वैसे तो ब्लौक समितियों के चुनाव करवाए है उनमे ंकुछ ब्लौक समितियां सीज हो गईी है क्योंकि उनमे ं12 या उसमें कम मैम्बर रह गए। चौधरी देवी लाल की सरकार चूंकि प्रजातन्त्र मे वि वास रखती है इसलिए हम ब्लौक समितियों के चुनाव करवाएंगे।

Constitution of pay Anomay Committe

***866 Sh. Ranjit Singh/Sh. Hira Nand Arya:** Will the Deputy Chief Minister be pleased to state—

(a) The date on which the Pay anomaly committee for remoing the grivances of the State Government employees was constituted together with the consititution of the said committee;

(b) The total mettin gso far held by the said committee; and

(c) Whehter the committee, as referred to in part (a) above, has submitted its final report to the government, if not, the reasons thereof togetherwith the time by which it is likey to sumit its final report?

उप मुख्य मंत्री (श्री बनारसी दास गुप्ता):

(क) 31.05.1988

वेतन असंगति आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्य इस प्रकार है:–

1. श्री मूल चन्द जैन, उपाध्यक्ष राज्य योजना बोर्ड, हरियाणा अध्यक्ष

2. श्री बी0 पी0 सहगल, (सेवा निवृत, आई0 ए0 एस0) सदस्य

3. श्री जी0 माधवन, आयुक्त एवं सचिव

हरियाणा सरकार ि ाकायते। (अब परिवहन आयुक्त)–सदस्य सचिव

(ख) 17

(ग) वेतन अंसगति आयोग ने अपनी रिपोर्ट सरकार को 27 फरवरी, 1989 को प्रस्तुत कर दी है।

श्री रणदीप सिंहः स्पीकर साहब, उप मुख्य मंत्री जी ने अभ बताया है कि पे ऐनौमली कमेटी ने अपनी रिपोर्ट सबमिट कर दी हैं मै आपके द्वारा उप–मुख्य मंत्री जी सेयह जानना चाहता हूं कि वह रिपोर्ट कब तक इम्पलीमैंट कर रहे है?

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, वेतन असंगति आयोग ने जो रिपोर्ट प्रस्तुत की है, उस पर हमारे अधिकारीगण विचार विम र्ा कर रहे। ज्यो ही उस पर अधिकारीगण का अवलोकन पूरा हो जाएगा उसकोइम्पलीमैंट कर दिया जाएगां

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, अभी उप मुख्य मंत्री जी ने फरमाया है कि वेतन असंगति आयोग की रिपोर्ट पर हमारे अधिकारीगण विचार विमर्घ कर रहे है और उस पर विचार विम र्ा पूरा होने के बाद उसको लागू कर दिया जाएगा। मै अपके द्वारा उप मुख्य मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि पे ऐनौमली कमेटी की सिफारि ो क्या है?

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, अभी तो उस रिपोर्ट पर विचार विम र्ा ही किया जा रहा है विचार विम र्ा के बाद ही यह बतलाया जा सकता है कि उस कमेटी की क्या क्या सिफारि ो थी और किन किन सिफारि ाों को स्वीकर किया गया है।

श्री रणजीत सिंहः स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा उप मुख्य मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि अगर पे ऐनौमली कमेटी

की रिपोर्ट को इम्पलीमैंअ किया जाता है तो उसकी फाइनेि ारूल इम्पलीके ांज क्या होगी?

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, इस बारें में इस समय कुद नही बताया जा सकता। अभी तो उस कमेटी की सिफारि ो आई है और उन पर विचार विम र्ा किया जा रहा हैं जब उस पर विचार विम र्ा पूरा हो जाएगा उसके बाद ही बताया जा सकेगा कि उसकी फाइनैि ायल इम्पलीके ांज क्या है।

श्री दुर्गा दत्त अत्रीः स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा उप–मुख्य मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जब पे ऐनौमली कमेटी की मीटिग्ज होती थी क्या उनमें कर्मचारियों के प्रतिनिधियों को भी बुलाया जाता था और उनकी सलाह ली जाती थी?

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, हर अवसर पर कर्मचारियों के प्रतिनिधियों को बुलाया गया और उनके साथ बातचीत की गई। इस कमेटी की मीटिग्ज में कर्मचारियों के प्रतिनिधियों ने जो जो बातें कही थी उन पर पूरी तरह से विचार किया गया है।

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा उप मुख्य मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या ऐसी कैटेगरीज भीर है जिनकी तनखचाहे कम रिकमैड की गई है। इसके अलावा मै यह भी जानना चाहता हूं कि उस रिपोर्ट को कब तक लागू कर दिया जाएगा।

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मैने पहले ही निवेदन किया है कि अभी उस रिपोर्ट पर विचार विम र्ा किया जा रहा है। इस बारें मे ंउस समय तक विस्तार से कुछ नही बताया जा सकता जब तक उस पर विचार विम र्ा पूरा नही हो जाता।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, जो पे ऐनौमली कमेटी बनाई गई थी उसके मैम्बर्ज के नाम अभी उप मुख्य मंत्री ने बताएं है और यह भी बताया है कि उसकी 17 बार मीटिग्ज हुई है। मै आपके द्वारा उप मुख्य मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या उन मीटिग्ज में उस कमेटी ने विभिन्न संगठनों के कर्मचारियों के प्रतिनिधियों को भी बुलाया था?

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, सभी संगठनों के कर्मचारियेां के प्रतिनिधियों को बुलाया गया था औरसभी को बातें को बहुत सहानुभूतिपूर्वक सुना गया था।

कामरेड हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा उप मुत्रय मंत्री जी से जानना चाहता कि पे–ऐनौमली कमेटी की रिकमैन्डे ाज क्या–क्या है?

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मैने पहल ही निवेदन किया है कि अभी उसकी रिपोर्ट पर अधिकारीगण विचार विम र्ा कर रहे हैं विचार विम र्ा के प चात ही इस बारें में बताया जा सकता है।

कामरेड हरपाल सिंहः इन्होने अपने जवाब में कहा है कि ऐनोमली कमेटी की रिपोर्ट आ गई हैं इसलिए हम जानना चाहतो है कि इस ऐनौमी कमेटी ने अपनी क्या रिकमैन्डे ांज दी है?

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, इसका जवाद में पहले दे चुका हूं।

श्री बलबीर सिंह चौधरीः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से उप मंत्र मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि रिटायर्ड कर्मचारी है क्या मंहगाई भत्ते को कोई कि त रिलिज करना बकाया है?

श्री अध्यक्षः आप कहां चले गए है? This supplementary does not arise out of this question.

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, उप मुख्य मंत्री जी ने बताया है कि ऐनौमली कमेटी की रिपोर्ट तो आ चुकी है लेकिन क्या रिकमैन्डै ांज की है वह बताना ये जनहित में नही समझते। मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जो विसंगतियां कर्मचारियों के वेतनों में थी ओर जिन विसंगतियों को दूर करने की कर्मचारी मांग कर रहे थे क्या यह रिपोर्ट कर्मचारियों की मांगों के अनुरूप है या उसमे ंकाफी अन्तर है?

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, जब तक इस रिपोर्ट पर अन्तिम रूप से विचार नही कर लिया जाता तब तक कुछ नही बतलाया जा सकता।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, उप मुख्य मंत्री जी ने बताया है कि इस रिपोर्ट पर अधिकारी स्तर पर विचार विम र्ा किया जा रहा है। मै आपके माध्यम से इनसे जानना चाहता हूं कि इस विचार विम र्ा को कब तक पूरा कर लिया जायेगा? क्या इसके लिये कोई समय नि चत किया जायेगा?

श्री बनारसी दास गुप्ताः यथा संभव जल्दी ही इस रिपोर्ट पर विचार कर लिया जायेगा।

Allotment of Accommodation to Government Employees

***845 Sh. Durga Datt Attri:** Will the Chie Minister be pleased to state—

(a) Whether ther eis any proposal under considerationof the government to provide residential accomodaton to the employees, who have not so far been provided Government accommodation, working in the offices of the State Government located at Chandigarh and and Panchkula; and

(b) Question does not arise.

श्री दुर्गा दत्त अत्रीः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि कितने सरकारी कर्मचारियों को सरकारी

आवाज सुविधा उपलबध करवा दी गई है। और कितने ऐसे कर्मचारी रहते है जनको सरकारी सुविधा कराई जानी है?

श्री वीरेन्द्र सिहः अध्यक्ष महोदय, पंचकुला में 472 कर्मचारियों को सरकारी मकान अलौट किए गए है और 4715 ऐल्पीके ांज सरकारी कर्मचारियों की अभी पैडिग है, जिनके सरकारी मकान अभी उपलब्ध करवाने है।

कामरेड हरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जो कर्मचारी चण्डीगढ़, पंचकूला या हरियाणा के दूसरे हिस्सो में सर्विस करते है उनको जो इस समय मकान भत्ता मिलता है क्या वह इन कर्मचारियें की ऐकमोडे ान के लिए काफी है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, सभी कर्मचारी किसी न किसी मकान मे ंरह रहे है। यदिकोई कर्मचारी किसी मकान से बाहर रह रहा हो तो कुछ दिन पहले वाले सैम्पल की तरह सैम्पल हमें दिखा दे। (हंसी)

श्री दुर्गा दत्त अत्रीः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि सरकारी कर्मचारियें को कितनी सेवा पूरी होने पर सरकारी मकान अलौट होने का नम्बर आत है?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, सभी कर्मचारियों को सीनियोरिटी लिस्ट के हिसाब से मकान अलौट किये जाते है। यदिकोई कर्मचारी बीमार रहता है या और कोई जैनुअन कारण हो

तो उसे सीनियोरिटी लिस्ट से हट कर भी मकान अलौट किया जा सकता है।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, अध्यक्ष महोदय, मै माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या सभी एक कैटेगिरी के कर्मचारियेां को एक समान मकान भत्ता सारी स्टेट में दिया जाता है या नही?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, यह भत्ते कासवाल नही है यदि ऐसा कोई सवाल ये करनाचाहते है तो उप मुख्य मंत्री जी से करें क्योंकि भत्ते का जवाब वही दे सकते है।

मास्टर शिव प्रसादः अध्यक्ष महोदय, अभ मंत्री जी सने बताया है कि पंचकुला में 472 सरकारी कर्मचारियों को सरकारी मकान उपलब्ध करवाये गए है। मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्लास–4 असिस्टैट और क्लर्क वगैरहा जो आगे और मकान अलौट करने के लिए क्या नए मकान बनाये जा रहे है या नए मकान बनाया जाना बंद है?

श्री वीरेन्द्र सिहः अध्यक्ष महोदय, नए मकान बनाये जा रहे है अब तक टाईप वाईज जितने मकान अलौट हुए है वे इस प्रकार है:–

टाईप 1 के क्लास–4 और 3 के लिए = 114

टाईप 2 के = 114

टाईप 3 के = 120

टाईप 4 के = 66 और

टाईप 5 के = 58

श्री रत्न लाल कटारिया: अध्यक्ष महोदय, पंचकूला के सैक्टर–114 में करोड़ों रूपये की लागत से कुछ सरकारी बनाये गए थे। अब मुझे पता लगा है कि भाायद वे रहने के अयोग्य घोशित किए गए है। वहां पर हमरे एस0 एस0 एस0 बोर्ड के एक–दो मैम्बर्ज भी रहते है मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि वहां पर जो करोड़ों रूपये लगा कर मकान बनाये गए थे और जो अब भाायद रहने लायक नही रहे क्या इनकी जानकारी मे यह बात है या नही?

श्री अध्यक्ष: आप कहां चले गए है?

श्री रत्न लाल कटारिया: मै सैक्टर–14 पंचकुला की बात कर रहा हूं क्योंकि वहां पर हमारी सरकारी के करोड़ों रूपए खर्च हुए है।

श्री वीरेन्द्र सिह: यह प्र न मेन क्वै चन से उत्पन्न नही होता।

श्री भागी राम: अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री महोदय ने अपने जवाब में कहा कि मकान सीनियोरिटी से देते है लेकिन इन्होने अपने जवाब में यह भी माना था कि बीमारी की हाल में

उनकी सीनियोरिटी तोडत्र कर भी मकान सरकारी कर्मचारियों को अलौट किये जाते है। मै मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि कितने लोगों को बीमारी के कारण मकानों की अलौटमै।ट की गई है और क्या अलौटमैंट के बाद काई इन्क्वायरी की गई है कि वे लोग बीमार थे?

Mr. Speaker: It is not possible to reply to this question off hand. Please take your seat.

श्री रणजी सिंहः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने अभी बताया कि मकानों की भाौर्टेज हैं इसकी वजह से हरियाणा के अन्दर कई सीनियम औफिसर्ज ओर आई0 ए0 एस0 और आई0 पी0 एस0 अधिकारियों को भी मकान नही मिले हुए है। मै मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि श्री पुनिया साहब, जो कि इस समय मंत्री है, उनको जो आवास दिया गया है क्या वह उस समय का है जब वे सरकारी कर्मचारी थे अथवा तब अलौट किया गया जब वे मंत्री बने?

श्री वीरेन्द्र सिहः उनकी सरकारी मकान वही है जो कि उन्हें तब अलौट किया गया था जब कि वे आई0 ए0 एस0 औफिसर थे। उनके मिनिस्टर बनने के बाद उसी मकान को मिनिस्टर के माकन में कन्वर्ट कर दिया गया।

श्री बलबीर सिह चौधरीः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने अपने जवाब में बताया है कि करीब पौने पांच हजार एप्लीके ान्ज मकानों के लिए पैडिंग पड़ी है। करीब 472 कर्मचारियों को

सरकारी मकान अलौट किये हुए है और लगभग पौने पांच हजार कर्मचारियों को मकान अलौट नही हुए है। मै मत्री महोदय से यह जानना चाहता कि जिन कर्मचारियों को मकान अलौट नही हुए है उनको जो असुविधा हो रही है उसको दूर करने के लिए क्या सरकार कोई विचार कर रही है।

श्री वीरेन्द्र सिहः स्पीकर सर, सवाल यह था कि क्या हरियाणा सरकार हरियाणा प्रांत के सभी सरकारी कर्मचारियें को मकान देने की किसी प्लान पर विचार कर रही है या किसी प्रपोजल पर विचार कर रही हैं हरियाणा प्रांत में लगभग अढाई लाख सरकारी कर्मचारी है। इन सबाके लिए सरकारी मकान बना कर देना असम्भव है। मेरे ख्याल में सैकड़ों साल में भी जब कि कर्मचारियों की संख्या बढ़ती जा रही है, इतना बजट प्रोवाइड नही कया जा सकता जससे इतने सरकारी मकान अलौट किये जा चुक हे। इसके अलावा 97–98 हजार रूपये हमने और मन्जूर किए है। इसके अतिरिक्त डिफैरैट कैटेगरीज के 222 और मकान सैक्टर–14 में बनाने की प्रपोजल है जिस पर 226 लाख रूपए खर्च होगे।

तारांकित प्रश्न संख्या 763

यह प्र न पूछा नही गया क्योंकि माननीय सदस्य श्री कैला ा चन्द भार्मा, इस समय सदन में उपस्थित नही थे।

Acquisition of Land

***875 Sh. Kanti Parkash Bhalla**: Will the Minister for Irrigation and power be pleased to state—

(a) Whether the land except the habitated areas of all the villages which comes under the area of Panchkula project has been acquired by H.U.D.A. ; and

(b) If so, whether there is any proposal under consideration of the Government to develop thesw villages, as referred to in part (a) above, by H.U.D.A. on the pattern of Chandigarh Administraion by providing all the necessary facilituyes/amenities?

Irrigation and Power Minister (Sh. Verender Singh):

(a) Only an area of 376.26 acres has been acquired in sixteen villages which come under Panchkula Project out of the total area of 5018.89 acres.

(b) A scheme for providing infrastructural facilites/amenities in these villages is under consideration.

श्री कांति प्रकाश भल्लाः अध्यक्ष महोदय, पंचकूल प्रोजैक्ट के तह 7—8 गांव ऐसे है जिनकी सारी जमीन ऐक्वायर हो चुकी हैं और केवल आबादी बाकी रह गई है। इस आबादी को सीवरेज ओर दिगर ऐमिनिटीज उपलब्ध नही करवाई गई है। मै मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि या इन गांवों को सीवरेज ओर बाकी की सहूलियें भी दी जा सकेगी?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, मौजूदा सरकार के आने के प चात से इस बात पर बड़ी गहराई से विचार किया जार है

कि हुड्डा जमीन ऐक्वायअर कर ले। कुछ गांवों की तो मोस्ट ऐक्वायर हो चुी हैं हमारे मौजूदा सी0 एम0 साहब जब सोहना से गुडगांवा जा रहे थे तो उन्होन कार्टर पुरी गांव को देखा। इस गांव में राश्ट्रति कार्टर ने विजिट किया था जिस कारण यह गांव ऐतिहासिक गांव बन गया। इस गां की हालत भी काफी खास्ता हालत भी काफी खस्ता पाई थी चौधरीसाहब ने कार्टर पूरी विज को खस्ता हालत को देखा तो कश्ट हुआ। सी0 एम0 साहब ने आदे ाानुसार मैने भी खुद इस गांव का दौरा किया था। जिन गांवो के चारों ओर सैक्टर फैल गए है उन गांवों को सीवरेज वगैरहा की सुविधा हुड्डा खुद प्रोवाईड करेर, इस बारें हम जल्दी ही फैसला लेने वाले है।

श्री देवी दासः स्पीकर साहब, क्या मंत्री जी बातयेगे कि जिन लोगों को जमीनऐक्वायर हो जाती है उन लोगों को भी प्लौटस दिये जाते है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः यह पालिसी अभी जारी की है कि औस्टीज को प्लोटस दिये जाये। जिस व्यक्ति की टोटल लैन्ड मेंसे 75 प्रति ात जमीन ऐक्वायर हो जाती है उन्हे प्लौटस देने का प्रावधन है।

श्री बलबीर सिंह चौधरीः स्पीकर साहब, मे आपके माध्यम से मंत्री होदय से जानना चाहूंगा कि जब इतने बड़े पैमाने पर पंचकूला में जमीन का अधिग्रहरण हो रहा है ओर जिन लोगा

को बीस–बीस और तीस–तीस साल वहां पर अपनी दुकाने चलाते हुए हो गये, उन्हे उजाड़ने की स्कीम बन गई है, क्या उन्हे उचित प्राइस पर आल्टरनेटिव जगह दी जागी या फिर उन्हें वहा से उखाड़ा न जायेगा? ऐसा सरकार को कोई विचार है?

Sh. Verender Singh: Sir, this question is not relevent.

श्री कांति प्रकाश भल्लाः स्पीकर साहब, एक गांव की जमीन हुड्उा ने ऐक्वायर कर ली है आर अब उसे उजाडा जा रहा है। कया मंत्री महोदय बतायेगे कि उस गांव के लोगों को जब तक रहने के लिए प्लौटस नही दिय जाते है तब तक उन्हे न उजाड़ा जाये, ऐसा सरकार का विचार है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः कौनसा गावं है?

श्री कांति प्रकाश भल्लाः उसे रैली को रैला कहते है।

श्री वीरेन्द्र सिहः आप उनसे रिप्रैजैन्टे ान दिलवा दे। हम दोनों मिलकर उसे देखेगे।

श्री कांति प्रकाश भल्लाः क्या आप उन्हे वि वास दिलायेगे कि जब तक औस्टीज को न बसाया जायेगा तब तब उन्हें उजाड़ा नही जायेगा।

श्री वीरेन्द्र सिंहः इस बारें में मै आपसे विचार कर लूंगा। पहले आप उनसे ि ाकायत लाये। अभी कोई कमिटमैट नही की जा सकती।

श्री कांति प्रकाश भल्लाः स्पीकर साहब, विरजापुर के लोगों को प्लौट्स दिये गये है।

श्री अध्यक्षः आपरने जो सवाल किया था उसका जवाब आ गया है अब आप कृपया बैठें।

कामरेड हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, जिन गावों को पूरी जमीन ऐक्वायर हो गयी है, वहां पर लेागों को रेाजगार के साधन चूंकि मुहैया नही हाते है इसलिए वे बेराजगार हो जाते है। क्या उन लोगों को रोजगार मुहैया करने के लिए प्रायरिटी दी जायेगी?

श्री वीरेन्द्र सिंहः जमीन के बदले कम्पनसै ान दिया जाता है मौजूदा सरकार ने उनको और रिलीफ देने के लिए पालिसी बनायी है कि एक प्ला भी उसी अर्बन ऐस्टेट मे ंउन्हे दे दिया जाए।

Construction of Road from village Kancheri to village Rajgarh Dhobi

***837 Sh. Tek Chand:** Will the Minister for P.W.D. (B & R) be pleased to state—

(a) Whether the road from village Kancheri (Tohana) to village raJgarh Dhobi (Narwana) has been sanctioned; and

(b) If so, the year in which the sanction was accroded togetherwith the details of its present stage of construction?

Public Works Minister (Sh. Om Parkash Bhardwaj):

(a) Yes.

(b) The road was sanctioned in the Year 1979. Details of present state of construction as on 28-02-89 are as under:-

1.	Total length	4.90 Kms.
2.	Earth work done	4.00 Kms.
3.	Culverts complteted	4.00 Kms.
4.	Soiling laid	1.70 Kms.

श्री टेक चन्द: स्पीकर साहब, सन 1978 में हमारी आदरणीय मुख्य मंत्री ने कचहडी गांव में सड़क बनवाने का ऐलान कियाथा। आज उस बात कि दस साल बीत चुके है। मिट्टी डाली

हुई है। लकिनसोलिग काकाम पूरा नही हुआ। मै आपके द्वारा मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि यह सड़क कब पूर हो जायेगी?

श्री ओम प्रकाश भारद्वाजः स्पीकर साहब, यह दस साल पुरानी बात है जो मेरे दोस्त नैन साहब ने पूछी हैं मै उन्ही यही सलाह दूंगा कि वे अपने पडोसी से पूछ जिनके इने साथ दीवारसे दीवार लगी हुई है वैसे मै भी इनको सारी जानकारी दे दूंगा।

श्री टेक चन्दः मै यह जानना चाहता हूं कि यह कब तक पूरी हो जायेगी?

श्री ओम प्रकाश भारद्वाजः स्पीकर साहब, इस सड़क के तीन दफा टैन्डर काल हुए। 20.03.87 को टैन्डर हुए तो कोई टैन्डर नही आया, 14.10.87 को टैन्डर हुए तो भी कोई टैन्डर नही आया और 01.02.89 को भी कोई टैन्डर नही अया। अब एक दफा फिर डिपार्टमैट टैन्टर लेगा। अगर अब भी नही आया तो डिपार्टमैंट 1989–90 तक इसे कम्पलीट कर देगा।

श्री भगवान सहाय रावतः स्पीकर साहब, क्या मत्री महोदय बतायेगे कि जो सड़के 1979 में स्वीकृत हुई और 28.02. 1989 तक भी कम्पलीट नही हुई है, यह पिछली कांग्रेस सरकार के क्रिया–कलाप का एक उदाहरण है ओर क्या वर्तमान सरकार पिछले 10 सालों से इन–कम्पलीट पड़ी सड़कों को कम्पलीट करायेगी?

श्री ओम प्रकाश भारद्वाजः स्पीकर साहब, रावत साहब ने सवाल तो बड़ा ही माकूल किया है। पिछले 40 साल से कांग्रेस

सरकार ने काबली की कर भी लगाई जो आते–जाती के कपड़ों को फाड़ती रही ओर नागफल भी लगाये। उनको सिचाई भी बहुत की। अब हमारे आरदरणीय मुख मत्री तील का रहनुमाई में, उनके सहयोगियों ने कीकरों का सफाया तो कर दिया औ दिसम्बर तक यह जो नागफल लगाया है, इसका भी सफाया हो जायेगा।

श्री बलबीर सिंह चौधरी: स्पीकरसाहब, मै आदरर्णीय मंत्री महोदय से एक बात जानना चाहता हूं कि स्टेट हाई वें नं0 2 जो हरियाणा के छः जिलों में से गुजरात है उस पर कैथल नगर में रेवले ओवर ब्रिज बनाने पर विचार करेगे? (व्यवधान व भाोर)

श्री अध्यक्ष: आप कहा चले गये? यह रैलेवैन्अ नही है। You should read the question and then put the supplementary.

श्री भागी राम: अध्यक्ष महोदय, 1987 के आम चुनाव में जब हम गांव में जाया करते थे तो उस समय लोग एक नारा लगाया करते थे कि कीकर और कांग्रेस दोनों ही अच्छे नही होते। (ाोर)

Mr. Speaker: Bhagi Ram Ji, this is not the way. Please take your seat.

कामरेड हरपाल सिंह: स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से एक बात जानना चाहता हूं कुद सड़के ऐसी है जो 1979 में स्वीकृत हुइ लकिन आज 1989 तक कम्पलीट नही हुई हैं जो पुलियां बनी, वे डैमेज हो गयी, जो पत्थर उन पर

गिरवाये गये,वे दोबारा गिरवाने पड़ेग। इस तरह से जो नुकसान हो रह है, उस को देखते हुए क्या मंत्री जी ऐसी सडत्रकों को टाईम बाउन्ड अर्से मे ंबनवाएंगे?

श्री ओम प्रकाश भारद्वाजः स्पीकर साहब, कामरेड साहब इस बारें मे तो अपने पड़ोसी सरदार हरपाल सिंह से ही पूछ लेते क्यों यह उनकी की कारगुजारी थी। हम से ये पुरानी बीमार का क्या इलाज पूछते है?

सिचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह): डां, उत्तरी घग्गर सामानान्तर नहर को पक्का करने का कार्य वर्श 1981 में भाुरू हुआ था। इस समय इस कार्य को पूरा करने के लिए कोई नि चत कार्यक्रम नही दिया जा सकता क्योंकि यह धनरा ि ा की उपलब्धि पर निर्भर करता हैं

श्री भाग रामः स्पीकर साहब, मेरा सवाल दो तीन पार्ट का है। अगर आप इजाजत दे तो मै इकट्ठा ही पूछ लू। यदि आप कहे तो एक एक करके पूछ लूं।

श्री अध्यक्षः एक एक करक पूछे।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, मै आपकी मार्फत मंत्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि रूा इस एन0 जी0 सी0 पैरेलल नहर का कमा अब चल रहा है या नही, अगर नही तो यह कब बन्द हुआ?

श्री वीरेन्द्र सिंह: यह एन0जी0 सी0 पैरलल नहर मार्च, 1979 में मंजूर की गयी थी जब चौधरी देवी लाल जी की सरकार थी। यह स्कीम ओटू का रेज करने का कम्नोनैंट पार्ट थी। 1981 में इस परकाम भुारू हुआ। लोगो ंसे जुबानी तौर पर कुछ कर यह काम इस आ वासन के साथ भुारू कर दिया गया कि उनको बाद मे कम्पनसे ान दे दिया जायेगा। (विघ्न) जब लोगों ने इजाजत दे दी तो सरकार नके काम भु कर दिया था। लेकिन बाद में कुछ लोग कोर्ट में चले गये और वहांसे स्टे–आर्डर ल आये कि पहले मुआवजा दिया जाये। उन्होने यह भी कहा कि मुआवजा लेने के बाद ही वे इस काम को चलने देगे वरना चलने नही देगे। इस नहर की टोडल लैंस साढे तीन किलोंमीटर है। ओर इसमें से 28.8 किलोमीटरबैचिज में बन चुकी है। बाकी 1.7 किलोंमीटर रही है। स्पीकर साहब, जो 28.8 किलोमीटर नहर बनी हैं वह भी बैचिज में बनी हैं कई जगह यह छूटी हुई नही है। कचहरी की तरफ से हमें ये आदे ा हुए है कि 30.09.89 तक सारा मुआवजा हमें किसानों को देना है। नवम्बर, 1988 में सैक ान 4 की कार्यवाही करने के बाद जमीन की ऐक्वीजी ान की कार्यवाही सैक ान 6 के अन्डर भी हो चुकी है। यह प्रौसैस पूरा हो चुकने के बाद ही काम भुारू करने का विचार हैं

श्री भागी राम: अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने बताया कि किसी ने स्टे आर्डर ले रखे थे। मेरी जानकारी के मुताबिक स्टे आर्डर विदड्रा करने के लिए अब उन्होने होई कोर्ट से ऐप्लीके ान

दे दी है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि केस विदड्रा होने केबाद उस नहर का काम जल्दी भाु करवा दिया जाएगा?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, स्टे विदड्रा करने या न करने से कोई फर्क नही पड़ता। हमने लैड ऐक्वीजी ान की कार्यवाही भारू कर दी है क्योंकि बिनालैंड ऐक्वायर किए काम भारू नही किया जा सकता। 1980–81 में काम भारू किया गया था लेकिन बाद में स्टे ले लिय गय। जब लैड ऐक्वायर हो जाएगी तो काम भारू कर दिया जाएगा।

श्री रणीजी सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने बताया है कि 1981 में काम भाु कर दिया गया था। अध्यक्ष महोदय, इस नहर को दस प्रति ात हिस्सा रह गया है। जो बनता है बाकी नहर बन चुकी हैं जवाब में कहा गयाहै कि पर्याप्त धनरा ि ा की कमी है।

श्री वीरेन्द्र सिहः मैने यह ही कहा कि पर्याप्त धनरा ि ा नही है।

श्री रणजीत सिंहः स्पीकर साहब, इन्होने यह भी कहा है कि लैड ऐक्वायर करने के बाद ये किसानों को कम्पनसे ान का पैसा देगे। अध्यक्ष महोदय, सघर्श के दिनों में मै, भागी राम और चौधरी वीरेन्द्र सिंह वहां घूमा करते थे। इन्होने क्य मंत्री महोदय थोड़े से अमाउन्ट से पूरी होनी वाली इस नहर को जल्दी पूरा करने का विचार करेगेत्र?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, हमें चालीस लाख रूपया जमीन की कम्पनसे ान का देना होगा और जो बाकी नहर रहती है उस पर चालीस लाख रूपया खर्च आएगा। इस तरह से टोटल अस्सी लाख रूपए खर्च होगे। स्पीकर साहब, ज्यों ही जमीन ऐक्वायर हो जाएगी औरकम्पनसे ान दे देगे उस परकार्यवाही भ्रुरू देगे। मैने यह नही कहा कि पर्याप्त धनरा ि ा नही है। मैने कहा है कि It depends upon the availability of funds. धन है। लेकिन वह फैजिज में लगेगा और आहिस्ता आहिस्ता लगेगा।

श्री भागी रामः स्पीकर साहब, जिन लोगो ंकी जमीन नहर के नीचे आत है वे अपनी तरफ से ऐफीडैविट आपके डिपार्टमैंअ को देने को तया है कि जब ऐक्वायर करने की कार्यवाही पूरी हो जाए तो मुआवजा दे दे और जब तक कार्यवाही पूरी नही हो जाती हम मुआवजा नही लेगें। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगेग कि अगर वे लोग इस तरह से ऐफीडैविट दे दें तो क्या इस नहर को जल्दी बनाने पर विचार किया जाएगा?

श्री वीरेन्द्र सिहः स्पीकर साहब, सारे लोग इन राइटिग ऐफीडैविट देगे तो काम जल्दी भ्रुरू कर देंगे।

श्री दुर्गा दत्त अत्रीः स्पीकर साहब, एक बाद वैस्टर्न जमना कैनान, जो हांसी होकर जाती है, पर काम भ्रुरू किया गयाथा क्या मंत्री जी उस पर फिर काम भ्रुरू करवाऐगे?

श्री बलबीर सिंह चौधरीः अध्यक्ष महोदय, भूना टेल माइनर पर कुछ काम भ्रारू किया गया था लेकिन बाद में चौधरी भजन लाल ने उस एरिया को लोकदल का गढ़ समझ कर काम बन्द करवा दिया था। क्या मंत्री महोदय उस पर दुबारा काम भ्रारू करवाने की कृपा करेगे?

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, आज क्या बात है आप एक भी सप्लीमैन्टरी रेलेवैन्ट नही कर रहे है। आप कृपया बैठिएं

तारांकित प्रश्न संख्या 912

यह प्र न पूछा नही गया क्योंकि माननीय सदस्य श्री नरबरी सिंह, इस समय सदन में उपस्थित नही थे।

तारांकित प्रश्न संख्या 898

यह प्र न पूछा नही गया क्योंकि माननीय सदस्य श्री मोहिन्द्र इस समय सदन में उपस्थित नही थे।

श्री अध्यक्षः अगला क्वै चन नं0 914 श्री जगन नाथ जी का है But he is also not present.

श्री वीरेन्द्र सिहः स्पीकर साहब, श्री जगन नाथ जी तो नही है परन्तु मै इस सवाल का जवाद दे देता हूं। इसे अलावा जो जवाब सर्कुलेट हो गया है, रिकार्ड का स्ट्रट रखने के लिए मै उस मं भी कुछ अमैडमैंड करना चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः ठीक है।

Illegal Occuation of H.S.E.B. Land in Hisar

***914 Sh. Jagan Nath:** Will the Minister for Irrigatonand Power be pleased to state-

(a) Whether it is a fact that M/s Swastik Udyog Ltd. has illegally occupied the land under proseesion of H.S.E.B., near B.B.M.B Power House, Satrod Khas, Hisar; and

(b) If so, the action, if any taken or proposed to be taken in this regard?

सिचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिह): (क) तथा (ख) स्पीकर साहब, जमीन की नि ाानदेही करवा रहे है और नि ानदेही के बाद ही किसी नजीते पर पहुंचेगे कि जमीन पर ऐन्क्रोचमैंअ है या नही।

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज आज की कवैच्चन्ज लिस्ट में कुल 12 क्वै ाचन्ज थे लकि उनमें से केवल 7 ही लग पाए है क्योंक 5 मैम्बर्ज साहबेबान अपनी टर्न परसदन मे ंउपस्थित नही थे। यह बहुत अनफार्चुनेट बात है क्योंकि एक तो मंत्रीगण बड़ी मेहनत से सवालों का जवादतैयार करे आते है और दूसरे जवाब तैयार करने में बहुत खर्चा होता है। इसलिए मैम्बर्ज साहेबान को चाहिए कि वे क्वै चन आवर में अपना सवाल पूछने क लिए अव य हाजिर हुआ करें।

सेठ लछमन दास बजाजः सेर, मेरा सवाल नम्बन 801 ज टेक–अप हुआ था, मै उस सदन में उपस्थित नही था। अगर आपकी इजाजत हो तो मै आपना सवाल पुट कर लूं।

श्री अध्यक्षः ठीक है आप पुट करे ले।

Modern Grams

801 Seth Lachman Dass Baja: Will the Minister for Development & Panchayats be pleased to state—

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to convert the villages of Karnal which come under the radius of 10 K.M. of Karnal City, as Modern Grams; and

(b) If so, the time by which the afore-said proposal is likely to materailize?

विकास मंत्री (श्री हुकम सिंह):

(क) जी नही।

(ख) प्र न नही उठता।

सेठ लछमन दास बजाजः अध्यक्ष महोदय, मतै आपकी मार्फत मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि करनाल के आस पास 10 मील के एरिया के अन्दर अन्दर जितने बड़े बड़े गांव है क्या उनमें से कोई गांव चुनकर उसको भाहर की भांति स्कूल, पार्क, फ्ल ा वर्गरह की सारी सहूलियतें प्रदान करके फोकस या

मार्डन गांव बनाने की सरकार के पास कोई योजना विचाराधीन है?

श्री हुकम सिंहः अध्यक्ष महोदय, मौर्डन और फोकस विलेज बनाने के लिए हम छोटे ही गांव लेते है लेकिन अभी मौर्डन विलेज बनाने के लिए करनाल के 10 किलोमीटर एरिया में कोई गांव नही लिया गया हैं वैसे पानी ब्लौक का गांव सिवाह और मतलौडा ब्लौक का गांव आलुपर इसके लिए विचारधीन है।

कामरेड हरपाल सिंहः बड़े भाहरों के इर्द गिर्द बड़े बड़े गांव जो है वहां से भाहर के लोगों को सहूलियतों के लिए सब्जी, दूध अनाज औ दूसरी वस्तुए उपलब्ध कराई जाती है। मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि क्या ऐसे गांव के लोगों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए भी सरकार के पास कोई स्कीम्ज विचारधीन है ताकि ऐसे गांवों के लोगों को भी हर प्रकार की, भाहरों जैसी सहूलियतें मुहैया करवायी जा सके?

श्री हुक्म सिंहः अध्यक्ष महोदय, ये सब प्रकार की प्रापोजल्ज हमें नीचे से आती है। चाहे किसी पंचायत का प्रस्ताव हो या चाहे बी0 डी0 ओ0, डी0 सी0 या किसी विधायक की तरफ से इस तरह का प्रस्ताव हो, ऐसे प्रस्ताव पर हमारा जो हरियाणा रूरल डिवैल्पमैट बोर्ड है, वह विचार करता है।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि किसी गांव को मौडर्न गांव सिलैक्ट करने का सरकार का क्या क्राइटेरिया है?

श्री हुकम सिंहः अध्यक्ष महोदय, जैसाकि मैने पहले बताया इस तरह की सारी प्रपोजल्ज हमें बी0 डी0 ओ0, डी0 सीज0 या किसी विधायक की ओर से ही आती है जिस पर हमारा जो हरियाण रूरल डिवैल्पमैंट बोर्ड है,वह विचार करता है कि किस विलेज को मौर्डन विलेज अडौप्त किया जाए।

श्री दुगा दत्त अत्रीः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि फोकल ग्राम या आधुनिक ग्राम बनाने के लिए केन्द्र सरकार से भी कोई सहायता मिलती है?

श्री हुकम सिंहः स्पीकर साहब, केन्द्रीय सरकार से कुद नही मिलता, सारा खर्चा स्टेट सरकार देती है।

श्री बलबीर सिंह चौधरीः स्पीकर साहब, फौरेल कन्ट्रीजल में ऐसा है कि बड़े भाहरों से कुछ दूर लोग कालोनियों में बसते है। मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि यदिहरियाणा में भाहर के लोग दस किलोमीटर के एरिया में ऐडवांस पैसा देकर मकान लेना चाहे तेा क्या उनको मकान दिया जाएगा? ऐसा करने से हरियाणा एक प्रगति ील राज्य बनेगा।

श्री हुक्म सिंहः स्पीकर साहब, करनाल के दस किलोमीअर एरिया के सिी गांव केा अडौप्त करनेका प्रस्ताव नीचे से बोर्ड के पास नही आया लकिन हमारा प्रस्ताव है कि करनाल के दो गांवों केा अडौप्त किया जाए। उनके नाम है सिवाह ओर आलुपर।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः स्पीकर साहब, क्या मंत्री जी बताएंगे कि हरियाणा में कौन कौन से गांव मौडल विलेज बनाने के लिए अडौप्त किए गए है और खास तौर से जिला जींद में कौन–कौन से गांव अडौप्त किए गए है? इनमें क्या फसिललिटी दी जाती है यह भी बताने का कश्ट करे?

श्री हुकम सिंहः स्पीकर साहब, बोर्ड ने कुल 62 गावं लिए है। इनमे ंजो फैसिलिटी दी जाती है वह गलियों बनाना, उस गांव के दोनों तरह ड्रैन बनाई जाती है, पंचायत घर बनाए जाते है, बच्चों के पार्क बनाए जाते है ओर भाौपिग बूथस बनाए जाते है। जहां तक दूसरे महकमों का संबंध है जैसे डिस्पैसरी खोलनी है या बस क्यू भौल्टर बनाना है तो उसके लिए संबंधित महकमें को लिख देते है कि यह मौडल विलेज बन रहा है आप भी इसमें अपना काम करें जींद जिले में भाामलों कलां तथा फलिया कला। गांव अडौप्त किए गए है।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, यहां बताया गया है कि फाकल विजले या मौडल विलेज बनाने के लिए भाहर

की दूरी, लोगों की मांअ और वहां की आबादी का माप दंड हेागा। मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जिन गांवों के लोगों ने सन् 1857 के गदर में सामूहिक तौर पर भाहदत दी, जो लोग आजादी की जद्दोजहद में मारे गए, क्या वे गां भी इस कैटगेरी में रखे जाएंगे? दूसरी, पिछली सरकार ने जिन गांवों को फोकल विलेज डिक्लेयर किया था, वहां डेढ़ साल से कम बन्द पड़ा है। क्या उनके काम को भी प्रायरिटी के तौर पर चालू करेगे?

श्री हुकम सिहः स्पीकर साहब, महेन्द्र प्रताप जी घर बैठे मजे लेते रहे है क्या इन्होने बोर्ड के पास कोई प्रस्ताव भेजा है। (विध्न)

श्री भगवान सहाय रावतः अध्यक्ष महोदय, क्या आदरणीय मंत्री महोदय बताएंगे कि फरीदाबाद में कितने विलेज फोकल विलेज के रूप में अडौप्त किए है? देसरू क्या हमारी सरकार ने न्याय युद्ध के दौरान भाहीद हुए लोगों के ग्रामों को भी आद र्ा ग्राम घोशित किया है?

श्री हुकम सिंहः स्पीकरसाहब, न्याय युद्ध और रास्ता रोकों आदोंलन के समय हमारे तीन लोग भाहीद हुए थे। उनके तीनों गांवों को अडौप्त किया गया है।

श्री भागी रामः स्पीकर साहब, जैसे मंत्री जी ने बताया कि विधायक अपनी तरह से लिख कर प्रस्ताव भेजे। क्या मंत्री जी

बताएंगे कि अगर कोई विधायक रात के डेढ़ बजे कही भाग निकल हो तो क्या उनकी बात भी मान लेगे।

श्री अध्यक्षः यह कोइ सवाल नही है। आप बैठिए।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैने सप्लीमैटरी किया था लेकिन मंत्री महोदयका पता नही आदत ही ऐसी है, वे सुनते समझते नही और जान बूझ कर ऐसे जवाब देत है। मैने भाहीदों के नाम पर विलेज अडौप्त करने की बात कही थी। इसकी तजवीज मैने माननीय गुप्ता जी को भी दी थी। क्या ये उस पर विचार करेगे? दूसरे, जो गांव तीन साल पहले अडौप्त हो चुके है और उन पर काम बन्द पड़ा है क्या उनके काम को प्राथमिकता के आधार पर भाुरू किया जाएगा? मंत्री जी तो हाउस में गलत ब्यानी कर रहे है।

श्री हुकम सिंहः स्पीकर साहब, ये कहर रहे कि मै हाउस में गलत ब्यानी कर रहा हूं लेकिन इन्होने बोर्ड के पास चूंकि कोई प्रस्ताव नही भेजा इसलिए गलत ब्यानी तो ये खुद कर रहे है।

Mr. Speaker: Question Hour is over.

अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Numer of Vehicles with Health Department

138 Sh. Raghu Yadav: Will the Minister for Health be pleased to state—

(a) The totl number of vehicles withthe Health Department at present in the State; ;and

(b) The expenditure incurred on fuel and maintenace of the aforesaid vehicles during the period form 1st January, 1988 to 31st December, 1988?

स्वास्थ्य तथा आयुर्वेद मंत्री (श्रीमती कमला वर्मा):

(क) 454 वाहन।

(ख) 3341444 रू0 55 पैसे।

Amount spend on Development of cities under National Capital Region Scheme

139 Sh. Raghu Yadv: Will the Chif Minister be pleased to state—

(a) The name of the cities of Haryana which come under the National Capital Region Scheme (N.C.R.);

(b) The amount, if any spent so far on the developmental the Government to develop the cities, as refered to in part (a) above during the year 1989-90?

Irrigationand Power Minister (Sh. Verender Singh):

(a) There are 27 functionally classified towns/cities falling in the National Capital Region in Haryana as per enclosed list.

(b) The N.C.R. Planning Board has given cental Loan Assitance for some develpment schemes in Panipat and

Gurgaon only. An amount of Rs. 27.96 crores has been spend by Haryana Urban Development Authority and Urban Estate Department for the develpment schemes in Gurgaon and Panipat in which central Loan Assistance of Rs. 7.825 Crores (Panipat=5.025 crores and Gurgaon: Rs. 2.80 crores) has been received from Natonal Capital Region Planing Board.

(c) Yes, the N.C.R. Planing Board has been approached with specific schemes for some towns.

List showing Fuctional classification of Town/Cities of Haryana falling in Haryana Sub-regionof N.C.R.

Class	No.	Name
I	4	Faridabad, Panipat, Rohtak & Sonepat.
II	2	Gurgaon & Rewari
III	4	Bahadurgarh, Gohana, Jhajjar & Palwal
IV	8	Beri, Ganaur, Hailey Mandi, Hodal, Kalanaur, Madham, Samalkha & Sohna.
V	9	Barwal, Earukh Nagar, Ferozepur, Hassanpur, Hathin, Jharsa, Nuh, Pataudi & Toaru.
Total	27	

Opening of Dispensaries in Rural Areas

144 Sh. Jai NarainKhundia: Will the Minister for Health be plased to state—

(a) The number of dispensaries propsed to be opened by the Government in the rural areas duing the years 1989-90; and

(b) Whether there is any proposal under considerationof the Government to open such dispensary in Kalanaur Constituency?

स्वास्थ्य मंत्री आयुर्वेद मंत्री (श्रीमती कमला वर्मा):

(क) नही

(ख) प्र न उत्पन्न नही होता।

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव

ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की कम सप्लाई तथा पीने की कमी के कारण किसानों तथा उपभोक्ताओं द्वारा कठिनाइयों को सामना करने संबधी

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have received a notice of calling Attention Motion No. 1 from Sh. Hira Nand Arya M.L.A., regarding diffcultes being faced by the farmers and consumers due to shortage of supply of electrcity and drinking watter to the rural areas. I admit it.

श्री हीरा नन्द आर्य अपना नोअिस पढ़ दें और उसे बाद यदि सम्बन्धित मंत्री स्टेटमैंट देना चाहे तो दे दे।

श्री हीरा नन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, मै इस महान सदन का ध्यान आकृश्ट करना चाहता हू कि पिछले कुद दिनों से राज्य

में बिजली उपभोक्ता वि ोशकर किसान बिजली की कम सप्लाई के कारण भारी कठिनाई का सामना कर रहे हैं बिजली की सप्लाई एक दिन छोड़कर तथा कम आने के कारण किसान पीने के पानी को इकट्ठा नही कर सकते जिसके कारण उनहे पीने के पानी की भारी कठिनाई का भी सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों में बेचैनी तथा अंसतोश व्याप्त है। अतः संबंधित मंत्री इस संबंध में की गई कार्यवाही के बारें में सदन में एक वक्तव्य देकर सदन को सूचित करें।

वक्तव्य

सिंचाई तथा बिजली मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव संबंधी

सिचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिह): अध्यक्ष महोदय, चौधरी देवी लाल के नेत्त्व में वर्तमान सरकार ने बिजली आपूर्ति के मामले में एक इतिहास बना दियाहै। पिछले वर्श हमने भाताब्दी क सबसे भीशण सूखे का सामना किया। हमने कृशि क्षेत्र को जहां तक भी संभव हो सका अधिक से अधिक बिजली प्रदान की ताकि हरियाणा के किसानों की उनकी विपत्ति के समय में सहायता की जा सके। पूर्ववर्ती वर्श में कृशि क्षेत्र को प्रदान की गई 16,240 लाख यूनिट बिजली की अपेक्षा पिछले वर्श हमने किसानों को 21,762 लाख यूनिट बिजली प्रदान की जोकि 34 प्रति ात अधिक थी। चालू वित्तीय वर्श के दोरान हमने बिजली

का इतना अच्दा प्रबन्ध कियाथा कि मार्च से दिसम्बर 1988 तक किसी भी आर्थिक क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति की कोई कमी नही थी। हरियाणा के इतिहास में पहली बार ग्रामीण क्षेत्र को चौबीसों घण्टे बिजली उपलबध कराई गई। इस बढ़ी हुई बिजली की उपलब्धि से स्वाभाविक रूप से खेतों एवं फैक्टरियेां दोनों ही के उत्पादन मे बहुत अधिक वृद्धि हुई।

यद्यपि लगभग एक महीने से अब बिजली की उपलब्धि में बाधा आई है 27 जनवरी, 1989 को पोग बिजली घर के नियन्त्रण कक्ष में आग लग गई जिसके कारण बिजली घर को बन्द करना पड़ा है। इससे राज्य को प्रतिदिन लगभग 10 लाख यूनिट बिजली से वंचित होना पड़ा है। उनही दिनों में सिगरौली एवं राश्ट्रीय थर्मल विद्युत निगल के रिहन्दसुपर थर्मल में भी बिजली के उत्पादन में अस्थिरता आ गई। अभी भी रिहन्द सुपर थर्मल की म ाीने स्थिर नही हुई है। जिससे ग्रिड में बिजली की कमी आ गई है।

बाधाओं के बाजवूद फरवरी के महीने में औसतन बिजली की उपलब्धि 183 लाख यूनिट प्रति दिन हुई है जिनमें से औसतन 105 लाख यूनिट बिजली कृशि क्षेत्र को दी गई। जो कुल आपूर्ति का प्रायः 60 प्रति ात हैं अब तक प्राप्त विद्युत आपूर्ति की उपलब्धि का यह उच्चतम स्तर है। मै इस महान सदन को यह सूचित करना चाहूंगा कि कृशि क्षेत्र को तदनुसार वर्श 1987–88 में 89 लाख यूनिट प्रति दिन, वर्श 1986–87 में 67

लाख यनिट प्रति दन और वर्श 1985–86 में केवल 51 लाख यूनिट प्रतिदिन बिजली की आपूर्ति थी। यह देखा जा सकता है कि इस सरकार के सत्ता सम्भालने के दो वर्शों में फरवरी के महीने में कृशि क्षेत्र की बिजली आपूर्ति में 57 प्रति ात की भाुद्ध वृद्धि हुई है।

यह ठीक है कि उपरोक्त (फैक्टरों) तत्वों के कारण हमें विद्युत आपूर्ति पर 27 जनवरी, 1989 से प्रतिबन्ध लगाने पड़े थे। ग्रामीण फीडरों कोसमूहों (ग्रुपो) में विभक्त किया गया था और दिन के दौरान विद्युत आपूर्ति केवल वैकल्पिक दिनों में उपलब्ध थी। साथ ही औद्योगिक उपभोक्ताओं परभी प्रतिबन्ध लगाया गया था। स्टील आर्ट फर्नेसेज दिन के दौरान बन्द कर दी गई थी। उनहें केवल रात के दौरान 8 ½ घण्टे बिजली दी जाती थी।

फरवरी के अन्त में स्थिति की पुन समीक्ष की गई। सर्दी में वर्शा न होने के कारण कृशि सम्बन्धी मांग बढ़ रही थी इसलिए कृशि को और अधिक बिजली देना आव यक समझा गया। तदनुसारराज्य में औद्योगिक यूनिटों पर और अधिक कठोर नियमित उपायोग को लागू किया गया है जबकि कृशि क्षेत्र पर लगी सभी पाबन्दियों 28 फरवरी, 1989 से उठा ली गई है। इसके बावजूद ग्रिड में वोल्टैल में उतार–चढ़ाव होने तथा कम आवर्ती स्थितियों (लो फ्रिक्वेन्सीज) के कारण समस्याएं है जिससे केन्द्रीय प्राधिकारियों को मजबूरन हमारे फीडरों पर कटौती लगानी पड़ी। बिजली आपूर्ति स्थिति पर एक सतत तथा गहन निगरानी रखी जा

रही है और कृशि सम्बन्धी क्षेत्र को अधिकतम बिजली दी जा रही हैं राज्य में पानी आपूर्ति स्कीमों के लिए भी पर्याप्त बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है। जिसके बारें में कही से भी कोई ि ाकायत सरकार को नही मिली हैं कृशि क्षेत्र पूरी आव यकता को पूरा करने तथा यह सुनि ि चत करने के लिए कि बिजली आपूर्ति की कमी के कारण फसलों को कोई हानि न हो, सरकार कृतसंकल्प हैं

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, इसमें कोई दो राय नही कि हमारी सरकार ने जिस प्रकारसे बिजली का प्रबंध किया है वह प्र ांसा के योग्य है। मेरा भाव केवल इतना ही है कि पिदले दिनों बिजली की कुछ कमी होगई थी। उन कमियों के कारण अभी मंत्री महोदय ने अपने जवाब में बताये भी है। पिछले दिनों बिजली की कमी के कारण 48–48 धण्टे बाद बिलली सप्लाई की जाती थी जिसके कारण लोगों को इतनी कैपेसिटी नही थी किवे एक बार पानी आने पर 48–48 घण्टे के लिएपानी को स्टेर कर सकें। मै केवल इतना ही जानना चाहता हूं कि क्या यह व्यवस्था अब हटा ली गई है या नही?

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, पीने के पानी की कोई ि ाकायत बिजली बोर्ड को पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंअ के द्वारा नही मिली है।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मेरा कहना यह है कि पिछले दिनों बिजली की कमी के कारण लोगों को 48–48 घण्टे बाद पीने का पानी सप्लाई होता था। इसका कारण यह था कि बिजली की सप्लाई 48 घण्टे बादकेवल दो घण्टे के लिए ही पाती थी जिसके कारण पब्लिक हैल्थ के टयूबवैल्ज नही चल पाते थे और लोगों को पानी जो सप्लाई होता था मेरे कहने का मतलब यह है कि अगर पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट के टयूबवैल्ज को ज्यादा बिजली मिलती तो ज्यादा पानी की सप्लाई होती और लोगों को यह दिक्कत न आती।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, 27 फरवरी को ऐग्रीकल्चर सैक्टर से हर तरह को कट उठा लिया गया था। कही से भी हमें पीने के पानी की भी कोई ि ाकायत नही आई कि पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट के टयूबवैल्ज को बिजली सप्लई नही हो रही है।

कामरेड हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मेरा एक काल अटैन् ान मौ ान था।

श्री अध्यक्षः अब काल अटैन् ान मो ान के बारें में पूछने का समय चला गया हैं

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मेरे भी 3–4 काल अटैन्शान मो ान्ज थे, उनका क्या हुआ?

श्री अध्यक्षः उनके बारें में कल बात करेगे।

श्री मंगल सैनः आज क्यों नही?

श्री अध्यक्षः आपका एक काल अटैन्शन नोटिस 13 तारीख को लगा हुआ है। बाकी कल बात करेगे।

श्री मंगल सैनः सर, कल क्यो बात करेगे? क्या आज मुहर्त खरबा है? (हंसी)

श्री अध्यक्षः इस सम्बन्ध में बात करने का समय निकल चुका है।

श्री मंगल सैनः ठीक है जी।

सदन की मेज पर रखे गये कागज–पत्र

श्री अध्यक्षः अब पालियामैन्टरी अफेयर्ज मिनिस्टर हाउस की टेबल पर पेपर ले करेगे।

Irrigation and Power Minister (Sh. Verender Singh): Sir, I beg to lay on the Table—

1. The Housing Department Notification No. G.S.R. 68/P.A. 24/61/S. 40/48, dated the 16th September, 1988, regarding the Punjab Slum Areas (Improvement and Clearance) Haryana 1st Amendent Rules, 1988, as required under section 40 (3) of the Pubjab Slum Areas (Improvement) and Clearance Act, 1961.

2. The Cooperation Department Nofification No. G.S.R. 11/H.A 22/84/S. 131/89, dated the 27th January, 1989, regarding the Haryana Cooperative Societies Rules,

1989, as required under Section 13 (3) of the Haryana Cooperative Societies Act, 1984.

वर्श 1989–90 के बजट पर सामान्य चर्चा

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, अब ईयर 1989–90 के बजट पर जनरल डिस्क ान होगी। सबसे पहले श्री मंगल सैन जी बोलेगे।

श्री मंगल सैन (रोहतक): स्पीकर सर, मै आपका आभारी हूं कि आपे र्मुझ बजब परबोलने का मौका दिया। श्री बनारसी दास गुप्ता जी ने, जो हमरे उप मुख्य मंत्री भी है, कल जो बजट पे ा किया है वह सराहनीय है। प्रदे ा में भयंकर सूखा पड़ने ओर बादमे ंबाढ आने के बावजूद भी उन्होन हरियाणा में कोई नया टैक्स नही लगाया हैं स्पीकर सर,यह बजट पूरे हिन्दूस्तान में एक आद र्ा प्रस्तुत करता है ंहमारे मास्टर जी ने जो बजट प्रस्तुत किया है वह अति सराहनीय हैं हमारे उप–मुख्य मंत्री महोदय पहले मास्टर थे यदि मै उनेा मास्टर जी कहूं ता इसमें कोई हर्ज नही है, इस अवसर का लाभ उठाते हुए मै कुछ बातें कहना चाहता हूं। स्पीकर सर, 26 जनवरी 150 को भारत का सविधान इस दे ा में लागू हुआ। इस दे ा के संविधान को फैडरल स्ट्रक्चर दिया गया, संघीय भाासन पद्धति दी गई यादिन राज्य भी होगे ओर केन्द्र भी होगा, और उनकी पावर्ज बंटी हुई होगी। इसके लिएयूनियन लिस्ट, कन्क्रैन्ट लिस्ट और स्टेट लिस्ट में पावर्ज बांटी गई हैं हामरे प्रधान मंत्री जी हवाई जहाज चलाना तो जरूर जानते है

लेकिन लगात है कि उनहें संविधान की भावना की समझ नही है। उनकी उम्र छोटी है ओर वे किसी से सीख ले तो ज्यादा अच्छा होता। उन्होने आदे ा जारी कियाकि सभी डिस्ट्रिक्ट कलैक्टर एक जगह इकट्ठे होगे औरवे उनहे जा कर सम्बोधित करेगे। स्पीकर सर, ला एण्ड आर्डर स्टेट को सब्जैक्ट है, कन्करैंट लिस्ट का सब्जैक्ट नही हैं स्पीकर सर, हमारे यहा फैडरल स्ट्रक्चर हैं पिछले दिनों पंचायत के मैम्बरों और म्यूनिसिपल कमि ानरों को बुलाया गया। एक म्यूनिसिपल चेयरमैन आये ओर कहने लगे कि सैटर से चिट्टी आई है मैने कहा कि सैटर कौन होता है दखल देने वाला यह तो स्टेट गवर्नमैंट को मामला हैं लेकिन स्पीकर सर, यह सारा कांग्रेस (आई) का चुनाव के लिए कम्पेन था। चुनाव के लिए स्टेटों को लाभ उठाने वाली बात ही थी। स्पीकर सर, अभी क्वै चन आवर में मैने आदरणीय मास्टर हुकम सिंह जी से भी पूछा था कि क्या उनकी जानकारी में है कि म्यूनिसिपल कमि ानरों को ओर ब्लौक समितियों के मैम्बरों को टेलीफोन देने का फैसला किया गया हैं तोउनहोन बताया था कि यह बात उनकी जानकारी में नही है। लेकिन यह बात सैंटर गवर्नमैंट के लिए कहां तक फायदे में जाती है? मै यहां पर अज्र करत हू कि आरणीय मंत्री जी ने एक उदाहरण भी दिया है कि यहां भयंकर बाढ आई, हमने बजट मांगा। हमने जो मांगा उसके मुकाबले में क्या मिला? हमने 192 करोड़ 14 लाख रूपये मांग थे लेकिन हमें केवल 32 करोड़ रूपये दिये गये। नागालैड में कोई बाढ़ भी नही आया था, जैसे हमे ाा से होता रहा है, क्योंकि वहां पर कांग्रेस की सरकार थी इसलिए

वहां पर बाढ़ के लिए पैया दिया गय। ठीक है, हरआदमी को अपना बेटा अच्छा तो लगताह ै लेकिन इन्साफ की कुर्सी पर बैठने के बाद अपने पराये में कोई भेद नही होना चाहिए और जो बात ठीक है, न्यायौचित है, वही होनी चाहिए। राजीव गांधी जी कुछ बचकाना हरकतें करते है। स्पीकर साहब, मजबूर हो कर मुझे यह कहना पड़ रहा है। मै अपनी मर्यादा को जानता हूं, इससदन में खड़े होकर मुझे ऐसा नही करना चाहिएं। प्रधान मंत्री की कुर्सी पर बैठ जाने के बाद उन्हें इस प्रकार की बातें नही करनी चाहिए। हरियाणा की जनता भारत की जनता है। अगर हमरेसाथ ये भेद भाव करेगे और मुसीबत में हमें सहयोग नही देगे तो क्या सन् 1989–90 में जब चुनाव हेागे, उनमे इन्हें कोई वोट दे देगा? स्पीकर साहब पिछली बार की ओर बात है। उस समय प्रधान मंत्री की मां मरी हुई थी इसलिए लोगों ने हमदर्दी में उनहें वोट दे दिये। मां तो एक ही होती है। इसबात पर वोट मांग रहे थे, अब कैसे मांगेगे। (विध्न) स्पीकर साहब, मेरे लायक दोस्त मुझे प्रोवोक कर रहे है। अगर वे ऐसा न करे तो बड़ी कृपा करेगे। मै अपने काम को बखूबी जानता हूं स्पीकरसाहब, बचकाना प्रधान मंत्री जी ने हरियाणा के साथ बे–इन्साफी की हैं। कल हम सभी बैठे हुए थे जब हमारे कमांडोज ने प्रद र्न दिखाया, वह बड़ा अच्छा प्रद र्न था। लेकिन हमारे डी0 जी0 साहब कह रहे थे कि सैन्ट्रल गवर्नमैंट पुलिसको आधुनिक हथियारो से युक्त करने के लिए और साजों–सामान के लिए पैसा देने में आनाकानी करती हैं वे कहते है कि सोफस्टिकेटिड वैपनज तो आर्मी के पास होने चाहिएं उनहें

यह डर है कि कभी हरियाणा फौज न खड़ी कर ले। जिन लोंगों ने यह कहा कि सौफस्टिकेटिड वैपनज तो आर्मी के पास होने चाहिए, वे लोग भाायद नासमझ हैं क्या कभी स्टेट गवर्नमैंट मिलटरी खडी कर सकती है? हरियाणा एक ऐसी सैसिटिव स्टेट है। जहां सब कुछ ठीक हैं पंजाब में आग लगी हुई है। दिल्ली हरियाणा के बीच में पड़ता है। दिल्ली में दुनिया भर के राजदूत, प्रधान मंत्री और राश्ट्रपति रहते है। अगर हरियाणा बीच में न हेा तो उग्रवादी खूब सैन्ट्रल गवर्नमैंट के नाक में दम कर मारे। अभी तक हरियाण रोके हुए है। हरियाणा का बड़ा भारी कन्ट्रीब्यू ान दे ा की एकता के लिए है। सैन्ट्रल गवर्नमैट को चाहिए कि आपत्ति के वक्त में हरियाणा की दिल खोल कर सहायता करें और पुलिस को भी आधुनिक हथियार से आधुनिकरण करने के लिए लैस करें

स्पीकर साहब मै पुलिस की तो प्र ांसा करता ही हूं। मेरा राजनैतिक जीवन होने के नाते पुलिस वालेां से पुराना नात हैं मै जब अपोजी ान में होता हूं तो दूसरी बात हाती और रूलिग में हेाता हूं तो कुछ और व्यवहर होता। अब तो ये कहते है कि हट जाओं वे आ रहे है। (हंसी) यह हमारे साथ होता रहात है। हम पुलिस की प्र ांसा भी करते है लैकिन मै एक र्ज करना चाहता हूं कि स्पीकरसाब, आपकों जेल जाने का मौका मिला या नही लेकिन मुझे मिलताहै। स्पीकर साहब हिन्दी सत्याग्रह के टाईम पर मुझे पुलिस ने पीट कर साहलावास थाने में भेज दिया, उनकी इच्छात

यह `यह भी कि गोली मार कर खत्म कर दिया जाये। (विध्न) स्पीकर साहब मै यह बात कर रहा हूं जो आपकी जानकारी के लिए भी हो। ये पुलिस वाले मौका देख कर हमारे साथि बर्ताव करते हैं यहां हरियाणा में कोई उग्रवादी आया या तो पुलिस वालें ने पकड़ लिया या सफाया कर दिया लकिन अखबार में आया कि हमारे हरियाणा के पुलिए लाईन सी0 आई0 डी0 के श्री बलबीर सिंह ओर हरि राम, ए0 एस0 आई0 ने सब्रवाल नाम के एक आदमी के घर पर जा कर उसे और उसके लड़के पीटा ओर चण्डीगढ़ पुलिस वाले ंने पुलिस के आदमियों को ही जेल मे ंदे दिया। इससे, गुप्ता जी, सरकार की कोई भाोभा नही बढऋती है। जेा ला एण्ड आर्डर को मेनटेन करने वो लोग है, वे खुद ही यदि ला एंड आर्डर को ब्रेक करें तो उनके खिलाफ तो सख्त कार्यवाही होनी चाहिये। स्पीकरसाहब, मेरा इस संबंध में जो काल अटै ज्ञन मौ ान है। उसकी इस आधार पर डिस अलाउ न कर दिया जाए कि मैने उस पर चर्चा की ली हैं स्पीकर साहब, अगर काल अटैन्ा ान मो ान पर सरकार की तरफ से स्टेटमैंट आ ाजती है तो उस पर हमें बोलने का मौका मिल सकता हैं आखिर यह जितने भी रूल्ज में प्रोवीजन है वे इसलिये है कि सर्टन ओकेजन पर जब मैम्बर कुछ पूछता है तो उसक जवाब आने क बादवह सप्लीमैट्री भी कर सकात हैं तो मै कहना चाहता हूं कि पुलिस बाल परथोड़ी सी लगाम भी लगाइये। कही ऐसा न हो कि इज्जत आते–जाते प्र ांसा आते–जेत, कोई गन्दा काम कर बैठै। आप ट्रिव्यून पढिये, इंडियन ऐक्सपैस पढ़िय, जनसत्ता पढ़िये। सब जगह

बड़ी गुन्डागर्दी है। पुलिस क्या करती है? मै तो कोन् ीयस होने के नाते इस मौके पर जरूर यह बात कहना चाहता था कि सरकार को इस मामले में जरूर सावधानी बरतनी चाहिये। स्पीकर साहब, आदरणीय उप मुख्य मंत्री महोदय ने बहुत सी अच्छी बातें की कही है। कुछ बातें वे छोड़ भी गये है। वे भाायद इसलिये कि हम उसकी खाना पूर्ति कर दे फिल–इन दी ब्लैंकस कर दें। असल में बात यह है कि गवर्नर ऐड्रैस में या बजट स्पीच में सारी बातें तो कवर नही की जा सकती। इन्होने कुरूक्षेत्र में धिनौने कांड का उल्लेख नही किया है। वहां के लोगों पर जबरदस्ती वाईस चांसलर मतथये मढ दिया गयाह। जो कि अच्छी बात नही थी। स्पीकरसाहाब, एक बात तो माननी पड़ेगी कि आजादी के बाद अनु ाासनहीनता तो बढ़ी है। यह क्यों, क्योंकि हमारा आचरा ठीक नही है। यहां पर लोग दल–बदल कह दो या कुछ और कह दो। सदाचार की मीठी मीठी बातें यदि हम करें और मौका आने पर आसे उल्ट बात करें तो यह बात आज की पीढ़ी को प्रौवोक करती है। उनका फियर्ट करती । वे जानना चाहते है कि सच्चाई कहां है? इसी तरह से रोहतक युनिवर्सिटी में तीन किस्से हुए है जिससे टीचर्ज को पीटा गया हैं तीन दिन पहले जब मै वहां पर पुलिए कप्तान साहब से मिला तो मैने कहा कि साहब आप तो सायने और समझदार आदमी हो। यह क्या हुआ? कहने लग, ज्यादा तो नही हुआ, दो–तीन किस्से ही हुए है। मैने कहा, 2–3 क्या कम होते है। स्पीकर साहब, it is a very serious trend कि ि ाश्य गुरूओं को पीटे। अगर स्टुडैट्स को कोई ि ाकायत है तेा डीन

बैठा है, वाईस चांसलर बैठा है। उने पास जाये। अगर टीचर्ज को स्ट्डैट्स के बारें में कोई ि ाकायत है तो ऐसा कोई फोरम किया जाये जहांह बात को सुलटाया जा सके। यह गुंडार्गी की बात ठीक नही हैै। इस अवसर पर मै अपनी बात कहनते हुए अपनी बात को आगे बढ़ाना चाहता हूं।

स्पीकर साहब, राज्यपाल महोदय के अभिभाशण मे जो जिक्र है ओर गुप्ता जी ने भी कहा कि केन्द्र ने सतलुज यमुना लिक बनाने में बड़ी कोताही की हैं अपना हाथ पीछे खेंच लिया हैं इन्कार तो नही किया। कहने का ढंग ही हाताहै। सैट्रल गवर्नमैंट एक वचन देकर या एक प्रौमिज करक कि हम सारा पैसा देगे ओर इस समय में पूरा कर देगे, उसे अब पूरा न करने के लिये सैट्रल गवर्नमैंट की हम हिमाकत की जितनी निन्दा इस फोरम में की जाये,उतनी थोड़ी है। स्पीकर साहब, मै एक और निवेदन करना चाहूंगा। मैने कल अखबारो में पढ़ा। आप कभी एम0 एल0 ए0 होस्तल में भााम को बैठ जाये। कोई न कोई है? जी, हम सर्वकर्मचारी संघ है। और कोई कहता है कि हम बिजली के कर्मचारी है। मैने उनसे कहा कि क्या हुक्त है? कहने लगे, हमने हरियाणा में बिजली बढ़ा भी दी जिसका श्रेय मंत्री महोदय को जायेगा, सदन के नेता को जायेगा और छोटे कर्मचारी को भी जोयगा। हरियाणा की एक क्रीनिक डिजीज को हमने ठीक करके रख दिया। जनवरी फरवरी के महीने में कुछ कठिनाई आई लेकिन 27 फरवरी को वह कठिनाई ठीक हो गई। अध्यक्ष महोदय, छोटे से

छोट कर्मचारी के योगदान से हरियाणा की मुसीबत हल हो गई। स्पीकर साहब, आज मैं अखबार मे पढ़कर हैरान होगया कि पानीपत मे ंएस0 डी0 एम0 के दफ्तर के बाहर इनके जनरल सैक्रेटरी ने हड़ताल कर रखी है। इस सरकार को जानता ने चुनकर भेजा है और जनता के प्रतिनिधि यहा बैठे है। मै उनसे कहना चाहता हूं कि वे यहां आकर बात करे। मै यह भी जानना चाहूंगा कि क्या सरकार ने उनसे बात की है? अगर नही की है तो कर ली जाए। अध्यक्ष महोदय, सरकारी कर्मचारियों का ज्यादा परे ाान नही करना चाहिए।

श्री अध्यक्षः डा0 साहब, आप टाईम का ख्याल रेखैं

श्री मंगल सैनः आपने फरमाया था कि पन्द्रह बीस मिनट आप बोल लें।

श्री अध्यक्षः आपको सोलह मिनट हो गए है।

श्री मंगल सैनः आप मुझे दस मिनट और दे दीजिए। (व्यवधान) स्पीकर साहब, देर आयद दुरूस्त आयद। अगर रोटी चबाकर खाई जाए तो जल्दी हज्म हो जाती है। स्पीकर साहब, हरियाणा में जातीयता के आधार पर सम्मेलन होने भाुरू हो गए हैं कही ब्राह्माणों का सम्मेलन हो रहा हैं कमूल से वे ब्राह्मण नही औ और आचरण से तो वे बिल्कुल ब्राह्मण नही हैं वे वहां चले गए। ये सम्मेलन वे लोग कर रहे जो वोटो से पछाड़े हुए लोग है। स्पीकर साहब, अभी करनाल मे पंजाबी सम्मेलन हुआ। रावी पारसे जो

लोग उजड़ कर आए थे, सब सुविधाएं वहां पर छोड़ कर यहां आए और अपने पांवों पर खडत्रे होने की कोि ा ा कर रहे है। उनके कुछ ग्रिवैन्सिज हो सकते हैं वे सामाजिक भी हो सकते है और प्र ाासनिक भी हो सकते हैं स्पीकर साहब, वे ठीक भी होगे। अगर इन सम्मेलनों को गैर राजनैतिक लोग करें तो ठीक हैं लेकिन अगर इनकों चुनाव में पिटे हुए मोहरे करे तो कहां तक ठीक हैं स्पीकरसाहब, मेरे रोहतक की मण्डी में मीटिग हुई। वैस्ट पंजाब के लोग तो उस मीटिग में क्या आए, मेरे मुखलिफ लोग जो मेरे खिलाफ इलैक ान लड़ते रहे है। उन्होने झुग्गी झौपडियों में रहने वाले को इकट्ठा किया ओर वहां पर ले आए। उन्होने कहां कि इनको ंही पजाबी समझ लो। स्पीकर साहब, मै निवेदन करना चाहता हूं कि वहां पर सम्मेलन किया गय ओर बहत तरह की बातें वहां की गई। (इस समय उपाध्यक्ष महोदय पदासीन हुए) उपाध्यक्ष महोदय वहां पर करनाल के एम0 पी0 भी आए और उन्होने भाशण दिया। उपाध्यक्ष महोदय, जिनकी हमारे जय नारायण खुंडिया हराकर आए है उन्होने भी भाशण दिया। लोगो ने कहां कि यह तो पंजाब नही हैं इस पर ऐ आदमी ने कहा कि यह तो पंजाबी नही इनके वो तो पंजाबी है। (ाोर एवं व्यवधान) मेरी बात तो एनोसैन्ट थी इसका क्या मतलब निकलता है यह खुद समझ ले। उपाध्यक्ष महोदय, कास्ट की बात चलाना बहुत ही अनफार्चूनेट बात हैं मै जिस पार्टी का मैम्बर हूं वह मेरी पार्टी सारे दे ा को एक समझती हैं और सारे दे ा के लोगों को एक समझती हैं किसी समुदाय की कोई समस्या हो सकती है लकिन

उप समस्या को मिलजुलकर हल करना चाहिए। जातीय को प्रोत्साहन देना ठीक नही है। बनारसी दास जी भिवानी में आपके पडोस में पैन् ान की और कर्जा मुाी की बात की जा रही थी। वे कह रहे थे कि कर्जे मैं ही माफ कर रहा था। उपाध्यक्ष महोदय, अभी एक साहब, कांग्रेस के नए–नए प्रधान बने है। वे कह रहे थे कि कर्जा तो हम माफ कर रहे थे और कह रहे थे कि चौधरी देवी लाल को एक भवेत पत्र जारी करना चाहिए। मै चौधरी बंसी लाल को कहना चाहता हूं कि राजीव गांधी तोपों के मामले में भवेत पत्रजारी कर दें। डिप्टी स्पीकर साहब, यह भी कहा गया कि कर्जे माफ नही किये है। कर्जे माफ तो किये है लकिन यह सब कुछउनकी बुरा इसलिये लागा कि इस सरकार के सारे चुनाव वायदें पूरे हो गये है ओर जानता हर तरह से राहत महसूस कर रही है लेकिन वे क्या करे? उनका कोई दोश नही। जब नाचने वाली अपना ताल भूल जाये तो इधर उधर की बातें करने लगती हैं। (हंसी) डिप्टी स्पीकर साहब, मेरी बात का बुरा न मनाये। जब वे यहां हाउस में होते थे तो उस समय भी उनकी सेवा में इसी ढंग से कहा करता था।

डिप्टी स्पीकर साहब, एक बात का ओर यहां पर जिकर किरना चाहूंगा कि 1988 में पंचायतों के चुनाव हुए थे। बड़े कठिन चुनाव थे। छोटै चुनाव मुि कल हुआ करते है। इसक जिकर भी बजट में या राज्यपाल महोदयके अभिभाशण में आना चाहिए था। तो मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से कहना चाहता था परन्तु

चूंकि वे बैठे नही हैं इसलिए सरकार को अपना एक सुझाव दूंगा कि पंचायती इलैक ानज के लिए कांस्टीच्यू ान को मान्यता दी जानी चाहिए ओर हर पांच वर्श के बाद चुनाव हो ओर चुनाव करवाने के लिए, इलैक्ान कमी न की तरह की एक म ाीनरी हो जिस पर यह इलजाम न हो कि सत्ताधारी दल के इ ाारे पर ही चुनाव करवाये जा रहे हैं डिप्टी स्पीकर साहब, गुप्ता जी के एक वरिश्ठ मित्र श्री मस्ता है। वे भिवानी नगरपालिका के प्रधान के पद पर आसीन है लेकिन मै गुप्ता जी से इतना अव य कहूंगा कि नगरपालिकाओं को बड़ा बुरा हाल है। इसके अलावा एक बात मै और कहूंगा। अगर मेरी बात की अति ायोक्ति न हो तो मै यह कहे बगैर नही रह सकता कि रोहतक के अन्दर मुझ लल्जित होगर चलना पड़ता है। एक पुल हिसार रोड पर बना रहा है। आज तीन साल हो गये है उस पुल ाि बनते हुए लेकिन यह समझ नही आ रहा कि वह कितने वर्शीय योजना या अन्नत वर्शीय योजना है। (हंसी) मेरे कहने का तात्पर्ये यह है कि यह पुल जल्द से जल्द बन कर तैयार हो जाना चहिये। श्री ओम प्रका ा भारद्वाज जी बैठे है उनको भी कभी न कभी वहां से गुजर कर रोहतक हस्पातल जाना पड़ता होगो। इसलिये मेरी सरकार से प्रार्थना है कि इस ओर वि ो ा ध्यान दिया जाए।

डिप्टी स्पीकर साहब, कमेटियों को खुल कर वित्तीय सहायता दी जानी चाहिऐ ओर सी0 ई0 ओज0 वाली बीमारी हमे ाा के लिए खत्म कर देनी चाहिए। लोकतन्त्र में नौकराही का

क्या मतलब है? औफिसर्ज गैलरी में बैठे सभी अफसर एक से एक अच्छे अफसर है, सभी अपनी मैरिट परआए है लेकिन हमारा अपना रोल है People's will is supreme. अगर गुप्ता जी औफिसर्ज की तादाद ज्यादा है, तो नागालैण्ड बवगैरह दूसरी स्टेट्स में डैपुटे ान पर भेज दीजियेगा लेकिन सी0 ई0 ओ0 के पद को समाप्त किया जाए क्यों उनकी कड़वाहट से तंग आकर म्यूनिसिपल कमि ानर्ज कहते है कि वे हमारी बात तो मानते ही नही उल्टा कर्मचारियों को भड़का कर पार्टीबाजी करवते हैं।

डिप्टी स्पीकर साहब, हुड्डा के बारें में भी यहां पर जिकर आया। जो लोग गरीब है, वे बेचारे बैन्कों से, एल0आई0 सी0 या दूसरी संस्थओं से लोन लेकर के प्लौट्स डिवैल्प करके मकान बनाते है लेकिन हुड्डा की डिवैल्पमैंअ की प्रोग्रैस बड़ी पूअर है जिस कारण से वे इन सभी सहूलियतों से से वंचित करह जाते ळै ओर दूसरी तरफ प्राइवेट काम करने वालें के ऊपर सरकार ने पाबन्दी लगा रखी है। इसलिये सरकारको हुड्डा की प्रोग्रैस की और वि ोश ध्यान देना चाहिए। डिप्टी स्पीकरसाहब, एक और बात यहां हाउस के सामने लाना चाहता हूं कि वहां की एक फाईल गुप हो गयी थी। वह फाईल सौभाग्यव ा मिल गइ लेकिन सम्बन्धित अफसर कहता है कि यह मुकदमा करके एक करोड़ रूपया सरकार से लेगा। आज तक हरियाणा की हिस्टरी में किसी ब्योरोक्रेट की हिम्मत नही पड़ी कि वह सरकार पर एक रोड रूप्ए का मुकदमा करे। यह बड़ा सीरियस मामला है। उन दिनो हुड्डा के मामले में

जो कुछ भी हुआ है उस परऐक ान होना चाहिए। मुझे पता है कि चुनाव के दिनों में हांसी में जाकर किस किस मिनिस्टर ने और हुड्डा के इंचार्ज ने बड़े बड़े कौलोनाइजर्ज से कितने पैसे लिए। इसलिए अगर यहां पर लोक पाल हो तो मामला निपट सकता हैं हमने एंटी क्रप ान बोर्ड तो बनया है। लेकिन मेरी गुजारि ा है कि यहां पर लोक पाल भी बनाया जाना चाहिए। अच्छा होता अगर यहां भी केरल की तरह कानून बना देतो कि एक एम0 एल0 ए0 या उसके रि तेदार तो क्या अगर पार्टी के किसी वर्कर का सम्पति भी बढ़ जाए तो उस पर ऐक ान होना चाहिए। हमारे सदन के आरणीय नेता का नारा है कि 'भ्रश्टाचार बन्द, बिजल पानी का प्रबन्ध' उन्होने बिजली का प्रबन्ध तो कर दिया और भ्रश्टाचार के बारें मे तो गुप्ता जी कह रहे थे कि धीरे–धीरे हो रहा हैं अगर आप लोक पाल की नियुक्ति कर दें तो सारे दे ा में यह एक आद र्ा तो पैदा कर दिया है। यह एक अच्छी बात है। इसलिए लोक पाल वाली अच्छी बात भी कर देनी चाहिए। डिप्टी स्पीकरसाहब, चूंकि समय का अभाव है इसलिए मै ज्यादा न कहने के लिए मजबूर हूं। लेकिन मै राव राम नारायण जी से प्रार्थना करूंगा कि उन्होने कच्छे और बनियान पर तो टैक्स वापिस ले लिय ालेकिन कम्बलों पर भी वापिस ले ले। कच्छे और बनियानप के टैकस में बारें मे मै मुख्य मंत्री जसे से मिला था उन्होने मुझे कहा था कि अर टैसे ान ऐडवाजरी कमेटी अपनी सिफारि ो कर देगी तो मै माल लूगा। मुझे खु ाी हैं कि उस कमेटी की रिकमैडै ान के बाद यह टैक्स वापिस ले लिया गया हैं मेरे साथ

चौधरी देवी लाल के पाय कच्छे बनियान बेचने वाले छोट–छोटे दुकानदार गए थे। चौधरी देवी लाल नको कहा कि तुम्हारी छुट्टी और वे लोग नारे मारते हुए खु ा होकर चले गए। मै चाहता हूं कि टैकस केवल उन्ही लोगो ंसे लिया जाए तो जदेने की योग्यता रखते हो। पहले ही सैंटर ने बहुत टैक्स लगा रखे है। रेल के भाड़े भी बढ़ा दिय हैं मै चाहता हूं कि लोअर मिडल टैक्स क्लास को छूट मिलनी चाहिए। मुझे उम्मीद है कि राव साहब को गुप्ता जी भी ठीक सलाह देगे कि कम्बलों पर टैक्स माफ कर दिया जाए। बाकी भी कोई और टैक्स न बढ़ाया जाए। वैसे भी अब चुनाव को मौसम है, आपको लोगों के पास जाना पडेगा। हम भी भाहरों में चर्चरी बात करते है कि ऐसा नही होना चाहिए।

आबकारी एवं कराधान मंत्री (राव राम नारायण): फिर सरकार कैसे चलेगी?

श्री मंगल सैन: डिप्टी स्पीकर साहब, सरकार अपने रिसोर्सिज से चलेगी। राव साहब मेरे से ज्यादा बातें न कहलवाए, आप हम ंपरवोक रना चाहते है। (हंसी) तो डिप्टी स्पीकर साहब, मै निवेदन करना चाहूंगा कि हमारी सरकार ने बहुत अच्छे काम किए है ओर मै चाहता हूं कि उसका अच्छेपन का मूड बना रहे। हुड्डा के कर्मचारी कल मेरे पास आए और कहने लगे कि हमारी अथौरिटीज अलग बन रही है। उनहोने कहा गुडगांवा डिवैल्पमैंट बोर्ड और फरीदाबाद डिवैल्पमैंट बोर्ड अलग अलग बनै और उनका चेयरमैन किन्ही कौलोनाइजर्ज को बनाने जा रहे हैं डिप्टी

स्पीकरसाहब, मर्यादा का ध्यान में रखते हुए मै उनका नाम नही लूंगा। मै कहना चाहता हू कि आपकों ऐसे बारह मासियों से दूर रहना चाहिए। यहां पर और बड़े क्पीटैट लोग है। आपके कर्मचारी और अधिकारी कम सियाने नही है। अगर कोई मजबूरी है तो ऐसा कदम नही उठाया चाहिए जिससे लोगों के मन में भांक पैदा हो। हुड्डा के बारें मैं मैने पीछे डायरैक्टर साहब को भी कहा और मत्री जी से भी कहा कि प्लाटों की नीलामी क्यों भ्ाुय कर दी? मेरा तो यही कहनाहै कि मकान कृपया नीलामी की बजाये लाटरी से दिया करे। (घंटी) डिपटी स्पीकरसाहब, अपने चूंकि हुक्म दिया है इसलिए मै आनी बाते यही पर खत्म कर देता हूं। मुझे उम्मीद है कि मैने जो सुझाव दिए है, उन पर गुप्ता जी ओर हमारी मंत्री परिशद पूरा विचार करेगी। इन भाब्दों के साथ मै बजट का समर्थन करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

चौधरी सतबीर सिंह कादयान (नौलथा): डिप्टी स्पीकर साहब, कल हमारे उप मुख्य मंत्री जी ने वर्श 1989–90 का बजट पे ा किया है मै उसके समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। जो बजट पे ा किया गया हैं वह एक बड़े नमूने का बजट है वर्श वर्श 1989–89 के बजट अनुमानें में राज्य योजना परिव्यय के लिए 679 करोड यपए का उपबंध कियागय ाहै इस बसजट की सबसे बड़ी वि ोशतायह है कि इसमें कोढ नहया कर नही लगाया गया है सरकार अपने रिसोसिज से ही आमदनी बढाएगी। और प्रदे ज्ञ में विकास के कार्य करेगी डिप्टी स्पीकरसाहब जो घाटे का बजट

होताहै वह डिवैल्पिंग कंट्री ` लिए और डिवैल्पिंग स्अेअ के लिए सबसे बढ़िया बजट होता है। डिप्टी स्पीकर साहब, जैसे ऐग्रीकल्चर विभाग मेंएक नया हौटीकल्चर डिर्पामैंअ बनाया गया हैं जिसके तहत फुआरों और नलकूपें के लिए किसानों को दी जाने वालली सबसिडी की मात्रा भी बढ़ाई गई हैं उद्योगों में जनरेटिग सैट के लिए पहले एक आदमी को जो 50 हजाररूपए सबसिडभ दी जती थी। उनको बढ़ा कर अब 15 लाख रूपए कर दिया गयाहैं सरकार से मेरा निवेदन है कि जो किसान लोग बिजली की मोटरे बगैरह खरीदते है, उनको भी उद्योगपति की तरह सबसिडी दी जाए। हरियाणा प्रदे ा चूंकि एक कृशि प्रधान प्रदे ा है इसलिए अर्थ व्यवस्था की सारा श्रेय हमारी कृशि को जाता है। मै वित्त मंत्री जी से निवेदन करूंगा कि बजट का ज्यादा से ज्यादा पैसा कृशि क लिए खर्च किया जाए।

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मै स्पोर्टस के बारें में अपने विचार रखना चाहूंगा स्पोर्टस के लिए जो 1.75 करोड़ रूपए रखे गए है, यह रा ि ा बहुत थोड़ी है। इतना पैसा तो खिलाडियों के टीण् ए0 डी0 ए0 का बन जाता है। इनते थोडे पैसे में उनका खाने–पीने का और रहने का प्रबंध नही हो सकता। जब हमारे खिलाड़ी खेलों में भाग लेने के लिए हिन्दूस्तान से बारह जाते है ते वहां के खिताब ले कर वापिस आते हैं हमारे हरियाणा प्रदे ा का राजेन्द्रसिंह एक पहलवान है जिसेन हरियाणा प्रदे ाका नाम रो ान किया हैं एक पी0 टी0 उशा है। उसने भी अपने प्रदे ा का

नाम रो ान किय थज्ञ। उसको उसके प्रदे ा ने एक लाख रूपए दिए थे, लेकिन राजेन्द्र सिंह को कोई पैसा नही दिया गया हैं मै चाहता हू कि हमारी सरकार उसको भी कम से कम एक लाख रूपए जरूर दे और उसको इन्सपैक्अर के पद से पदोन्न्त करके डी0 एस0 पी0 बनाया जाए ताकि हमारे प्रदे ा के खिलाड़ियों का मान सम्मान बढ़े।

उप–मुख्य मंत्री (श्री बनारसी दास गुप्ता): उस पहलवान का क्या नाम है।

चौधरी सतबीर सिंह कादयानः उसका नाम राजेन्द्र सिंह है और और वह एक पहलवान है वह एि ाया में फस्ट आया था। वह सबसे ज्यादा मैडल लाया है औलम्पिक खेलों में वह चौथे नम्बर पर आई थी। पी0 टी0 उशा भी चौथे नम्बर पर आई थी। पी0 टी0 उशा को तो उसके प्रदे ज्ञ ने एक लाख रूपए दिए लेकिन राजेन्द्र सिंह को हमारी हरियाणा सरकार ने कोई मान सम्मान नही दिय। मै चाहता हूं कि उस पहलवान को भी कम से कम एक लाख रूपए दिए जाएं औरउसकी पदोन्नति भी की जाए।

डिप्टी स्पीकरसाहब, अब मै ि ाक्षा के बारें मैं अपने विचार पकट करना चाहूंग। ि ाक्षा के लिए बजट में जो पैसे का प्रावधान किया गयाहै वह बहुत थोड़ा हैं ि ाक्षा के बगैर जगत अंधा होताहैं माननीय उप मुख्य मंत्री जी ने जो बजट स्पीच दी हैं उसमें स्कूल अपग्रेड करने के बारें में जो बताया गया हैं ओर दो

गवर्नमैट कालेज खोलने का भी प्रावधान है। मै उप मुख्य मंत्री जी से निवेदन करूंगा कि पानीपत सबडिवीजन में इसराना गांव में एक गवर्नमैंट कालेज खोला जाए क्योंकि उस गांव के आस पास के सीाी गोवों के लड़कों को पानीपत कालेज में ऐडमि ान नही मिलता इसलिए देहात के लड़के बगैर पढ़े रहे जाते हैं, ि ाक्षा से महरूम रह जाते हैं सरकारसे मेरा निवेदनहे कि इसरान मे ंएक गवर्नमैंट कालेज जरूर खोला जाए।

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मै बिजली महकमें के बारें मं अपने विचार प्रकट करना चाहूंगा। वर्श 1989–90 के दौरान बिजली के क्षेत्र में योजना परिव्यय 202 करोड़ रूपए का रखा गया है। इस बारें में मै कहना चाहूंगा कि पानीपत के पास एक खुखराना गांव है। उस गांव में एक पानी का तालाब है। उस तालाब से वह गांव दो बार डूब चुका हैं वहां पर वाटर लैगिग इतनी ज्यादा हो गई है कि अगर कोई प ाु बांधने के लिए खुंटा गाडज्ञ जाए तो दो फुट पर ही चौवा निकल जात हैं वहां परएक नहर नबन रही रहें उसके लिए किसानों की बहुत जमीन ऐक्वायरकी गई हैं इस बारें में मेरा निवेदन है कि जिन किसानों की जमीन ऐक्वायर हुई है उनको 75 परसैंट से जयादा नौकरी दी जाए। इसके अलावा वहां पर जो थर्मल पावर हाउस है। उनमें से जो राख निकलती है। जोकि कोयले कीा डस्ट होती है वह हवा में उड़ती हैं जिससे वहा पर एयरपौल्यू ान बहुत होात हैं और उससे लोगों के स्वास्थ्य खराब होते है। इसलिए मेरा सरकार से निवेदन

है कि उस राव को उड़ने से रोकने के लिए वहां पर बिजली घरों का आधुनिकरण किया जाए। डिप्टी स्पीकर साहब, हमारी सरकार ने बाढ़ रोक थाम के लिए लगभग 13 करोड़ रूपए का प्रावधन किया है। मै कहना चाहूंगा कि करनाल जिले के कई गांव ऐसे है जो बाढ़ से काफी प्रभावित होते है। पिछले दिनों जब जमुना में बाढ़ आई तो करनाल जिले के कई गांव उससे प्रभावित हुए। मेरा सरकार से अनुरोध है कि उन गावों की तरफ भी ध्यान दिया ाजए और उन गांवों के किसानों क`लिए मजदूरी के लिए कोई स्पे ान स्कीम की व्यवस्था की जाए या कोई दूसरी व्यवस्था बाढ़ रिलीफ के तहत की जाए।

डिप्टी स्पीकर साहब, हमारी सरकार ने सड़कों के लिए 20 करोड़ रूपए की रा ि ा अगले साल के लिए रखी है ंयह पैसा बहुत कम हैं मै गुप्ता जी से अनुरोध करूंगा कि जो रिसोसिज बढद्या कर या दूसरे तरीको ंसे इस रा ि ा को 20 करोड़ रूपसे अधिक किया जाए क्योकि सड़के ही यातायात का एक ामत्र ऐसा साधन है जो किसानों के लिए मजदूरों के लिए या नौकरी पर जाने वाले कर्मचारियों के लिए उचित सुविधा हैं यदि सड़के ही ठीक नही होगी तो फिर विकास की गति भी धीमी पड़ सकती है। डिप्टी स्पीकर साहब, पानी पत में फ्लाई ओवर ब्रिजिज बनाए जाने की काफी समय से मांग की जा रही है। लेकिन अभी तक इस तरफ ध्यान नही दिया गया है। मै चाहूंगा कि पानीपत में फ्लाई ओवर ब्रिजिज बनाए जाने के लिए इसी साल बजट मे ंपैया रख

जाए ताकि वहां पर काम भाुय हो सके। गुप्ता जी कभी पानी पत अंसध रो पर गए होगे। फिरभी मै इनकी जानकारी के लिए बता देना चाहता हू कि जब वहा परएक बार फाटक बन्द हो जाता है ता घंटा भर वहा परखड़ा रहना पडऋता है जिसके कारण मजदूर समय पर मजदूरी करने क`लिए नही जा सकता, सरकारी कर्मचारी अपने समय पर कार्यालयों मे ंहनी जा पाते और इसी प्रकार प्रकार से किसानों को भी काफी बड़ी असुविधा का सामना करना पड़ता हैं यह बात हमारे मुख्य मंत्री चौधरी देवी लाल जी के नोटिस में भी हैं हमारा राजा आने से पहले असंध रोड पर ओवर ब्रिज बनाए जाने के बारें में गया था कि इस तरफ ध्यान दिया ाजएगा। इसलिए मै चाहता हूं कि पानीपत में ओवर ब्रिजिज बनाने के लिए इस बजट में कुछ न कुछ रा ि ा रखी जाए।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मै। एक बात बैटरनिरी होस्पिटल खोलने के बारें में कहना चाहता हूं। इस समय हमारे यहां पर जो प ा हस्पताल है, वे काफी कम हैं प ा धन भवेत क्राांति के लिए बहुत बढ़िया साधन है। प ा धन के द्वारा ही हम लोगों की अधिक से अधिक दूध मिल सकता हैं इसलिए मेरी गुप्त जी से मांग है कि प ा हस्पताल हरियाणा में ओर खोले जाए ताकि आम आदमी का जीवन स्तर भी सुधर सके।

डिप्टी स्पीकर साहब, अन्त में मै उप मुख्य मंत्री, श्री बनारसी दास गुप्ता जी को हरियाण की जनता पर नए टैक्स न लगाए जाने पर और एक नमूने का बजट प्रस्तुत करने पर बधाई

देता हूं क्योंकि इन्होने अपना बजट प्रस्तुत करते समय आप आदमी के बजट को भी ध्यान मे ंरखा है। इसलिए मै इस बजट का पूर्ण समर्थन करते हुए और आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री शिव प्रशाद (अम्बाला भाहर): आदरणीय उपाध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री जी ने सदन में जो बजट रखा है, वास्तव में सब बातों को ध्यान में रख कर उसे इन्होने प्रस्तुत किया हैं जहां पर लोगों को राहत देने का सवाल था, वहा पर लोगों को राहतें भीा दी गई हैं जहां पर हरियाणा में हर प्रकार की डिवैल्मैंट के काम को हाथ में लिया है। वही पर लोगों पर किसी प्रकार के नए कर न लगा कर यह एक मिसाल कायम की हैं गुप्ता जी ने यह बजट सारी बातों को ध्यान मे ंरखते हुए प्रस्तुत किया हैं इसलिए मै इसके समर्थन मे ंकुछेक बातें आपके माध्यम से गुप्ता जी को कहना चाहता हू।

उपाध्यख महोदय, हरियाणा में अनपढ़ता अभी भी अधिक मात्रा में हैं इस अनपढ़ता को दूर करने के लिए ओर ि ाक्षा के स्तर को ठीक करने के लिए हमारी सरकार ने कुद कदम उठाए हैं मैने पहले भी बोलते हुए एक बात कही थी कि मै एक अध्यापका होने के नाते से कहता हूं कि ि ाक्षा का स्तर ठीक हो। इस बारें में लगभग 1977 से आज तक लगातार बोलता रहा हूं और सुझाव देता रहा हूं। मेरे सुझाव पर पिछली कांग्रेस सरका ने कोई ध्यान नही दियाथा लेकिन मेरी मौजूदा सरकार ने आते ही

मेरे सुझाव की तरफ न सिर्फ ध्यान दिया अपितु सुझाव को अमल में भी लाया गया। मेरा सुझाव था कि हायर और प्राइमेरी ि ाक्षा के लिए अलग अलग निदे ाालय होने चाहिए। हमारी सरकार ने प्राईमरी ि ाक्षा का अलग से निदे ाालय बना कर ि ाक्षा को अैर विस्तार करने के लिए अधिक ध्यान दिया है। हमारी सरकार बधाई की पात्र है क्योंकि जिस मांग केा मै 10 साल से विधान सभा में कहता आ रहा था, उस मांग को न सिर्फ इसने ध्यान में रखा बल्कि अपते ही पूरा कर दिया। हमारी सरकार ने प्राथमिक ि ाक्षा ही किसी बच्चे की, विद्यार्थी की या किसी मनुश्य के जीवन की मेन बुनियादी होती है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए हमारी सरकार ने इस ओर वि ोश ध्यान दिया है। हमारी सरकार अपने वाले साल में ओर अधिक प्राईमरी स्कूल खोलने जा रही है और कुछ स्कूलों को अपग्रेड करने जा रही हैं इसी प्रकार से 10 जमा 2 के भी कुछ स्कूल अपग्रेड करने का विचार है। हमारी सरकार कन्याओं की ि ाक्षा की तरफ भी वि ोश ध्यान दे रही है। कन्याओं की ि ाक्षा की तरफ ध्यान देते हुए इसीसदन मे ंपिछले साल मुख्य मंत्री घोशणा भी की थी कि जहां लड़कों के स्कूल खोलने पर मैचिक ग्रान्ट डब्ल दी जाएगी वहां लड़कियों के लिए मैचिग ग्रान्ट तीन गुणा दी जाएगी ताकि कन्याओं के स्कूल अधिक से अधिक खोले जा सके। लेकिन हमारी सरकार का ध्यान इससे भी ज्यादा इस बात रहा है कि कर्मचारी इस क्षेत्र में काम करत है, वे खु ा दिल रहें क्योंकि कहा जाता है कि ''खु ादिल मजदूर खु ाहाल दे ा''। आज अध्यापकन के क्षेत्र में काम करने वाले लोगं सड़कों

पर आ कर आदोंलन नही करते, उनकी डिमांडों के लिए लगातार काम हुआ है। ि ाक्षकों की मांगों पर ध्यान दिया गयाहैं जहां कालेजों में 95 प्रति ात ग्रान्ट देते है, वहां पर अध्यापकों को नए वेतनमान दिए गएह ैं और उनकी जो अन्य मांगे थी, वे पूरी की गई है। लकिन मे। सरकार को ध्यान एक बात की ओर दिलाना चाहता हूं कि ि ाक्षण क्षेत्र में लगे लोगों में अनैतिकता पनप रही हैं मै इस और वित्त मंत्री महोदय को ध्यान आकर्शित करना चाहता हूं। पिछले वर्श दसवी कक्षा की परीक्षा क जो परिणाम निकले है, समे ंबहुत से सरकारी स्कूल ऐसे है जिनका रिजल्ट जीरों प्रति ात रहा था यानी परीक्षा में अपीयर होने वाला एक भी बच्चा पास नही हुआ। अगर प्राईवेज स्कूलें के परिणामों को छोड़ दे तो सरकारी स्कूलों का परिणाम अपने आप हमारे सामने आ जात है। मुझे कहने की जरूरत नही कि सरकारी स्कूलनेां में काम करने वाले अध्यापकों का ध्यानप ि ाक्षा की ओर कम हो गया हैं प्राईवेट स्कूलों की बाबत में एक बाम हना चाहता हूं कजस प्रकार सरकार ने प्राईवेट कालेजेां में घाटै की ग्रांट 95 प्रति ात ग्राट दी जानी चाहिए ताकि प्राईवेट कालेजों में काम करने वाले अध्यापकों का अपने वेतन मंहगाई भत्ता ओर किसी भी दृश्टि से दूसरी सुविधाओं के लिएआनी मांगों के समर्थन के लिए सड़कों पर आ कर नारे लगाने की नौबत आए। डिप्टी स्पीकर साहब, इस सिलसिले में मै एक सुझाव देना चाहता हूं। प्राईवेट स्कूलों मे जो फीसे ली जाती है, उनका सारा का सारा पैसा मैनजमैट के फण्ड में चला जाता हैं यदि आप फीसों के बारें में ऐसा कर दें कि बच्चे

से जो फीस जल जाती है, उसकी रसीद दी जाए ओर उस सरे पैसे का हिसाब रखा जउ तो ऐसा करने से भाायद सरकार को 95 प्रति ात ग्रान्ट देने के बादभी अपने पास से पैसा देने की जरूरत नही पड़ेगी। प्राईवेट स्कूलों में अध्यापकों को वेतन देने में जो क्र ान ि ाक्षा के क्षेत्र में है, यह भी समाप्त हो जाएगी। अध्यापकों को वेतन कुछ दिया जाता हैं मगर उनसे दस्तखत अधिक वेतन पर करवाए जाते है, इस मामले पर भी दृश्टिपात करके इसे समाप्त किया जा सकता है। ये अध्यापक बच्चों को ि ाक्षा देने में, अच्छा रिजल्ट लोन मे ंऐडी–चोटी का जोर लगात है। लेकिन उन्हेंपूरा वेतन नही मिलता। इसके साथ ही मै वित्त मंत्री महोदय का ध्यान एक ओर बात की ओर दिलाना चाहूंगा और उसके बाद अगले विशय पर आना चाहूंगा। अभी भी बी0 ई0 ओज0 के पास स्कूलों की संख्या में भिन्नता है। किसी के पास 60 स्कूल है। तो किसी के पास 50 स्कूल हैं बी0 ई0 ओज0 को ब्लौक में अपने दफ्तर बनाएं और वही पर रहे ओर स्कूलों का वास्तविक निरीक्षण करें ताकि यह निरीक्षण केवल कागजों पर ही न रहे। आज बी0 ई0 ओज0 भाहरों में रहते है, इसलिए निरीक्षण हेागा तभी ि ाक्षा का स्तर ठीक हो सकेगा। हमारे बच्चे ि ाक्षा प्राप्त करने के बाद रोजगार के लिए भटकते हैं आज बच्चे की किताबों का बोझा बहुत ज्याद हैं बच्चे के अपने भारीर से ज्यादा वजन उसक बस्ते का होता हैं ये सारी पुस्तके उनकी योग्यता में वृद्धि के लिएळै लेकिन इतान होने के बावजूद भी आज की ि ाक्षा उसे रोजगार नही दिला पाती। आज बच्चों में नैतिकता की भावना

की जरूरत है उन्हें नैतिकता के रास्ते पर चलाने के लिए इस प्रकार की पुस्तके तैयार की जाएं जिनमें धार्मिक भावना तथा महापुरू ाों के जीवन इतयादि दिए गए हो। इससे समाज के बारें में दे ा में बारे में उनके दिल में इस प्रकार की भावना पैदा हेागी कि वे कोई ऐसा काम न करें जिससे दे ा और समाज का नुक्सान हो। बच्चे में अनैतिकता की भावना पैदा हो न हो। भविश्य में इस प्रकार की किताबे तैयार की जानी चाहिए ाजे कि छोटी छोटी हो परतु नैतिकता से ओत–प्रोत हों ताकि बच्चे में अच्छे संस्कार बढ़ सके।

अब मैं अपने हल्के के बारें मे अर्ज करना चाहता हूं। सन् 1977 से लेकर 1980 तक के समय में कुल एक स्कूल अपग्रेउ हुआ था। उन्होने य समझ कर नही किया यह कांग्रेस का हल्का नही हैं बीच में तीन स्कूलों को अपग्रेड किया गया था। मै हर बार स्कूलों के बारं में कहता रहा हूं। आज तक 12 साल के अर्से में कुल चार स्कलों को अपग्रेड किया गया है। 7–8 स्कूल उस एरिया के अनुसार अपग्रड होने आव यक हैं मै उनके यहां तो नाम नही लेना चाहता लेकिन लिख कर सरकारको दे दूंगा। हमारे यहां अम्बाला सिटी में लड़कियों का 10+2 का स्कूल है। उसके कमरे खाली पड़े है। वे कमरे अडल्ट ऐजूके ान को दिए हुए है। अगर उस स्कूल में जो कमरे खाली पड़ें है वहा पर गवर्नमैंट गर्ल्ज कालेज खोल दिए जाए तो ठीक रहेगा। अम्बाला छावनी ओर अम्बाला सिटी में कोई गवर्नमैंट गर्ल्ज कालेज नही हैं अगर वहां

पर एक लड़कियों का कालेज हो जाए तो वहां भी सुविधा हो जाएगी।

अब मै ऐजूक ान के विशय को छोड़ कर दूसरे विशय पर आता हूं यह ईक है हमारी सरकार में काफी काम हुआ हैं और जो चुनाव से पहे वायदे किये थे, वे पूरे किये है। चुनाव से पहले वायदा किया था कि नगरपालिकाओं के चुनाव करायेगे, वे समय के अन्दर कराये लेकिन सन् 1968, 1970 और 1972 से वहां चुनाव नही हुए थे। वहां चुनाव न होने से एक ही व्यक्ति भाासन कर रहा था, उसी की मनमानी थी। उस समय उनकी डिवैल्पमैट नही हो सकी। इसलिए उनकी डिवैल्पमैंट होनी चाहिए। आज वहां सड़कों की भी बुरी हालत है। एक बार हम परिवहन के जनरल मैनेजर के पास गये कि भाहर में लोकल बस चलवाये तो वे कहने लगे कि यहां की सड़के इतनी खराब है। कि रिक ाा वाले कही न कही सवारी को नीचे गिरा देते है। ओर कही रिक ाा का पहिया टूट जाता हैं जब रिक ाा के लिए इतनी बड़ी मु ाकल हो जाती है तो बस कैसे चल सकेगी? इसलिए नगरपालिको के रोडज को अधिग्रहरण करके कम से कम सड़के भाहर के अन्दर 20–22 साल से टूटी है, जिनकी तरफ कोई ध्यान नही दिया जा रहा है, उनकी तरफ ध्यान दिया जाये ताकि लोगों को सहूलियत हो ओर भाहर सही नजर आये।

एक बात मै और भी अर्ज करना चाहता हूं। अम्बाला में बसी–पच्चीस साल पहले सीवरेज स्कीम भाुरू हुई थी लकिन वह

रोक दी गई। मेरा निवेदक है कि उसे पूरा किया जायें गन्दे पीन की निकासी के लिए भाहरों में कोई पबन्ध नही है। जो गन्दा पानी घन्टे ओर दो घन्टे में निकलना चाहिए वह दो दो औरचार चार दिन तक बरसात के दिनों में खड़ा रहता है। गन्दे पानी को बाहर निकाला जाये ओर सीवरेज का प्रबन्ध किया जाये इसके लिए नगरपालिका को ग्रान्ट दी जाये। हमोर यहां पीने के पानी की भी व्यवस्था ठीक नही है ंपानी का प्रबन्ध करने के लिए सन् 1978 में एक स्कीम पास की थी लेकिन कांग्रेस की सरकार ढीली पड़ गई। उसका ऐ फेज भाुरू हो चुका है ओर दूसरे फेज पर भी काम भाुरू हैं इसलिये आने वाली गमियों तक उसे पूरा कर दिया जाये ताकि जो पीने के पानी की कमी है। वह पूरी हो सके। मेरा निवेदन है कि इस बात क लिए भी नगरपालिका को ग्रान्ट दी जाये।

मै वित्त मंत्री जी के ध्यान में एक बात और भी दिलाना चाहता हू कि आज से 35–36 साल पहले एक योजना बनी होगी जिसमें सैन्ट्रल गवर्नमैंट और स्टेट गवर्नमैट की मदद मिली होगी। उस योजना के तहत जो गरीब मजदूर फैक्टिरियों में काम रकते है उन्हें छोटे छोटे मकान दियेगये। ऐसी कालोनी प्रेम नगर में डबल स्टोरी के नाम से है। अभी पिछले दिनों उन गरीब लोगों को नोटिस दिया गया है। इसलिये मेरी प्रार्थना है। कि उनको कम से कम किराये पर और अगर उन्हें आप डिसपोज ऑफ करना चाहते है तो उचित दामों ओरकि तों पर वे मकान दे दिये जाये ताकि वे मालिक बन कर रह सके। उनकी ऐसी हालत नही है कि वे

दूसरे के मकानों में किराए पर रह सके य अपने मकान बने सके। यह सरकार किसानों, मजदूरों और गरीबों की है। ओर गरीब आदमियों को वि ोश ध्यान रखती हैं अभी तक उन्हें जो नोअिस दिये गए है वे वापिस होने चाहिए ताकि वे वैसे ही उन मकानों में रह सके।

आज हमारे लोगों में हरेक के दिल में यह भावना है कि हमारी इस लोकप्रिय सरकार ने लोगों को पै ान देकर, लोगों केा बेरोजगारी भत्ता देकर और बच्चों का इन्टरव्यू में जाने के लिये बसों में बिना किराये के जाने की सुविधा देकर ऐसे कदम उठाये है, जो कसी भी दूसरे प्रातं में नही है। लेकिन पै ान के बारें में कुछ थोड़ी सी गड़बड़ हो रही है। जिसमें कुछ न कुछ सुधार होना चाहिए। एक तो यह है कि जो डाकिया होता है, वह बहजुत दिनो तक तो पैसे अपनी जेब में रखे रहताहैं अपने पास ही पैसा रख लेात ओर जब वह देता है तब भी हरेक से 30–20 रूपए या एरिया के हिसाब से कम या ज्यादा अपना हिस्सा काट कर देता है। इसलिए ऐसी व्यवस्था की जाय जिसमें ऐसा न हो सके। जो मौजूदा व्यवस्था बनी हुइ है। उसमें 20–20 रूपसे हरेक से लेकर हजारों रूपए एक डाकिया बना लेता है। वह क्रप ान का मामला खत्म होना चाहिए। ऐसी व्यवस्था की जाये जिससे उनको घर में ही बैठे पै ान मिल जाये। अगर ऐसा हो जाये तो ज्यादा अच्छा होगा। इस पै ान से कुछ लोगों की आर्थिक स्थिति कुछ बेहतर होगी। कुछऐसी भी बेवाए है जिनकी आयु 65 साल या

उससे ज्यादा हो गयी है। लेकिन वह नया फार्म इसलिए नही भरती कि कही उनकी मौजूदा जो 50 रूपये महीना की पै ान मिल रही है।, वह भी बन्द न हो जाये। मेरा सुझाव यह है कि जो मौजूदा 50 या 70–75 रूपये की पै ान मिलती है, उसेा बढ़ाकर 100 रूपये कर दिया जाये, ताकि यह नए फार्म भरने का चक्क ही खत्म हो जाये। कुछ दिनों पहले वहां पर कुछ फार्म आये ओर लोगो ंने भरे भी है मेरा कहना यह है कि हमारी इस मौजूदा सकरार द्वारा, दूसरे खर्चो को कम करके अगर वह पै ान सभी कैटेगरीज के लिय 100 रूपया की जा सकती हो, तो कर देनी चाहिए। कुछ लोगों ने, विधवाओं ने फार्म भरकर वापस कर दिये हैं वे सही जगह पर पहुंच जायेगे,या नही पहुंच जायेगे, इसकीकोई गारन्टी नही है। उने पास ही उनकी पै ान पहुंचे, मै वि वास करूंगा कि इसबारें में वित्त मंत्री महोदय जरूर ध्यान देगे।

ऐसे ही परिवहन का सवाल है। यह बात ठीक है। कि हरियाणा में जो परिवहन विभाग या बस सर्विस है, उसक मुकाबला दूसरा स्टेट्स नही करती। हमारी बस सर्विस बहुत अच्छे ढंग से चल रही है लजेकिन थ्फर भी कही कही बात ऐसे है कि जब हम बसों में सफर करतेहै तो बसों की हालत ठीक नही होती। रास्ते में वह रूक जाती है पता नही क्यों रूक जाती है। भाायद म ानिरी की वजह से रूक जती हैं इस बारें में मेरा एक सुझाव है। हरेक गाड़ी की वर्क ाापसे निकलने से पहले अगर चैकिंग कर ली जाये तो फिर उसकों रास्तें में ठहरने का मौका नही मिलेगा।

कभी कभार खरबा हो जाये तो कोई बात नही। इसके अलावाबसों में सफाई बिल्कुल नही है। उसकी तरफ ध्यान नही दिया जाता है। भाी ो टूटे पड़े है। इस तरह की बातें से सरकार की बदनामी होती है अगर इस ओर ध्यान दिया जाये, भाी ो टूटे हुए हों तो उनकों बदल दियाजाये, सफाई न हुइ हो तो उसको करवा दिया जाये, ओर अगर वर्क ाप में से ही गाड़ी को ठीक डिक्लेयर होने के बाद निकलने दिया जाये तो बहुत अच्छी बात होगी। इससे दुर्घटनाए भी कम होगी। अगर कोई दुर्घटना होती भी है तो इस बात की तरफ ध्यान दिया जाये कि आया वह म ाीनगरी की फेल्यारे की वजह से हुइ है। या किसी की लापरावाही की वजह से हुइ है। इस तरह से करने पर बसों की जो आये दिन दुर्घटना होती भी हें तो इस बात की तरफ ध्यान दिया जाये कि आया वह म ाीनरी की फेल्यारे की वजह से हुई है या किसी की लापरवाही की वजह से हुई है। इस तरह से करने पर बसों की जा आये दिन दुर्घटनाएं होती है, वे भी कम होगी। परिवहन के बारें में मै एक सुझाव और दूगा। अम्बाला जिले में अम्बाला भाहर एक डिस्ट्रिक्ट प्लेस है। यह ठीक है कि छावनी से होकर लगभग हरेक दिल्ली जाती हुई डिलक्स बस जाती हैं लेकिन अम्बाला भाहर मे ंरहने वाले लोगों को, जहां की मै पिछले 12 सालों से नुमायंदगी कर रहा हूं यह सुविधा उपलब्ध नही है। इसलिए मेरी गुजारि ा यह है कि अम्बाला भाहर के लिए भी एक लिक्स बस लगा दी जाये ताकि वहां के लोगों को भी सुविधा हो सके ओर वह भी इसका लाभ उठा सके। मै यह कहना चाहूं कि अम्बाला भाहर डिस्ट्रिक्ट सैंटर

है। जो हमारी बसिज दिल्ली में चलती है, पिछली बार भी मैने बोलते हुए कहा था कि उनमे ंदिल्ली से अम्बाला कैट आना बहुत आसान है। रात को अगर कही अम्बाला भाहर आना पड़े तो बड़ी दिक्कत होती हैं छावनी तक तो बड़ा आसान है क्योंकि हरेक 5–10 मिनट के बाद बस मिल जाती है लेकिन अगर अम्बाला भाहर आना हो तो बडत्री मुि कल हो जतíी है। अभी कल ही हमारे कुछ साथी अम्बाला से डैपुटे ान लेकर आये हुए थे। मुझे सुबह टैलीफोन आया। वे कहने हम ओयगे। जब वे आये तो कहने लगे कि हमें छावनी का टिकट लेना पड़ा, भाहर का टिकट नही दिया। छावनी में उन्होने उतारा। वहां से उतर कर वे फिर भाहर में आये। मैने कहा था कि अम्बाला भाहर का टिकट दिल्ली से मिलना चाहिए। उसको आप बलदेव नगर कैम्प पर उतार दे। वहां पर मित्री बस अड्डा बनाने का प्रस्ताव बना था कि वहां पर मिनि बस अड्डा बना दिया जाएग जिससे कि चण्डीगढ़ से दिल्ली जाने वाली बसें और दिल्ली से चण्डीगढ. आने वाली बसें वहां पर रूक सके। ऐसा करने से लोगों की दिक्कते दूर हो जाएंगी। मै परिवहन मंत्री से यही कहूंगा कि वे अपने डिपार्टमैंट की ओर थोड़ा सा और ध्यान दें जिससे कि लोगों की कठिनाई दूर हो सके।

अब मै सड़कों और पुलों के बारें में कुछ कहना चाहता हूं। इस ओर सरकार काफी ध्यान दे रही है। करनाल जिले में जमुना के ऊपर पुल बनाया जा रहा है। इससे लोगों को सहूलियत मिल सकेगी। पुलों के न होने से लोगों का ज्यादा फासला तय

करना पड़ता हैं अगर कुछ सड़कों पर पुल बन जाएं तो दूर वाले रास्ते नजदीक में बदल जाएंगे। जैसे रायपुर रानी तहसील नारायणगढ़ में है। इसके पास टंगरी नदी बहती हैं रायपुर रानी पुराना नगर है औ सारे का सारा मोरनी का इलाका रायपुर रानी के साथ जुडा हुआ हैं मोरनी के लोगों को रायपुर रानी आने के लिए इस वक्त हाईवे परन आना पड़ता है जोकि तीस किलोमीटर है। और हाईवे से रायपुर रानी तक पहुंचाने के लिए 35–40 किलोमीअर का फासला तय करना पड़ता है। इस तरह से साठ पैसठ किलोमीअर रास्ता मोरनी से रायपुर रानी ततक तय करना पड़ता है। अगर टांगरी पर पुल बना दिया जाए तो यह फासला घटकर 10–12 किलोमीटर रह जाता है। स्पीकर साहब, टांगरी के दूसरी ओर त्रिलोकपुर में एक बहुत बड़ा और प्राचीन मन्दिर है। यहां पर पंजाब तथा हरियाणा से बहुत बड़ी सख्या में लोग मन्दिर में द र्शन करने आते है। इस पुल के बनने से द र्शन करने वाले लोगों को जाने की सुविधा होगी। नग्गल हल्का स्पीकर साहब का हल्का है। इसमें नूरपुर एक गांव है। इस गांव के लोगों को अम्बाला भाहर तक अपना अनाज लाने के लिए अब लगभग चालीस किलोंमीटर काफासला तय करना पड़ता हैं इसके बारबार से टांगरी नदी जाती है। यदि उस नदी पर भी पुल बन जाए तो यह फासला भी घटकर 10 किलोमीअर का रह जाता है। उपाध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में मानकपुर और डडियाना में एक मील का अन्तर है। मानकपुर के पास एक बरसाती नाला है। मानकपुर के लोगों को अपनी जमीन में जाने के लिए स नाले को पार करना पड़ता है

और डडियाना के लोगों को भी मानकपुर आने में बड़ी दिक्कत होती है क्योंकि उनकों पन्द्रह सोलह किलोमीअर का फासला तय करके आना पडऋता है। अगर उस बरसाती नाले पर पुल बन जाए और सड़के भी बन जाए तो लोगों केा काफी सुविधा होगी और यह फासला पौना किलोमीटर या एक किलोमीटर का फासला तय करके आना पडता है अगर उस बारसाती नाले पर पुल बन जाए और सड़क भी बन जाए तो लोगों को काफी सुविधा होगी और यह फासला पौना किलोमीटर या एक किलोमीअर रह जाएगा। यह रास्ता बहुत छोटे रास्ते में बदल जाएगा। उपाध्यक्ष महोदय, इसी तरह से बहुत से गांव है जहां सड़क गांव तक तो जाती है लेकिन गांव में जो स्कूल है, मन्दिर है या गुरूद्वारा और स्कूल तक पहुंचने के लिए सड़क बनाई जाएं उपाध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में दी तीन गांव जैसे सिगावला और रविदास माजरी है जिनके बची में एक ड्रैन आती है और उन दोनों गांवों के बची का अन्तर आधा किलोमीअर से भी कम है। अगर उस पर पुलिस बना दी जाए ओर दोनों ओर से सड़क से जोड़ दिया जाए तो दस बारह किलोमीटर का रहा जाता है। रविदास माजरी हरिजन बस्ती है। ऐसे ही हरिजन बस्ती लाहरसा और कालू माजना से धेल को जोड़ दिया जाए ओर घेल से देवी नगर जोड़ दिया जाए तो दोनो को अन्तर डेढ किलोमीटर रह जाता है। अगर जी0 टी0 रोड अम्बाला में पटियाल वाली रोड ओर अम्बाला से हिसार जाने वाली रोड आपस में मिला दी जाएं तो गांवों के लागों केा कुाभ सुविधाहो जाएगी। गरनाला से टूटली गांव को अगर मिला दिया जाए तो दोनों का

फासला एक किलोमीअर से भी कम रह जाता है। अगर मिला दिया जाए तो दोनों का फासला एक किलोमीटर से भी कम रहा जाताहै। गरनाल से अगर भिवानी जाना हो तो अम्बाला भाहर होकर जाना पड़ता है। अगर इन दोनों को सड़क से जाड दिया जाए तो लगभग10–12 किलोमीटर का फासला, जो अम्बला से होकर जाना पड़ता है, वह कम हो जाएगा। इसी तरहै से डिप्टी स्पीकरसाहब, कुछ और सड़के ऐसी हैं जिन को अगर आपस में मिला दिया जाए तो मै समझता हूं कि लोगों की काफी दिक्कते दूर हो सकती है।

इसके बाद एक बात हौर कहकर मै अपना स्थान लूंगा। 11 फरवरी, 1980 को अम्बाला भाहर में एक हस्पातल की बिल्डिग का ि ालान्याय हुआ था। 6 सात सालों से वह काम बीच में अटका पड़ा है। लजेकिन वहां पर जो कर्मचारियों व अफसरों के लिए क्वार्टर्ज बनने थे, वे तो बन गए है लेकिन हस्पताल अभी अभी भाुरू ही हुआ है। डी0 सी0 महोदय ने कुछ धन लोगों से इसके लिए इकट्ठा किया है और चौधरी देवी लाल जी ने मैचिग ग्रान्ट के रूप में भी पैसा दिया है। काम तो भाुरू हो गया है लेकिन इस हस्तपाल को जल्दी ही बनाने का सरकार को प्रयत्न करना चाहिए क्योंकि अम्बाला के इर्द–गिर्द का 30 से 50 किलोमीअर का एरिया इसी पर केन्द्रित हैं इसलिए मेरी उप मुख्य मंत्री महोदय से यह प्रार्थना है कि इस काम के लिए जितनी भी अधिक से अधिक रा ि ा दे सके, दिल खोल कर दें।

डिप्टी स्पीकर साहब, स्वास्थ्य मंत्री महोदया की जिम्मेवारी आज श्री वीरेनछ सिंह जी निभा रहे हैं उनहोने यहां पर बोलते हुए कहा कि छछरौली का हस्पताल डि–ग्रेड नही किया जाएगा। केवल इनता कह देनो से ही काम नही चलता। मै यह कहना चाहता हूं कि उस हस्पताल के एक मरे की छत गिर सकती ळै। छछरौली पहले एक स्टेट के नाम से जानी जाती थी। सरकार इस ओर वि ोश ध्यान दे ताकि इस इलाके के लोगों को इस हस्पताल से ज्यादा से ज्यादा लाभ हो सके।

इसके साथ साथ मै अपनी सरकार से एक बात टैक्स के मामले में भी कहूगा कि कम्बलों पर से टैक्स हटाया जाए। इस बारें में चूंकि डाक्टर साहब ने भी काफी कहा है इसलिए मुण्े ज्यादा कहने की आव यकता नही हैं ऐसी आईटमज तो एक गरीब आदमी ही खरीदता है। इस टैक्स से गरीब आदमी को काफी नुक्सान उठाना पड़ता है। आ ाा है कि सरकार मेरे इस सुझाव पर अव य ही ध्यान देगी।

इससे आगे मै यह कहूंगा कि दूसरी स्टेट्स में जो टैक्स की दरें काफी ज्याद है। इन टैकस की दां को कम किया जाए। इससे हमारी स्टेट को लाभ होगा और हमारी स्टेट की आमदनी भी बढ़ेगी। इससे क्या होगा कि सरकार के खजाने में पैसा आएगा। हमारी स्टेट का कारोबार भी बढ़ेगा। टैक्स की दरें जो आधा परसैन्ट से लेकर 10–12 परसैन्ट तक आती है, उनको कम किय जाए। अगर सरकार इस तरह की नीति बरतेगी तो अैक्स

चोरी करने वाले जो है, वे टैक्स की चोरी नही करेगे और जो अधिकारी होगे , वे भी कुछ नही करसकेगे। इन भाब्दों से साथ, मै एक बार फिर अपनी सरकार से रिक्वैस्ट रूंगा कि जो–जो सुझाव मैने यहां पर दिए है सरकार उनकी तरफ अव य ध्यान दे। इसके साथ ही वित्त मंत्री होदय ने जो 1989–90 का बजट पे ा किया है, उसकी जितनी सराहना की जाए, इतनी थोड़ी है।

श्री भागी राम (ऐलनाबाद–अनुसूचित जाति): उपाध्यक्ष महोद, 8 मार्च 1989, को हमारी आदरणीय उप मुख्य मंत्री महोदय व वित्त मत्री महोदय ने वर्श 1989–90 का बजट इस हाउस मे ंपे ा किया है और उस पर बोलने का जो अपने मुझे अवसर दिया है, उसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हूं। सब से पहले मै वित्त मंत्री महोदय जी को इस बजट को पे ा करने के लिए हार्दिक बधाई देता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, मैने ही नही बल्कि कल भााम को जिन लेागों ने रोडियों पर इसे सुना ओर आज अखबारों मे ंपढा, वे सब यानी सारे हरियाणा की जनता इस लोकप्रिय सरकार को इसके लिए बधाई दे रही हैं और खु ाी जाहिर कर रही है कि जनता की इस अपनी बनाई हुई सरकार ने कितना अच्छा बजट पे ा किया है। इस बजट के माध्यम से लोगों को जो रियायतें देने की बात है, चाहे वह बुढ़ापा पैन् ान की बात है या दूसरे अलग–अलग महकमों की स्कीमों की बात है यानी जो पैसे देकर काम करने का प्रोग्राम बनाया है, यह सारे का सारा सरहाने योग्य है। मै ज्यादा न कहनता हुआ खास कर अपने हल्के के बरें

में उप मुख्य मंत्री जी का ध्यान दिलाउंगा मुझे जब जब भी विधान सभा में बोलने का मौका मिला मैने अपने हल्क में बारें में कहा है। इसके अलावा जब भी मुझे किसी वजीन से मिलने का मौका मिला, उस मंत्री महोदय ने खास कर हमारी उप मुख्य मंत्री महोदय की तरफ ही इ ाारा किया कि अगर उनकी निगाह ठीक रहेगी तो आपका काम हो जाएगा। इसलिए मै खासकर सबसे पहले उप मुख्य मंत्री महोदय की तरफ ही इ ाारा किया कि अगर उनकी निगाह ठीक रहेगी तो आपका काम हो पाएगा। इसलिए मै खास कर सब से पहले उप मुख्य मंत्री महोदय का ध्यान अपनी कांस्टिचुएंसी ऐलनाबाद की ओर दिलाना चाहता हूं। उस कांस्टियुऐंसी से हमे ाा कांग्रेस के खिलाफ एम0 एल0 ए0 जीतता रहा हैं वहां से चौधरी ओम प्रका ा, और चौधरी प्रताप सिंह चुनाव जीते हैं और तीन बार वहांसे मै जीत कर आया हूं। मेरे कहने का मतलब यह है कि इस बार जो सरकार आई, उसमें हम रूलिग पार्टी में हैं अब से पहले जितनी सरकारे थी, चाहे वह भजन लाल जी की थी, बंसी लाल की थी या भगवत दयाल भार्म जी कीथी, इस हल्के से जो भी एम0 एल0 ए0 चुन कर आया, वह इन सरकारों के खिलाफ रहा। इसलिए इस हल्के की तफ बदले की भावना से दखा गया। मै चाहता हू कि कोई भी सरकार हो, उसे ऐसा नही करना चहिए। मै सब से पहले सिंचाई के बारें मे कहना चाहता हू। सिचाई मंत्री जी इस समय बैठै नही है। मै पहले भी कह चुका हूं कि मै कई मन्त्रियों से मिला हूं और आई0 पी0 एम0 साहब को भी मिला हूं, उन्होन मुझे कहा कि आप उप मुख्य

मंत्री जी से मिले। मै यही कहना चहा रहा हूं कि मेरी कांस्टियूऐसी में मलेका माइनर पर 1978 में काम भुरू हुआ और ज्यूं ही भजन लाल चीफ मिनिस्टर बने, उन्होने उसका काम बन्द करवा दिया। वहां से कसी टौकरी उठा ली गई। जब चौधरी देवी लाल जी की सरकार दोबारा आई तो मै उनसे इस बारें में मिला। अब उस माइनर की धीमी गति से थोड़ा सा काम चालू हुआ हैं मेरा निवेदन है कि इस माइनर की जो अब तक टेल तक खुदाई नही हुई, उसकी तरफ उप मुख्य मंत्री महोदय खास तौर परध्यान देगे। इसके लिए जब भी पैसे की बात आएगी तो मेरे ख्याल मे उप मुख्य मंत्री महोदय आदे ा दे देगें। इसी तरह से आज मेरे क्वै ाचन के जवान में आई0 पी0 एम0 साहब ने बताया था कि एन0 जी0 सी0 के पैरेलल एक नहर बन रही है जो तकरीबन 30 किलोमीअर लम्बी हैं डिप्टी स्पीकर साहब, वह नहर की सारी बन कर तैयार हो गई है लेकिन बीच में कुछ गैंप रहते है। जैसे कही खाल जा रहा है वहां 5–10 फुट का टुकडा रह गया, कही खेत को रास्ता जा रहा है, वहां 10 फुट का टुकड़ा रह गयाया और छोटै मोटै गैप रह गए हैं इस किस्म के छोटे छोटे काम रहते है। डिप्टी स्पीकर साहब, आप सुन कर हैरान होगे कि 1981 में कजिस नहर का काम भुरू हुआ था, उसकी मन्जूरी 1977 में जब चौधरी देवी लाल जी की सरकार आई थी, उस समयहुई थी लेकिन थोडे दिन के बाद उस नहर का काम बन्द कर दिया गया और आज भी उस नहर का काम बन्द पड़ा है। इसी तरह से मोर हल्के मं एक नीमला गांव है जो बहुत ऊंचे टीले पर बसा हुआ हैं बड़े अफसोस

के साथ कहना पड़ रहा है कि उस गांव के लोगों को पीने का पानी नसीब नही हो रहा हैं वाटर वर्कस बहुत नीचत होने के कारण उस गांव मे ंपानी नही चढ़ नहा है। उस गांव के लिए न्यू नीमला माइनर के नाम से एक नई प्रपोजल बनी हैं उसक लिए मै आई0 पी0 एम0 साहब से मिला था और जन स्वास्थ्य विभाग के मंत्री जी को, जो इस समय यहां हाउस में बैठे हैं मैने उस प्रपोजल के बारें में लिख कर भी दियाथा। आज भी मेरा इनमें निवेदन है कि नीमला गांव के लिए पीने के पानी की व्यवस्था करें ओर उकसे लिए कोई अलग से वाटर वर्कस बनवाए। यहां सदन में हमारे आरणीय मुख्य मंत्री जी, उप मुख्य मंत्री जी ओर संबधित मंत्री जी बैठे हैं मेरा इनसे निवेदन है कि उस गांव के लोगों की दिक्कत को ध्यान में रखते हुए वहां पर पीने के पानी की व्यवसिा करे ओर वहां पर काई नई माइनर मंजूर की जाए ताकि उस गांव के लिए कोठ अलग से वाटर वर्कस लगाया जा सके। इसी तरह से मेरे हल्के मे ंएक चंचाल माइनर है ओर एक रानिया ड्रैन हैं उनका काम अधूरा पड़ा है। उसको पूरा किया जाए।

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मै परिवहन के बारें में अपने विचार प्रकट करना चाहूंगा। जब सिरसा जिला बनातो उस समयवहां पर बस डिपों बनाय गया था। जब सिरसा जिला हिसार से अलग करके जिला बनाय गया थे उस समय हिसार डिपों से सिरसा डिपो ंको बसे ंदी गई थी। डिप्टी स्पीकर साहब, आप जानते है। कि जब दो भाई अलग होते है तो जो बड़ा भाई हांगा,

वह छोटे भाई को टूटी कटोरी, टूटी थाली और टूटी खाट देगा यानी जो भी निकम्मा सामान होगा वह छोटे भाई को देगायानी अपनसे कमजोर साधन वह छोटे भाई को देगा। मेरे कहने का मतलब है कि जब सिरसा डिपों बना तोवहां पर हिसार डिपों में जो घटिया किस्म की बसे थी, वे दी गइ और मै यह बात कहना तो नही चाहता लेकिन जो भाराबी ओर जिनके खिलाफ ि ाकायते थी, उन ड्राइवर्ज ओर कंडक्टर्ज को वहां पर भेज दिया यानी जिन ड्राइवर्ज और कंडक्टर्ज की भाराब पीने के बारें में ि ाकायत थी या दूसरी ि ाकायते थी उनको वहां पर भेज दिया। (इस समय श्री अध्यक्ष महोदय पदासीन हुए) अध्यक्ष महोदय, आज भी सिरसा डिपों पर बसों की बहुत बुरी हालत हैं आज भी जब डिपोज में बसों के बंटवारे की बात आती हैं तो वह ठीक तरीके से नही की जाती। पिछले दिनों नई बसों के बंटवारे की बात आई थी औरवह अनुपात के हिसाब से डिपोज की बसें देने की बात थी। वह बंटवारा भी इस तरह से किया गया कि जिस डिपों में 200 बसें थी उनको दो बसें, जिसमें 500 बसे थी उसको 5 बसे ओर जिसमें 100 बसे थी उसको एक बस दी गई यानी जिस डिपों में सबसे ज्यादा बसें थी उसे सबसे ज्यादा और जिसडिपों में कम थी उसको कम बसे दी गई। अध्यक्ष महोदय, मेरी समझ के मुताबिक यह बंटवार ठीक नही किया गया। जिस डिपों मे बसों की बहुत बुरी हालत है उस डिपों को सबसे ज्यादा बसें दी जानी चाहिए थीं अध्यक्ष महोदय, हमारे आरणीय मुख्य मंत्री जी और उप मुख्य मंत्री जी यहां सदन में बैठै है, मै आपके द्वारा इनसे निवेदन करूंगा कि

सरिसा डिपों को अगर ज्यादा बसें देने की बात नही तो कम से कम उसको कोटे के हिसाब से बसें जरूर दी जाए। पिछली सरकारने बदल`की भावना से सिरसा डिपों को कोटा पूरा करने के लिएसिरसा डिपों को कुछज्यादा बसें दी जाए। इसके अलावा मुझे यह बात कहते हुए बड़ी खु ाी हो रही है कि हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने ऐलनाबाद बस अड्डे का और होस्पीटल का उद्घाटन करेगे। इसके लिए मै आदरणीय मुख्य मंत्री जी को धन्यवाददेता हूं क्योंकि इन्होने ऐलनाबाद मे बस अड्डे ओर होस्पीटल का उद्घाटन करने के लिए अपना कीमती समय निकाला हैं

अध्यक्ष महोदय, अब मै सड़कों के बारें में कुछ बातें कहना चाहूंगा। मेरे हल्के में कुद सड़कें ऐसी है जो बहुत पहले से मंजूर ाुदा हैं मेरे ख्याल में जो सड़के 1977–78 में मंजूर हुई थी, वे सड़के ज्यों की त्यों पडत्री है, उन पर कोई काम नही हुआ हैं अध्यक्ष महोदय, आपके द्वारा उप मुख्य मंत्री जी से मेरा निवेदन है कि ऐलनाबाद हल्के की सडकों को बनाने का काम भाुरू करवाए। इसकाम को पूरा भी आपने करवाना है ओर उसके लिएपैसे का प्रबन्ध भी आपने ही करना है। मुझे पूरी उम्मीद है कि गुप्त जी मेरी बातों की तरफ पूरा ध्यान देंगे। स्पीकरसाहब, मेरी इस बात के लिए भारद्वाज साहब, गुप्ता जी की तरफ इ ाारा कर रहे हैं और इ ाारे इ ाारे में कह रहे है कि मेरे पास तो पैसा नही है आप इनसे पैसा दिलवाइए। इसलिए मै आपके माध्यम से उप मुख्य

मंत्री जी से प्रार्थना करता हूं कि आप ऐलनाबाद के लिए अधिक से अधिक पैसा इस बजट में रखे ताकि वहां परसड़के बनाई जा सके। अध्यक्ष महोदय, इस समयवहां पर सड़कों की बहुत बुरी हालत है। बाढ़ के दिनों में एक गांव से दूसरे गांव में जाना और अपने खेतों में जाना बड़ा कठिन होता है। मेरे हल्के में नगराणथेड से मोहरसिंह थेड़ी रोड का अगर 3 कि0 मी0 का टुकडा पक्का कर दिया जाए तो इससे वहां के लोगों को काफी आसानी आने जाने मे हो सकती है। वह सड़क मन्जूर भी है और मिट्टी भी पड़ चुकी है। इसी प्रकार से ऐलना बाद से ढोबरीया, ऐलनाबाद से ढाणी ोरा, बालासर से नाइवाल और करीवाला से मंजलथेड़ भाहीदा थेड़ की सड़के मंजूर है ंऔर इन पर मिट्टी भी डाली हुई हैं यदि इन सड़कों पर ईटे न बिछाई गई तो सारी मिट्टी आने वाली बारि ा में बह जाएगी ओर जो पैसा वहां पर मिट्टी डालने पर खर्च हुआ है वह बेकारचला जाएगा। इसलिए मेरी सरकारसे मांग है कि मेरे हल्के की इन सड़कों को भी कम से कम इस आने वाले साल में जरूर पक्का कर दिया जाए ताकि वहां के लोगों को आने जाने में सुविधा हो सके।

अध्यक्ष महोदय, अब मै ि ाक्षा के बारें में कहना चाहता हूं। मेरे हल्के में अगर मै यह बात कहू कि हरियाणा में सबसे कम स्कूल है तेा कोई गलत बात नही है। 90 हल्कों में से सब से कम स्कूल ऐलनाबाद क्षेत्र में हैं वहां पर सबसे कम हाई स्कूल है प्र न काल के दौरान एक बार ि ाक्षा मत्री महोदया ने बताया था कि

ऐलनाबाद मतें ओढ़ा और मिट्टी सुरेरा में जी0 बी0 टी0 ट्रनिक स्कूल खोला जा रहा ह। लेकिन साथ ही इन्हाने वहां पर दाखिले का क्राइटेरिया यह बताया यह बताया कि 10 जमा 2 स्कूलों की ि ाक्षा यानी जिन बच्चो ने 10 जमा 2 श्रेणी पास की है, उन्हें दाखिला मिलेगा। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से गुप्ता जी के नोटिस में लाना चाहता हूं कि सिरसा जिले में हाई स्कूल भी काफी कम है ओ 10 जमा 2 के स्कूल नही हैं मेरा निवेदन है कि अभी से वहां पर 10 जमा 2 स्कूलों को अपग्रेड कर दिया जाए ताकि आने वाले 2–3 सालों के बाद, जो इन्होने जे0 बी0 टी0 ट्रेनिग में 10 जमा 2 की कन्डी ान लगाई है, 10 जमा 2 स्कूलों में अपग्रेड करना है। इस बारें में भी मेरा गुप्ता जी से निवेदन है कि मेरे हल्के को जो बहुत सालों से कम कोटा स्कूलों की अपग्रेड ान का चला आ रहा हैं उसे बढ़ाए जाए ओश्र इसे पूरा करने के लिए ऐलनाबाद क्षेत्र की तरफ ज्यादा से ज्यादा ध्यान दिया जाए।

अध्यक्ष महोदय, अब मै स्वास्थ्य विभाग के बारें में भी कुछेक बातें कहना चाहूंगा। ऐलनाबाद क्षेत्र में दो कस्बें ऐलनाबाद ओर रानिया आत`है। इन दोनों कस्बों की आबादी काफी हैं अब तक ऐलनाबाद में ऐ छोटी सी डिस्पैस्री चली आ रही थी लेकिन अब हमारे माननीय मुख्य मंत्री जी आने वाली 20 तारीख को वहां पर होस्पीटल का ि ालान्यास कर रहे हे। मेरा इसके लिए निवेदन है कि ि ालान्यास के बाद फौरी तौर पर इस पर काम चालू किय

जाए। मै आपका ज्यादा समय न लेते हुए, आपका धन्यवाद करते हुए और अपनी यह बात कहते हुए कि यह सरकार वाकई बधाई की पात्र है। जिसने बिना टैक्स लगाए बजट पे ा किया है और लोगों के कल्याण के लिए काम कर रही है, अपना स्थान लेता हूं।

चौधरी देवी लाल (मुख्य मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मै आपके सामने आज जो बजट पर चर्चा हुई हैं, इस संबंध में कुछ कहना चाह रहा हूं। सदन मै सरकार द्वारा पे ा किए गए बजट पर चल रही बहस के दौरान मै आपकी आज्ञा से माननीय सदस्यगण के सामने सरकार की पिछली कारगुजारियों और नए बजट के बारें में निवेदन करना चाहूंगा। सरकार की उपलब्धियों के आकडें तो सभी सदस्यगणों को मालूम है। आज मै इन आकड़ों की सच्चाई के बारें मे नमूने के तौर पर कुछ सबूत पे ा करने की आज्ञा चाहता हूं। सदन के अन्दर और बाहर कुछेक भाई मौजूद सरकार की उपलब्धियां के बारें मे झूठा प्रचार करने की कोि ा ा कर रहे है और भ्रान्ति फैला रहे है। एक सज्जन ने तो यहां तक कहा कि अगर चौधरी देवी लाल बेकारी भत्ता पाने वो एक भी अन–एम्पलायड व्यक्ति का नाम बात दे तों वे सियायत छोड़ देगे और दूसरे ने फांसी लेने की बात कही है। मै न तो किसी को फांसी लेने पर मजबूर करना चाहता हूं। और न ही किसी की सियासत छुडवाना चाहता हूं क्योंकि ये दोनो भाई तो कभी क सियासी तौर पर मुर चुके हैं और हरियाणा की जनता ने उन्हें सियायत से बाहर कर दिया है। बेकारी भत्ते के बारें में आपको

मालूम है। यक्म नवम्बर, 1989 को एक बहुब बड़े जलसे में कैथल के न्दर लाखों लोगों की हाजरी में 1200 नौजवानों की नकद बेकारी भत्ता बांटा गया था (तालिया) इसके बाद 17 फरवरी, 1989 तक 3581 बेकार नौजवानों को यह बेकारी भत्ता अदा किया जा चुका है। भत्ते के हकदार नौजवारनों की तस्दीक काम लगातार चल रहाहैं आज तक 3782 नौजवानों को बेकारी भत्ता अदा किया जा चुका है। मार्च के महीने में एक हजार और जवानों के फार्म तस्दीक कर लिए जाएंगे और अप्रैल से उन्हें बेकारी पाने वाले नौजवानों की तादाद 4782 हो जाएगी। बेकारी भत्ता पाने वाले सभी नौजवानों की लिस्ट तो चण्डीगढ़ हैडक्वार्टर पर उपलबध नही है मगर 3164 ऐसे नौजवानों की लिस्ट जो यहां उपलब्ध थी, उसकी एक कापी मै आपकी आज्ञा से सदन के टेबल पर माननीय सदस्यों की जानकारी के लिए रखता हूं। इस लिस्ट में बेकारी भत्ता हासिल करने वाले नौजवानों के नाम जिलेवार दिए गए है। जिला करनाल में 450, जिला अम्बाला में 704, जिला सोनीपत में 62, जिला कुरूक्षेत्र में 468, जिला हिसार में 277, जिला महेन्द्रगढ़ में 298, जिला रोहतक में 258, जिला भिवानी, जो हमारे साबिका चीफ मिनिस्टर का जला है, मे 261 और जिला गुडगांव में 193 नौजवानों को बेकारी भत्ता अदा किया जा रहा हैं इस बारें में कुछ भाईयों को कहना है कि व्हाइट पेपर इ ा किया जाए। इस बारें में कहना चाहता हूं कि इससे बहुत अधिक सरकारी खजाना खर्च होगा और टाईम पर प्रस्तुत कर दी हैं मेरे इस दावे को चैलेस करने वाले दोस्तों से मै दरख्वास्त करूंगा कि वे इस लिस्ट

को गौर स पढ़ ले। हो सकता है इस लिस्ट मतें उनके अपने ही रि तेदारों को नाम हो। इस लिस्ट में पूरे नाम और पते दिए गए है।

जहां तक कर्जों की मांफी का संबंध है, हम 7 लाख से ज्यादा लोगों के कर्जे माफ कर चुके है। जिनमें से 403065 लोग अपने कागजात पूरे करके कर्जे माफी कानून का फायदा उठा चुके है। लैण्ड डिवैल्पमैंट बैक ने ट्रैक्टरों के 10 हजार रूप्ए तक के कर्जे माफ किए है। इस कर्जे माफी का फायदा उठाने वाले लोगों केा तादाद 8403 हैं (तालिया) मैने नमूने के तौर पर सारे प्रांत के तमाम की तमाम लिस्ट भारी भरकम हो जाती है इस लिस्अ में कर्जा माफी से लाभ उठाने वाले इन लोगों के नाम और पते के अलावा माफ किए गए कर्जे की रकम भी दर्ज की गई हैं इस लिस्अ का भी मै आपकी से सदन के टेबल पर रखता हूं।

कोआप्रटिव बैकों से भाौर्ट टर्म लोन लेने वाले मैम्बरों की तादाद 7 लाख के करीब है। जिनमे से 394582 लोगों के कर्जे माफ किए जाचुके है क्योंकि इन्होने अपने कागजात पूरे कर दिए हथै। आप मानेगे कि चार लाख लोगों की लिस्ट सदन में पे ा करने पर बहुत समय और धन खर्च होगा। अकेले भिवानी जिले में ही 31786 लोग इस कर्जे माफी का फायदा उठे चुके है। उनके नाम पतों की लिस्ट की एक बोरी भीर करकल मुझे दिखाने के लिए पे ा की गई थी जिस पर मैने फैसला लिया कि सारे प्रांत की बजाए सिर्फ भिवानी जिले की और भिवानी से सिर्फ दो हजार

आदमियों कीलिस्ट बना कर मुझे पे ा की जाए। भिवानी जिलेके सभी 465 गांवों में से पांच पांच आदमियों के नाम लिस्ट में डाल कर 2325 आदमियों की लिस्ट तैयार हुइ है। इसलिस्ट में इन सभी आदमियों के गांववार पूरे नाम और पते और माफ किए गए कर्जे की रकम दिखाई गई हैं इस लिस्ट में को भी मै स्पीकर महोदय की आज्ञा से सदन की टैबल पर रखता हूं। जिन भाईयों मुकम्मल लिस्टे देखनी है हो, वे स्टेट कोआप्रटिव बैकों के दफ्तर जा कर चण्डीगढ़ में देख ले। यहां मै भिवानी जिले के श्री बंसी लाल वल्द मोहर सिंह लैधा के गांव के बोलागढ़ ओर उनके जदी गांव लैधा के बीच पांच पांच आदमियों के नामों की लिस्ट पढ कर सुनाता हूं जिन का कर्जा माफ हुआ है। श्री धर्म वीर वल्द छोटू राम 6 हजार, राम स्वरूप वल्द हरि सिंह 5 हाजर छः सौ, उदयभान वल्द मान सिंह, पांच हजार, अमी सिंह वल्द पूर्ण, पांच हजार, सुर्जन वल्द गुलाब, पांच हजार चार सौ, श्री समेरा वल्द सावल, चार हजार तीन सौ, चान्द राम वल्द सुंडा राम, तीन हजार छः सौ, प्रताप वल्द रामजी लाल, चार हजार, सुभाश चन्द्र वल्द कैसा राम, तीन हजार और भाम ो वल्द प्रताप, दो हजार। इन सब लोगों का कर्जा माफ हुआ है। ये सारी लिस्ट्स मेरे ख्याल में सारे मैम्बरो ंतक पहुंच चुकी है। लेकिन महेन्द्र प्रतात सिंह जी को यदि दो लिस्टे दे दी जाये तो बड़ी अच्छी बात होगी। (विध्न)

कोआप्रटिव कर्जो के अलावा हरियाणा हरिजन कल्याण निमग और बैकवर्ड क्लासिज निगम वगैरह ने भी 8 करोड़ रूप्ए के

कर्जे माफ किए है। (व्यवधान) आपकी भी लिस्ट निकाली है, कल सुना दूंगा। इसमें से 1 करोड़ 59 लाख 2874 रूपए 87 पैसे के कर्जे बैकवर्ड क्लासिज निगम ने माफ किए है। और 4 करोड़ 61 लाख 35 हजार 326 रूप्ए के कर्जे हरियाणा हरिजन कल्याण निमग ने माफ किए हैं दोनों निगमों के द्वारा माफ किए गए कर्जो की जिलावार सूची मै स्पीकर साहब की परमि ान से सदन की टेबल पर रखता हूं।

एक झूठा प्रचार यह भी किया जा रहा है कि कोआप्रेटिव बैकों का जिन लोगों को कर्जा माफ किया है, उनसें कोई बौड वगैरा भरवाए जा रहे है कि अगर सरकार ने बैक को तुम्हारी जगह पर कर्जा अदा न कियातो फिर माफीदार ही कर्जा अदा करेगा। ऐसा कोई बौंड नही भराया जा रहा है। इनके साथी राव वीरेन्द्र सिंह बौंड भरवाया करते थे। उसकी नकल बंसी लाल भी भाायद करत हो कि अगर साथ रहेगा ओर आगे टिकट लेना चाहेगा तो 50000 का बौंड भर दो। भाायद इनमें भी बौंड भरवाया होगा तभी नही आये। पहले तो यों ही आ गये थे। (हंसी) लेकिन इनका यह सरकासर झूठा प्रचार है। लेन–दे की भूल–चूक लेने–देने का वायदा हमे ाा बना रहता है। मिनी बैकों के सैक्रेटरी कर्जे माफी की कार्यवाही मुकम्मल करवाते वक्त महज किसानों से इतना ही लिखवाते है। कि अगर औडिट ने कोई गलती निकाल दी तो भूल–चूक लेनी देनी होगी। दरअसल हमारी पालिसी के खिलाफ झूठा प्रचार करवाने वाले वही लोग है जिन्होने आप या

उनके भाई बन्द लोगों ने लाखो रूप्ए के कर्जे लेकर हड़प कर रखे हैं ऐसे पूंजीपतियों के कर्जे माफ करने का न तो मैने कभ वायदा किया था और न ही कभी कर्जा माफ करूंगा। ऐसे अमीर आदमियों की लिस्ट बहुत लम्बी है। जिन्होने सरकारी अदायरों की मार्फत जैसे एच0 एस0 आई0 डी0 सी0, एचण् एफण् सी0, और खादी बोर्ड से बड़े–बड़े कर्जे ले रखे हैं स्पीकर महोदय, मै उन आदमियों की एक छोटी सी लिस्ट पे ा करता हूं। जो करोड़ों रूप्ए का कर्जा लेकर हड़प् कर चुके है। इन सभी कांग्रेसी नेताओं ने अपने नाम परया अपने रि तेदारों के नाम पर कर्जे लिए है। उनके नाम मै सुनाने लगा हूं:– श्री अनूप बि नोई (दामाद श्री भजन लाल), हिसार 1 करोड़ 82 लाख 44 हजार, श्री राम जी लाल (श्री भजन लाल के साथी) कुरड़ी गांव, हिसार जिला, कांग्रेस कमेटी के पहले जनरल सैक्रेटरी और अप पैजीडैट हे, 46 लाख 85 हाजर, श्री उग्रसैन जैसे मेरे पोलिटिकल सैक्रेटरी दीपक साहब है। इसी तरह से भजन लाल के पालिटिकल सैक्रेटरी थे, मैने तो देखे नही, आप जानते होगे, 22 लाख 19 हजार, श्री अमीर चन्द मक्कड़, साबिक एम0 एल0 ए0 हांसी, 11 लाख 16 हजर ओर अब महाराजा फरीदकोट के गांव दाना रामपुर की जमीन पर झूठी गिरदारी कराके कब्जा किए हैं श्री ओम प्रका ा, साबि मंत्री, इनके जिम्मे थोड़ासा है। कुल 26 लाख 13 हजार। श्री इन्द सिंह, साबिक एम0 एल0 ए0 बरवाला के रि तेदार 4 लाख 75 हजार। श्री राम नारायण कौि ा ा किसी समय प्रधान जिला कांग्रेस

कमेटी, हिसार 14 लाख 59 हजार। श्री राजेन्द्र कुमार सुपुत्र श्री गोवर्धन दास चौहान साबिक मिनिस्टर 1 लाख 59 हजार।

श्री बीरेन्द्र सिंह साबिक मिनिस्टर ओर मौजूदा एम0 पी0 जो उचाना के है, के रि तेदार के जिम्मे 49 लाख रूप्या हैं श्री बीर सिंह साबिक मिनिस्टर के जिम्मे 6.57 लाख रूप्या हैं श्री भाम ोर सिंह सुरजेवाला साबिक मिनिस्टर, जो बहुत बड़ा जमीदार है, के रि तेदारों के नाम बारह लाख पच्चीस हजार रूप्या हैं श्री श्रीकि ान दास साबिक मंत्री ओर डा0 मंगल सैन के साथी के जिम्मे 15 लाख 65हजार रूप्या है। श्री जगदी ा नेहरा, साबिक मंत्री के जिम्मे एक लाख अस्सी हजार रूपया हैं विजय पाल सिंह, जो डिप्टी स्पीकर थे, के जिम्मे 9 लाख 18 हजार रूप्या है। श्रीमती उशा तपासे के जिम्मे 73 लाख 80 हजार रूप्ए हैं ये तपासे वही है जो गवर्नर होते थैं हमारे साथ पचपन सदस्य थे और हमारी मैजोरिटी थी। इनके साथ (कांग्रेसियां के साथ) 35 मैम्बर्ज थे लेकिन फिर भी इनकी सरकार बना दी थी और उस समय महेन्द्र प्रताप सिंह भागे थे। (व्यवधान) मेरे पास अब स िबही खाते है। श्री भयाम बिहारी बिहार के यूथ कांग्रेस के जनरल सैक्रेटरी, के जिम्मे 23 लाख रूप्या हैं स्पीकर साहब, इनके अलावा बहुत से कांग्रेसी है जिनकी लिस्टें बहुत लम्बी है। वे चूंकि पे ा नही की जा सकती इसलिए मै आपकी इजाजत से उन लिस्टों को कुछ भाग नमूने के लिए हाउस की टेबल पर रखता हूं।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, बिहार के रहने वालों ने औ महाराश्ट्र के रहने वालें ने कैसे कर्जा ले लिया?

चौधरी देवी लालः कर्जे तो लिए ही लेकिन साथ ही जमीन भी हड़प कर रहे है। सदन से बाहर कुछ भाई कहते फिर रहे थे कि अगर चौधरी देवी ला बेराजगारी भत्ता पाने वालों मं से एक का भी पता दे दे ंतो वे मैम्बरी से इस्तीफा दे देंगे। कोई कहता था जहर खा लूंगा। दूसरे कहते है कि हम सियासत छोड़ देगे। स्पीकर साहब, मेरा आपसे फिर अनुरोध है कि आपकी इजाजत से मैने जो लिस्टस सदन के टेबल पर रखी है उनकी दो कापियां जैसा मैने पहले कहा है सदन के माननीय सदस्य चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंह को दे दें। उनके द्वारा ये उनके पास पहुंच जाएगी जा ऐसी बात कह रहे है। स्पीकर साहब, हरियाणा की मौजूदा सरकार साढ़े सात लाख लोगों से ज्यादा को पैन्शन दे चुकी हैं लेकिन यू0 पी0 की कांग्रेस सरकार ने 48 हजा लोगों को पैन ान दी हैं और यह पचास रूप्या माहवार है। यू0 पी0 की आबादी साढे बारह करोड है। स्पीकरसाहब, साढे बारह करोड़ की आबादी है, 48 हजार लोगों को पैन ान दी है और वह पचास रूप्या माहवार दी है बिहार जहां कांगैस की सरकार है ओर जहां उथल पुथल हो रही है वां की आबादी साढें आठ करोड है। सत्ताईस हजार लोगों को तीस रूप्या माहवार पैन ान दी है। जो बंसी लाल कह रहा है कि यह पैन्शन तो हमने दी थी, इसके बारें में अर्ज है कि यह बात ठीक नही। फैक्ट यह है कि हम करीब 4

लाख लोगों के कर्जे माफ कर चुके है ओर 8 लाख के करीब बुजुगों को पैन् ान दे चुके है। अगर ये झुठा कोई प्रचार यूंह ही करते रहे तो उससे मुझे कोई फर्क पडने वाला नही हैं यह ब्यान तो स्पीकर महोदय, मैने इसलिए सदन के सामने दियाताकि सभी मैम्बरान के हाथों में यह सारी लिस्टस हो और सभी मैम्बरान को सही जानकारी मिल सकें ओर इस सदन के मैम्बरान यह फख्र महसूस कर सके कि हमारी इस लोकप्रिय सरकार ने ऐसे ऐसे काम किये है और इससे झूठ बोलने वाल का मुह बन्द किया जा सके।

इसके अलावा स्पीकर साहब चौधरी बंसी लाल यह कहते है यहां के मंत्रीगण भी समगलिग करते है। महेन्द्र प्रताप जी आप ध्यान दे। मै इस हाउस में यह याद दिलाना चाहता हूं कि पहले जब मै चीफ मिनिस्टर बनाथा तो मैने ही उसको गिरफ्तार करवाया था और उसकी तला ाी भी करवायी गयी थी। ओर एम0 एल0 ए0 होस्टल के अन्दर विदे ाी घडिया, रेडियोज व पैनज वगैरह, जो स्मलिग की चीजो थी, को दिखाया गया था। अब आप ही सोचिए कि ये स्मलिग करते थे या नही ये खुद ही इस बात का फैसला कर लेगें। बस इतना कहता हुआ मै आपका धन्यवाद करता हूं क्योंकि आपने मुझे बोलने का टाईम दिया।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंटआफ आर्डर हैं इस हाउस में बड़ी ही इंट्रैस्टिग बात आई है। एक महानुभव ने यह कहा था कि अगर इस राज्य में एक भी बेकार य बेकारी भत्ता दिया गया हो तो किसी के कर्जे माफ किए गए हे तो वे अपने

आपको फांसी दे देगे या पब्लिक लाईफ से रिटायर हो जाएंगे परन्तु चीफ मिनिस्टर साहब के यहां ब्यान देने के बाद सारी बातें साफ तौर पर इस हाउस के मैम्बरान के सामने आ गई हैं स्पीकर साहब, मेरी आपसे यह रिक्वैस्ट है कि क्यो न एक कमेटी इसके लिए आप लोक सभा से बनवाएं अपनी बनाए क्यों कि ऐसा कहनेवाले व्यक्ति राज्य सभा के मैम्ब्र है ताकि सभी तथ्य जनता के सामने आ सकें ओर लोगों को पता लग जाए कि झूठ बोलने वाले का मुंह काला होता है। (हंसी)

श्री भगवान सहाय रावतः अध्यक्ष महोदय, मै मुख्य मंत्री महोदय से यह अनुरोध करूंगा कि अगरसरकार `से लोगों के खिलाफ कार्यवाही करके हनेस धन इक्ट्ठा कर ले तो उस धन का हम हरियाणा के उत्थान के लिए इस्तेमाल कर सकते है और ऐसा करने से हमारा हरियाणा दस साल और आगे बढ जाएगा। (विध्न)

श्री मंगल सैनः अध्यक्ष महोदय, जो मैने आपसे पूछा है, उस पर आपने कोई रूलिंग नही दी है। (विध्न)

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, एक तो यह बात पालियामैट के बस की है मेरे बस की नही है, दसरे यह हाउस के बाहर की बात है। (विध्न)

सिचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिह): स्पीकर साहब, चूंकि यह हाउस के बारह की बात है इसलिए हम आपकी मजबूरी समझते है। जिस महानुभव का यह जिक्र है, वह

पालियामैट का मैम्बर है, लेकिन जब ये हरियाणा के मुख्य मंत्री थे तब एस0 वाई0 एल0 के मसले पर इन्होने 1985 में अपोजी ान लोगों की एक कमेटी का गठन किया था। मै और डाक्टर मंगल सैन जी उस कमेटी में थे। इन्होने उस कमेटी में कहा था कि हमें कुछ ज्वायंट ऐक ान लेना चाहिए। इस पर हमने यह कहा कि हम इसके लिए तैयार यह भार्त आपको माननी होगी कि यदि एस0 वाई0 एल0 या चण्डीगढ़ का फैसला हरियाणा के हितों के खिलाफ जाता है तो मै सदन में लटक कर फासी खा लूगा। पता नही स्पीकर साहब कैसी फलैक्सीबल उनकी है।? वह न तो इस सदन में काबू आती हैा न उस सदन में काबू आती है। (हंसी)। उसके बाद जब चुनाव चले रहे थे इन्ही चौधरी भजन लाल जी ने पब्लिक मीटिग में कहा कि चदि चौधरी देवी लाल मुख्य मंत्री बन जाएंगे तो मैं फांसी खा लूंगा। तो स्पीकर साहब ,पता नही वह गर्दन कैसी है, उसको तो पकड़ना ही पड़ेगा और कोई चारा नही।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर हैं स्पीकर साहब, आज मुख्य मंत्री जी ने बड़ा महत्वपूर्ण विशय सदन के सामने रखा। इन्होने यह भी बताया कि कर्जा लेने वलो एक महानुभव हरियाणा के रहने वाले नही हैं वे गवर्नर बन कर यहां आए थे ओर उनहोने उस गवर्नर के पद का दुरूपयोग किया। उन्होन अपने परिवार के लोगों को धारूहेड़ा में फैक्टरी लगा कर दी। उनकी तरह अब भी पैसा बकाया है। तो क्या आपके द्वारा मै मंत्री जी से निवेदन कर सकता हूं कि कोई इन्क्वायरी इन्स्टीच्यूअ

करेंगे क्योंकि उन्होने अपने पद का दुरूपयोग कियाहैं क्या उनको दण्डित करने का कोई प्रस्ताव विचारधीन है?

चौधरी देवी लालः पहले वे सम्मन की तामील तो करे।

श्री भगवान सहाय राव (हथीन): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रांत की लोक प्रिय सरकार के द्वार ओर माननीय उप मुख्य मंत्री महोदय, श्री बनारसी दास गुप्त द्वारा जो उप मंत्री महोदय, श्री बनारसी दास गुप्ता द्वारा जो उप मुख्य मंत्री भी है। औ वित्त मंत्री भी है, एक कर रहित बजट प्रस्तुत किया गया है, इसके लिए सब से पहले हमारी सरकार ओर आदरणीय वित्त मत्री जी बधाई के पात्र हैं आज जबकि हमारी आय के साधन सीमित है, हमें सूखे ओर अन्य आपदाओं का मुकाबिला करना पड़ा और उसके बाद हमं एक असीमित बाढ़ का प्रकोप झेलना पड़ा। इसके अतिरिक्त हमारे आदरणीय वित्त मंत्री जी न कर रहित बजट पे ा करके एक उदारण प्रस्तुत कया है। इसके अतिरिक्त बजट प्रस्तुत करते हुए जहां हमारे माननीय उप मुख्य मंत्री जी ने विभिन्न लोक कल्याण कार्यो के लिए अलग अलग रा ि ा निर्धारित करने का सुझाव रखा हैं वहां यह भी सरहाहनीय विचार है कि हमारे 80 प्रति ात लेग खेती पर निर्भर करते है ओर इसी से हमारे किसान मजदूर की आमदनी का स्त्रोत हैं इसका देखते हुए सिचाई, कृशि और दूसरे समाज कल्याण कार्यो के लिए बजट का काफी हिस्सा रखा गय है। बजट में कृशि के लिए 62.88 करोड़ रूपए, सिचाई और बिजली के लिए 93.95 करोड़ रूपए और

ग्रामीण विकास के लिए 15.75 करोड़ रूपए रखे गए है। इसके साथ–साथ बाढ नियन्त्रण के लिए 200 करोड़ रूपए, उद्योगों के लिए 14 करोड़ रूपए, समाज कल्याण के लिए 233.18 करोड़ रूपए रखे गए हैं जैसे कि उप मुख्य मंत्री जी फरमा रहे थे, यह चौधरी देवी लाल के नेतृत्व में चलने वाली सरकार ने समाज के सामने एक उदाहरण पे ा किया है। हरियाणा की जनता मुख्य रूप से कृशि पर निर्भर करती है ओ ये लोग ज्यादा ग्रामीण क्षेत्रों में रहते है। आज यह बातने की आव यकता नही हैं कि हरियाणा प्रांत आज चौधरी देवी लाल के नेतृत्व में चल रहा है। मै अपने माननीय सदस्यों से कहना चाहूंगा, यहां पर पक्ष और विपक्ष के लोग बैठे हैं वे सभी जानते है कि जंहां दूसरे राजनैतिक दलों की सरकार है या कम्युनिस्ट पार्टी की सरकारे है, वह कोई भी सरकार किसान मजदूर के लिए इनता नही कर पाई जो चौधरी देवी लाल की सरकार ने किया। जैसा कि हम सबको मालूम है कि पिछले डेढ दो साल के दौरान केन्द्र के सौतेल व्यवहार क बावजूद बूढ़ो को पैन् ान दी गई, बेराजगारों को भत्ता दिया गया ओर हरिजनों के कर्जे माफ किए गए तथा प्रदे ा की रीढ़ की हड्डी, किसानों जिन्होने भूमि विकास बैक के माध्यम से ट्रैक्अर के लोन लिए थे उनकी अधिकम 10 हजार रूपए की रा ि ा माफ की गई। यह भी एक प्र ांसनीय कदम उठाया गया है।

इसके साथ साथ चौधरी साहब की उदारता को ध्यान में रखते हुए मै आने इल्के तथा राज्य की समस्यओं को ओर भी

सदन का ध्यान आकर्शित करना चाहूंगा। हमारी लोकप्रिय सरकार ने किसानों को गत्रे के उत्पादन को अधिकतम मूल्य दे करके हमारे सामने एक अनुपम उदाहरण पे ा किया है। सीाी माननीय सदस्यो को मालूम है कि अभी निकट भविश्य में हमारी लोकप्रिय सरकार नए भूगर मिलों का ि ालान्याय करने जा रही है यह हमारी सरकार का बहुत ही सराहनीय कदम हैं अध्यक्ष महोदय, हमारे सहकारी क्षेत्र में जो दूसरी भूगर मिले गी हुई है ंवहां के किसानों ने उन मिलों को गन्ने की पिड़ाई की क्षमता को ध्यान में रख कर गन्ने की बहुत कम बीजाई की थी। उनको क्या मालूम था कि गन्ने के इतने ज्यादा रेट मिल जाएंगे और गन्ने की पिड़ाई की क्षमता बढ़ जाएगी। इसलि नि ि चत रूप से किसान अब अधिक गन्ना बोना चाहते है। जितनी भूगर मिलें लगी हुई है। उनकी क्षमता अधिक होने के कारण नि ि चत रूप से किसानों को स्थिति सुदृढ होगी। इसे अलावा अध्यक्ष महोदय, मै समाज कल्याण विभाग के बारें में कहना चाहूंगा। हमारी लोकप्रिय सरकार ने बूढ़ों को बुढ़ापा पैन ान देने की बहुत ही प्र ांसनीय योजना लागू की हैं इसके लिए नि ि चत रूप से हामरी लोकप्रिय सरकार का प्रयास यह रहा है कि एक बार नही, दो बार नही, बलिक चार आदरणीय चौधरीवी लाल जी की अध्यक्षम में हमारी सरकार औफिसर्ज, बी0 डी0 ओज0, एस0 डी0 एम0 और डी0 सी0 महोदय ओर समाज कल्याण विभाग के अधिकारीगण की टीम गांव गांव में गइ और उसने मौके पर ही छानबीन की। लेकिन अध्यक्ष महोदय आप जानते है।कि गांवों में अ ि ाक्षित लोग है ओर कई बार जयादा

बूढे आदमी मौके पर हाजिर नही हो सकते, कई बुजुर्ग रि तेदारी में गए होते है जो मौके पर नही पहुंच पाते। मेरे कहने का मतलब है कि इस टीम के चार बार प्रयत्न करने के बावजूद भी कुछ बूढे आदमी मौके पर नही बिमल सकें जिसक कारण वे पै ान से महरूम रह गए। वे बूढे आदमी चोधरी देवी लाल जी की तरफ बडी आ ााभरी निगाहों से देख रहे हैं उनके पडोस में ही कई घरों में चार चार बूढे बुढियां हैं जिनको बुढापा पै ान मिल रही हैं उनको पै ान के एरियर की कि त 800 रूपए प्रति व्यक्ति के हिसाब से एक घर में 6400 रूपए पिछले दिनों मिले हैं इ तरह से बूढ आदमियों की निगाहे नि चत रूप से चौधरी देवी लाल जी की तरफ लग जाती हैं इसलिए मै कहना चाहूंगा कि डी0 सीज0 को यह आदे दिया जाए कि ब्लाक स्तर पर जो 65 साल की उम्र से ऊपर के आदमी किसी कारणव ा पै ान से महरूम रह गए हैं उनको एक बार एक और मौका दें ओर गांवों में जा कर एक बार फिर उनको देखा जाए ताकि सभी बूढो को पै ान मिल सकें। इसके साथ–साथ मै एक बात यह भी कहना चाहूंगा कि हमारी सरकार ने विधवाओं की पै ान 50 रूपसे बढ़ा कर 75 रूपए की हैं जो विधवा हो जाती है उसका नि चत रूप से कोई सहारा नही रहता। कई ऐसे केसिज भी देखने में आए है कि विधवा के केस में पहले उम्र की पाबंदी होती थी कही विधवा ज्यादा उम्र ने लिखवा दे जिसके कारण उसको पै ान न मिल सकें। इसलिए लोग पै ान के लालच में पहले विधवा की उम्र 50 से कम लिखवा देतो थे समाज मं ऐसेी विधवाए ंभी जिनी

वास्तविक उम्र 65 साल से ऊपर हो गई है लेकिन उनको बुढ़ापा पै ान की बजाय वही विधवा पै ान के 75 रूपए मिल रहे है मेरा अपनी लोकप्रिय सराकर से निवेदन हे कि जिन विधवाओं की उम्र 65 साल से ऊपर हो गई है उनको विधवा पैं ान की बजाय बुढ़ाप पै ान दी जाए। यदि ऐसा कर दिया जाता है। तोयह हमारी लोकप्रिय सरकार के लिए एक बहुत ही प्र ांसनीय कदम होगा।

इसके अतिरिक्त मै कहना चाहूंगा कि सरकारी कर्मचारियों ने जो पढ़े लिखे है, हमारे संघर्श में और हमारी सरकार के निर्माण में बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसलिए हमारी सरकार न सरकारी कर्मचारियों के लिए भी कुछ कदम उठाए है। हमारी सरकार ने सरकारी कर्मचारियों का आवासीय भत्ता बढ़ाया हैं और उनको 27 दिन का बोनस देने का प्रावधान किया है। लेकिन आप सभी जानते है कि हमारी सरकार के आय के साधन सीमित है जिसके कारण हमारी सरकार कर्मचारियेां को बोनस का पैसा नकद नही दे सकी। ओर वह पैसा कर्मचारी के भविश्य निधि खाते में जमा करवा दिया है। आज हर कैटेगरी का सरकारी कर्मचारी चौधरी देवी लाल जी की तरफ देख रहे। इसलिए मेरा निवेदन है कि उनकी जा जायज मांगे है उनकी तरफ भी ध्यान दिया जाए।

इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, अब मै भाहरी क्षेत्र और ग्रामीण क्षेत्र के अध्यापकों के बारें में एक बात कहना चाहूंगा।

ग्रामीण क्षेत्र में कांग्रस के 40 साल के भाासन काल में अध्यापकों को बहुत अभाव रहा था जिसके कारण ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे पूर्ण रूप से ि ाक्षा पाने में असमर्थ रहे है। अध्यक्ष महोदय, मै भी अध्यापका के रूप में कार्य करता रह ूं इसलिए मै आदरणीय मुख्य मंत्री चौधरी देवी लाल जी से आग्रह करता हूं कि अध्याकपों की संख्या बढ़ाई जाए। मेरी जानकारी के मुताबिक आज भी ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों में 60–60 लड़कों के लिए एक–एक अध्यापक नियुक्त किए हुए हैं कई ऐसे केसिज भी देखने में आए है कि एक स्कूल में एक ही अध्यापक होता है। एक प्राइमरी स्कूल मे ंपाचं क्लासे होती है ओर उसके लिए एक ही अध्यापक नियुक्त करने का अनुपात फिक्स किया हुआ है, वही होना चाहिएं ऐसा करने से अध्यापकों के ट्रांसफर के मामले में भी कोई दिक्कत नही आएगी। इस बारें में एक पालिसी निर्धारित की जाए ओरसभी स्कूलों में 30 औरएक के अनुपात के दृश्टिकोण को सामने रख कर अध्यापका नियुक्त किया जाएं मेरा निवेदन है कि इस बारें में नि ि चत रूप से विचार किया जाए ओर ग्रामीण क्षेत्रों में जो बच्चे अध्यापकों की सेवाओं से वंचित रह गए है, उनको अध्यापकों की सेवाएं पूर्ण रूप से मुहैया करवाई जाए। हमारी लोकप्रिय सरकार को इस ओरअव य ध्यान दिना चाहिए।

आदरणीय अध्यक्ष महोदय एक और बात मै आज इससदन के सम्मुख बोलते हुए आपके माध्यम से आदरणीय मुख्य मत्री जी के निोट में लाना चहूंगा। इस समय यहां परहामरे उप

मुख्य मंत्री जी भी बैठे है और थोड़ी देर पहले सिचाई मंत्री जी भी बैठे थे। मै आदरणीय मुख्य मंत्री जी के नोटिस में अपने हथीन हल्के की परे ानियों लाना चाहता हूं। हमारे चौधरी साहब, एस0 वाई0 एल नहर की खुदाई के लिए पूरी मेहनत से काम कर रहे है। उसकी लागत पहले की अपेक्षा 2 गुना, 3 गुना ही नही बढ़ी है बल्कि अब हमें इस नहर की खुदवाई के लिए4 गुना पैसा खर्च करना पड़ेगा। अध्यक्ष महोदय जब तक इस नहर की खुदाई नही हो जाती तब तक मेरे हल्के के औरंगाबाद कस्बे के लोगों को और दूसरे लोगों को बडत्री असमानता कासामना करना पड़ रहा हैं यह असमानता का सामना कांग्रेस भासन के दौरान से हाता चला आ रहा है। आज भी हरियाण प्रांत में रहे हुए जिला फरीदाबाद के लोगों को चौधरी देवी लाल जी की सरकार मे भी दो गुना या तीन गुना नही बल्कि साढे तीन गुना अधिक आबियाना देना पड़ रहा हैं यह सारी रा ि ा उत्तर प्रदे ा की सरकार को जा रही ळै ंवहां की नहरे और खाले कच्ची हैं वहां के लोगों केा यह परे ान आज से नही बल्कि सर छोटू राम के समय ये वली आ रही हैं। हमारा यह मामला 25–30 साल से लटका हुआ हैं हामरी इस सरकार के आने के बाद हमें उमीद है कि हमारा यह मसला हल हो जायेगा। यह मामला इन्टर स्टेट का हहोने के कारण इसका अभी तक कोई विकल्प नही हो पाया हैं वहां के किसानों के साथ बहुत ज्यादती हो रही हैं वहां के किसानों को ईख की खेती पर 98 ओर 96 रूपये प्रति एकड़ देने पड़ रहे है जबकि हरियाणा के दूसरे लोगों को 48 रूपये देने पड़ते है। इसका कारण यह है कि

वहां परपानी आगरा कैनाल से आत है। इसी प्रकार से गेहू की खेती क लिए वहां के लोगों को 48 और 58 रूपये देने पउ़ते है। जबकि दूसरे किसानों को 20 रूपये देने पड़ते है। इसलिए मै चाहता हूं कि यह जो बीच का अन्तर यही के किसानों में आपस का है। इसे हमारीसरकारको आने किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए किसी सरकारी राहत क माध्यम से कम्पनसेट करना चाहिए ताकि फरीदाबाद जिले के किसानों को अपनी जेब से अधिक पैसा अपने ही प्रांत के दूसरे लोगों से अधिक न देना पड़े। अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद जिले में 6 विधान सभा क्षेत्र पड़ते हैं हमारे क्ष ेत्र पिछडे होने के कारण ही वहां पर मेवात डिवैल्पमेंट बोर्ड बनाया गया था। पिछली कांग्रेस की सरकार ने इसबोर्ड कागठन 1980 में किया था। इस बोर्ड के गठन के बाद 1980 से लेकर हमारी सरकार के सत्ता में आने के बाद तक कोई मीटिग नही बुलाई गई थी। मेवात डिवैल्पमैंट बोर्ड के लिए पिछले साल 225 लाख रूपये रखे थे जबकि हमारी सरकार ने आने वाले साल के लिए इस मेवात डिवैल्पमेंट बोर्ड के लिए 300 लाख रूपये का प्रावधान इस बजट में किया है। मै गुप्ता जी से अनुरोध करूंगा कि पिछले कांग्रेस भाासन के दौरान जो अन्याया होता रहा हैं उसे दूर किया जाये। वहां के लोगों ने हमे ाा ही चौधरी साहब के विचारो ंको अनुरूप लोगों को चुन करके विधान सभा भेजा हैं लेकिन वे लोग चुने जाने केबादसत्ता के लालच मे वहां के लोगों को धोखा देकर के कांग्रेस में भाामिल होते रहे है जिसके कारण उस क्षेत्र को विकास नही हो पया। वहां के लोगों ने हमे ाा ही

चौधरी साहब के आवाहन पर अपना खुन बहाया है। मेवात डिवैल्पमेंट बोर्ड में जो हल्के भाामिल है, उनमे ंमेरे हल्के परअीाी तक सिर्फ 4 प्रति ात पैसा ही पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान खर्च किया गया है, जबकि 6 हल्कों में अगर इस रा ि ा का बांटा जाये तो मेरे हल्के की रि ा मेवात डिवैल्पमैंअ बोर्ड के तहत 17 प्रति ात बनती है। इस रा ि ा कों सिद्धांत रूप में मंत्री महोदय ने स्वीकार भी किया है। मेवात डिवैल्पमेंट बोर्ड के तहत मेरे हल्के में नए मौडल स्कूल भी सरकार द्वारा खोले जा रहे है और लड़कियों की ि ाक्षा के लिए भी वि ोश प्रावधान किए गए है।

इसक अतिरिक्त अध्यक्ष महोदय, एक वि ोश समस्या की ओर मै। आपके द्वारा सरकार का ध्यान आकर्शित करना चाहता हूं। आदर्श जीवन स्तर के लिए ि ाक्षा और कृशि सुधार के अलावा उद्योग–धन्धो को बढ़ावा देना भी जरूरी है। आज चौधरी देवी लाल की सरकार ने सारे दे ा के सामने एक आद र्ा रखा हैं आज हमारे चौधरी साहब खुद महात्मा गांधी ओर चौधरी चरण सिंह जी के दिखाए मार्ग परचल रहे है। हमें बड़े उद्योगों के साथ ही छोटै उद्योगों को भी बढावा देना है ताकि बेकार नौजवानो ंको बेरोजगार बनाया जा सके। अध्यक्ष महोदय, मै यह कहना चाहता हूं कि इस लोकप्रिय सरकार ने जैसे ओरक्षेत्रों में आद र्ा कायम किया है, उसी तरह से बडे उद्योग–धन्धों के विकास के साथ ही छोटे उद्योगो को भी बढ़ावा दिया जाए। छोटे उद्योगों को बढ़ावा देने नि ि चत रूप से जरूरी हैं। अध्यक्ष

महोदय, एक बात मै आंकड़ों के रूप मं आपके माध्यम से सदन के नोटिस में लाना चाहूंगा। वर्श 1986–87 के प्लान के मुताबिक 17 स्टेटों की लिस्ट मेरे पास है जिसमें उद्योगों पर खर्च की गयी रा ि ा द र्ाई गई हैं वैस्ट बंगाल मे कुल बजट की 10.72 प्रति ात तथा गुजरात में 10.18 प्रति ात रा ि ा उद्योग धन्धों पर खर्च की गइ जबकि हरियाणा के बजट की 1.7 प्रति ात रा ि ा उद्योगों के विकास पर खर्च की गई। नि ि चत रूपसे हमें उद्योगों को बढ़ावा देना चाहिए तथा स्मॉल स्केल इन्डस्ट्रीज की तरक्की के लिए हमं और अधिक रा ि ा को प्रावधान करना चाहिए। इन भाब्दों के साथ मै इस बजट का समर्थन करता हूं। और समय देने हेतु आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री दुर्गा दत्त अत्री (राजोन्द): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, हमारे माननीय वित्त मंत्री व उप मुख्य मंत्री महोदय के कल जो बजट इस महान सदन में 1989–90 को पे ा किया है, वह कर मुक्त है। यह राज्य जो कृशि प्रधान राज्य है। इसके लिए यह बजट एक प्र ांसनीय बजट है। जिसके लिए मै इस सरकार को बधाई दूंगा। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से माननीय वित्त मत्री जी तथा उनके अधिकरियों तथ कर्मचारियें को जिन्होने गहन अध्ययन करके इस बतट को तेया करने में अपना बहुत कीमतती समय लगाया हैं, उनकों बधाई देता हूं। इस बजट में केर्ठ राहते दी गइ हैं पिछड़े वर्गों को ऊपर उठाने की गर्ज से कई प्रकार के वजीर्फ दिये गये हैा और गन्ने के मूल्यों में वृद्धि की गई हे। ऐसी

आ ाा तो इस लोकप्रिय सरकार मसे हरियाणा की जनता रखती ही थी। इस बात मं कोई सं ाय नही है कि हमारे दरियादिल मुख्य मंत्री चौधरी देवी लाल जी, ऐसे डाक्टर है जो हरियाणा की नबज् को, जनता की नब्ज को अच्छी तरह से पहचानते है। वे ऐसे डाक्टर है जो जनता की हर तकलीफ को पहचानते है। ओर इसका ईलाज करने की कोि ा ा करते हैं लेकिन मै इस बतट पर बोलते हुए कुछ बातों की ओर सरकार का ध्यान दिलाना चाहूंगा। हमारी सरकार ने पर्यटन पर करीब अढ़ाई करोड़ रूपया खर्च करने का प्रवधान किया है। कुरूक्षेत्र में कुरूक्षेत्र डिवैल्पमे।ट बोर्ड बनाया गया हैं ओर कई सालों से वहां पर काम भी चल रहा हैं लेकिन और भी कई ऐतिहासिक एवं प्राचीन स्थान है जैसे रामरा, पिडारा जो कुरूक्षेत्र से भी अधिक महत्पूर्ण है। इसी प्रकार कलायत का मन्दिर है जिसका फोटो जगह–जगह देखने को मिलताहै। ये कुछऐसे स्थान रह गये है जो कि ऐतिहासिक महत्व के है। इस बारे में मै कहनाचाहता हूं कि ऐसे स्थनो ंकी डिवैल्पमैंट के लिए अलग से डिवैल्पमैंट बोर्ड बनाया गजाए। अपनी संस्कृति को बनाए रखने के लिए यह जरूरी हो जाता है। कि उनकी हालत भी सुधारी जाएं

स्पीकर सर, समाज कल्याण के लिए हमारी सरकार ने बहुत ज्यादा सुविधायए दी है लेकिन इस बारें में मेरी थेड़ी सी और भी गुजारि ाहै। वह अन्धो और विकलांगों के बारें में है। जब हमारी इतनी लोकप्रिय सरकार है और हरेक को तकलीफ को

बारीकी से समझ सकती ळै ओर समझने की कोि ा ा करती है तो विकलांग और अन्धों को बस में सफर करने के लिए जरूर फ्री पास किदये जाये, ताकि उनको आने जाने में सुविधाहो सके। एक महत्वपूर्ण काम ओर भी सरकार का है जो मै सरकार के नोटिस में लाना चाहता हूं। उनको न तो सरकार की तरफ से ओर न ही नम्ब्रदारों या गांवों की तरफ से कोई ज्यादा पैसा मिलता है। यह एक बड़ी भारी गम्भीर समस्या हैं ये हमारे साथी है और हमारे साथ ही रहे है औरसाथ दे रहे है। जब भी कोई कर्मचारी दौरे पर सरकारी काम के लिए जाता है ता सब से ज्यादा सेवा करने का काम इनका होता है चाहे थानेदार, रेवेन्यू का कोई अफसर या पुलिस का कोई अधिकारी जाता है, उनकों फौरी तौर पर बुला लिया जाता है। मै आपके माध्यम से सरकार ओर माननीय मुख्य मंत्री जी जो यहां बैठे है, से अनुरोध करता हूं कि उनकी समस्या की ओर ध्यान दिया जाये। जब ीाी हम गांव मे ंजाते है तो बार बार वह अपनीसमस्या को हमारे सामने रखता है। इसलिए इस परगौर कर लियाजाये ताकि इससमस्या का समाधन हो सके।

स्पीकर साहब, आमतौर पर देहात मे ंएक और समस्या भी है। अब गांव के आस पास जंगल नही रहे ओर लोगों को भाौचालय के एिल बाहर जाना पड़ता है। इसलि सरकार की तरफ से गांव में सामूहिक भाौचालय चार पांच जगहों पर निर्माण कर दिये जाये। उनकी खाली चारदीवारी बना दी जाये ताकि लोगों का पर्दे की सुविधा उपलब्ध हो सके।

स्पीकर सर, मै आपके माध्यम से एक और समस्या की और भी सरकार का ध्यान दिलाऊंगा। कई डाक्टर्ज, सरकारी अधिकारी या कर्मचारी ओर अध्यापका का गांव की तरह से मोह उठता जात रहा है। उसक एक वि ो कारण है उन लोगों कों गांवों में वे सुविधाये उपलब्ध ानही होती जो भाहरों में उपलबध है। गांव मे ंपढाई, चिकित्सा और अच्दे आवास की सुविधा न होने के कारण उनका ांव से मोह हटता जा रहा हैं सरकारी कर्मचारी व अधिकारी चाहते है कि जनता को ज्यादा से ज्यादा लाभ मिल सकें लेकिन सरकार को चाहिए कि उन लोगों का, जिनका भाहरों में रूझान बढ़ रहा हैं, भत्ता खत्म कर दे क्योंकि भाहर मे ंउसे बाकी काफी सुविधाये मिल जाती हैं लेकिन जो भाहर में गांव में जाये उनके लिए वि ोश भत्ते का प्रावधान हो ताकि देहात के भले लोगों को ज्यादा लोग जो राश्ट्रीय ओर अन्तर्राश्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए जाते है वे देहात के ही जाते है। अगर वहां पर भी यह सुविधा दे दी जाये तो उससे गांव साफ सुथेर बनाने में मदद मिलेगी। गांव में यदि पार्क खेल के मैदान ओर स्टेडियम बना दिये जाये तो मै समझता हूं कि इससे उनका विकास बहुत अच्छा हो सकताहैं सरकार को इसकी तरफ ध्यान देना चाहिए।

स्पीकर सर, जब हमारी सरकार आयी, उसके आने से पहले हमारे मुख्य मंत्री जी ने न्याया युद्ध के नाम से संघर्श भाुरू किया था। वह ि ारोमणि महान जबह जींद है। जहां से यह युद्ध भाुरू हुआ था। यह ऐक ऐसी ऐतिहासिक जगह को जहां पर सारे

हरियाणा के लोग इकट्ठे हुए थे। समस्त हरियाणा के लोगों को आज भी उस पुराने इतिहास को याद करते है। उसको दोहराने के लिए चौधरी देवी लाल के सिवाय कोई भी ताकत या दूसरा नेता पैदा नही हुआ है। मै मानता हूं कि इनके कहने पर तो लोग, अगर वह बंगलौर मे ंचाहे तो वहां पर भी इकट्ठे हो सकते है। लेकिन दूसरा ऐसा कोई भी व्यक्ति नही है,, जितन मान, सम्मान और इज्जत इस समाज मे ंइनकी है, इसका मुकाबला नही है। उन लोगों ने इस तरह से साथ दिया था कि अगर उसे 20 लाख लोगों का इकट्ठा कहा जाये तो भी कम होगा। 20 लाख से ज्यादा लोग इकट्ठे हुए थे, वहां पर तिल रखने की जगह नही थी। उस जगह के विकास के लिए मै। आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से ओर सरकार से यह अनुरोध करूंगा कि उसको ऐतिहासिक जगह ही बना दियाजये ओरकोई ऐसी चीज जींद को दे दी जाए ताकि वहां के लोग आपको और ज्यादा याद रखे। मै वहां के लोगो के बिहाफ पर यह मांग करता हूं।

इसके सथ ही मै अपने इलाके की भी कुछ बात करूंगा क्योकि आपने बोलने के लिए समय दिया हैं मेरा इलाका एक ऐसा इलाका है जो बिल्कुल देहाती इलाका है। इसमें कोर्ठ मंडी, कोई भाहर, कोई रोजगार कार्यालय आदि कोई भी चीज नही है जो भी दफ्तर है, वह केवल एक रिे प रख दिये गये हैं मै आपके माध्यम से, स्पीकरसाहब, यह अनुरोध रूंगा कि कुछ दफ्तरों जैसे बी0 डी0 पी0 ओ0, सी0 डी0 पी0 ओ0, प्रोजैक्ट का कार्यालय राजौदा में

खोल दिया जोय तो ठीक रहेगा। राजौद मेरी कांस्टिचूऐसी के एक सिरे पर पड़ता है। यह आखिरी गांव है। बची में गांव अलेवर पड़ता है ंअगर इन सब दफ्तरों के साथ नेय दफ्तर जैसे सब तहसील, सब–ट्रेजरी ओर रोजगार कार्यालय वहां पर खोल दिया जाये तो ठक रहेगा। वहां पर सब–यार्ड मार्किटीग बोर्ड ने बनाया था। अगर उसको प्रिसीपल यार्ड भी बना दिया जाये, तो ठीक होगा। मार्किट कमेटी भी होसकती । उसमें 28 गांव जो जींद से जुडे हुए है ओर 11–12 गांव जो पीलू खेडये से जोड़ किदये गसे है, को मिलाकर इस तरह की सुविध दी जा सकती है। अगर वहां पर यह सुविधा दे दी जोय तो लागां का बहुत ज्यादा रहता मिलेगी। इसके साथ ही मै आपके माध्यम से सरकार से एक और अनुरोध करूंगा। देहात के अन्दर चिकित्या जैसी जरूरी सुविधा अभी भी कई जगहो ंपर मिलनी रह गयी है। अभी भी कई ऐसी जगहे है जाह पर यह सुविधा उपलबध नही है। अब जब कई बार रात को प्रसूति के समय डाक्टर को या इस तरह की सहायता की जरूरत पड़ती है। तो नजदीक भाहर भी नह होने के कारण उनको उठाकर लेकर जाते है। गाड़ियों में या ट्रैक्टरों मे ंउसकी ढुलक से किसी भी तरह का नुक्सान हो सकताहै। स्पीकर साहब, अगरवहा पर कोई इस तरह की छोटी से छोटी सुविधा हरेक गांव के लिए उपलब्ध करवा दी जाये तो यह वहां के लोगों के कल्याण में एक बहुत बड़ा योगदान होगा। मेरी साथ ही एक बांव अलेवर है जो बहुत बड़ा गांव है। उसकी आबादी 15–20 हजार से ऊपर पड़ती है। अगर वाहं पर एक अस्पताल बना दिया जाये तो ठीक रहेगा।

आदरणीय मुख्य मंत्री जी 1977–78 में वहां पर गये थे। वे उस जगह को बखूबी जातने हे। मेरे इलाके मे तो ये बहुत रहे है ओर बहुत ये हैं वहां पर नगूरा और किठाना मे ंभी अस्पताल खोल दे तो मेहरबानी होगी। (घंटी) अब मै थोड़ा जल्दी जल्दी अपनी बात खत्म करूंगा। कुछ सड़कों की बाबत कहना चाहूंगा कि यह जरूर बननी चाहिए। ढाढ़रत से खुंगा, ढाढरेत से खरकगादिया, रायचन्दवाला से डयलमवाला, मंडीखुर्ड से गोइयां, खेडीबुला से पंगा, रोहेड़ा से दुडाना, पेगा से भाामदो, भाामदों से अलेवा, बाहरी से विधाना, थेहबाहरी से विधान और तेली खेडा से बनियाखेडज्ञ। यह डेढ–डेढ, दो–दो किलोमीअर की सडत्रके हे जो अव य ही जल्दी से जल्दी बननी चाहिए। स्पीकर साहब, मेरे हल्के में चार–पांच गांव ऐसे है जहां पानी नही है। और वहां पर नहर वगैरहा भी नही है। वे गांव है कुचराना, थुआ, सनदिल, किथाना, अलेवा खांडा, गोइयां, पोपडा ओर कौल खेडा। ये बहुत ही खु ाक इलाके हैं यहां पर पानी की व्यवस्था करना बहुत ही जरूरी है। वैस्टर्न जमुना कैनाल से अगर इनको पानी मिल जाए तो अच्दा रहेगा। स्पीकर साहब, आपने समय दिया इसके लिए मै आपका बहुत ही धन्यवाद करता हूं। यह जो बजट पे ा किया गया है इस पर मतदान के समय तो मत दूंगा ही लेकिन मै एक अच्छा बजट पे ा करने के लिए वित्त मंत्री को धन्यवाद करता हूं।

श्री देवी दास (सोनीपत): स्पीकर साहब, कल 8 मार्च को उप मुख्य मंत्री जी ने जो बजट पे ा कियाहै मै उसका

समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ है। वित्त मंत्री जी जो उप मुख्य मंत्री भी हैं उन्होने चोधरी देवी लाल की सरकार आने के बाद यह पहला बजट पे ा किया है जिसमे ंकोई टैक्स नही लगाया। पिछले एक साल से यह चर्चा की जा रही है कि यह सरकार भाहर विरोधी हैं एक तबके का नुक्सान करती है। लजेकिन आज इसबजट ने दिखा दिया कि हमारी सरकार ने किसी भी भाहर के आदमी के ऊपर और किसी भी तबके के ऊपर टैकस नही लगाया। बल्कि वित्त मंत्री ने कम्बलों और हौजरी पर टैक्स पहले वाला ही कर दिया। कल लोग इनसे मिलना आए ते। कम्बालों पर थोड़ा बहुत ही टैकस रख है। कांग्रेस के लोग गली मोहल्लों के अन्दर यह बात करत ेळै कि यह हो गया और वह रहा गया। स्पीकर साहब, मै पिछले बारह साल से इस सदन का मैम्बर रहा हूं। हर साल पहले तो वित्त मंत्री स्टेटमैंट और प्रोग्राम पढ़ते थे अज्ञैर लास्ट में टैकस लगाते थे। इस बार लास्ट मते जो टैक्स नही लगाया गया, मै इस बारैं में वित्त मत्री को बधाई देता हूं। स्पीकरसाहब, दिल्ली के साथ हरियाण ाके जो भाहर पडत्रते है उनकी मण्डियों की हालत बहुत ही खरबा हैं उन मण्डियों में मार्किट फीस और सेल्ज टैक्स इतना है कि लोगा सारा माल दिल्ली ले जातें हैं जैसे सोनीपत के पास नरेला मण्डी हैं। सारा माल नरेला मण्डी में जाकर बिकता है। मै वित्त मंत्री से प्रार्थना करूंगा कि कोर्ठ ऐसा तरीाक निकाला जाए कि दिल्ली के सथ जो हरियाणा के भाहर लगते है। या हरियाणा के देहात से जो अनाज या दूसरा सामान आता है। वह हरियाणा की मण्डियों में बिके वह

दिल्ली न जाए। स्पीकर साहब, अब मै अपनी विधान सभा कांस्टियुऐंसी के बारें में कुछ कहना चाहता हूं। मेरे यहां एक ड्रेन नम्बर 6 है। जो सैक्टर 14–15 और दूसरे बहुत बड़े इलाके के बीच पड़ती हैं उस पर पुल बनाने के बारें में मैने कई बार आई0 पी0 एम0 को कहा है। इस ड्रेन परयिदपुल बना दिया जाए तो जो लोग सैक्अर चौदह पन्द्रह, हाउसिग कालोनी और दूसरी कालोनीज में रहते हे औ जिनको काफी लम्बा रास्ता तय करके आना पड़ता है। उनकी पुल बनने से दिक्त दूर हो जाएगी। यहां पर पी0 डब्ल्यू0 डी0 मिनिस्टर बैठे है। मेरे यहां भाहर से लेकर सिविल अस्पताल तक सड़क ऊंची की जा रही है और उसकी वजह से पिछले पन्द्रह दिन से भाहर को रास्ता बन्द है और आगे देा अढ़ाई महीने वह सड़के बन्द रहेगी। वह सड़के ऊंची की जारी है। मै यहा कहना चाहता हू। वहा ंपर पहले सीवरेज बिछाना चाहिए क्योंकि बरसात मे ंपानी की वजह से सडक टॅट जाएगी अगर सीवरेज का काम वहा नी किया गयाहै ंमुझे पता लागा है कि सीवरेज के लिए दो बार टैन्टर इंनवाइट किए गए हैं लेकिन काम भाुय हनी किया ग। सड़क टूटने से पी0 डब्ल्यू0 डी10 को सड़क बनाने पर दुबारा खर्च करना पड़ें गा इसलिए वहां पर पहले सीवरेज बिछाया जाए अैर फिर सड़क को ऊंचा किया जाए ताकि सड़का दुबारा न बनानी पड़े। स्पीकरसाहब, चीफ मिनिस्टर साहब, मेरे हल्के में गए थे ओर वहां पर डिस्पैन्सरी का एलान करके आए थे। इससे पहले पिनाना में डिस्पैन्सरी का एलान करके आए थे मेरी सरकार से प्रार्थना है। कि पिनाना ओर मारे में डिस्पैन्सरीज खोली

जाए। स्पीकरसाहब, सिविल हौस्पीटर सोनीपत के 6–7 क्वार्टर पब्लिक हैल्थ वालें के कब्जें में है। वे खाली कराकर हैल्थ डिपार्टमैंट को दिए जाएं ताकि वहां पर डाक्टर्ज रह सके। स्पीकर साहब, 100 बैडज का हस्पताल तो बन गया है लेकिन वहां परडाक्टर्ज व दूसरे स्टाफ की अभी तक कमी है। इस कमी को जल्दी ही दूर किया जाए। इसी तरह से सोनीपत के अन्दर जो आई0 टी0 आई की बिल्डिग है उसका कोर्ठ लगभग 10–12 एकड़ में कम्पलैक्स विद्यमान हैं लेकिन उस आई0 टी0 आई0 बिल्डिग की हाल खस्ता हैं सरकार को ज्यादा से ज्यादा पैसा उस बिल्डिग की मरम्मत करने तथा उसे पक्का करने के लिए देना चाहिए।

इससे अगला प्वायंट मेरा यह है कि जब हम सोनीपत भाहर में जो है तो वहां पर सीवरेज की खराबी के कारण सड़कों पर काफी गन्दगी होती है। और आदमी वहां परचल फिर नही सकता। सड़कें भी टूटी फूटी हुई है। इसलिए मेरा अनुरोध है कि नगरपालिका सोनीपत को अधिक से अधिक ग्रान्ट देकर के वहां की सड़कों की व सीवरेज की हालत सुधारा जाए।

स्पीकर साहब, इससे अगली बात मै यह कहूंगा कि डेढ़ दो महीने पहले चौधरी देवी लाल जी जब मेरे इलाके में गए थे ता जटवाडा स्कूल को अपग्रेउ करने की घोशणा करके आये थे। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि वहां के लोगों की डिमांड को भीघ्र ही पहरा किया जाए। इसी तरह स वहां एक मौडल टाऊन स्कूल है, उसको भी अपग्रेउ किया जाए क्यांकि वहां पर काफी बच्चे पढ़ते

है। स्पीकर साहब, सीवरेज के बारें में मै एक और बात कहनाचाहता हूं कि सीवरेज की हालत वहा की काफी खरबा है। ई0 सी0 जी0 फैक्टरी से लेकर सोनीपत भाहर में ड्रैन नम्बर 6 तक सीवरेज लाईन बिछाई जाए ताकि वहां की जा सीवरेज की प्रौब्लम हैं उसको ंहल किया जा सके। मैने कल एक सवाल भी किया था। सोनीपत एक इंडस्ट्रीयल टाऊन है। वहां की एक दो फैक्टरियो ंहै जिनेस 1 करोड 6 लाख रूपया सेल्ज टैकस और 7 करोड रूपएया सैन्ट्रल सेल्ज टैक्स का बकाया है। गुप्ता जी ने ठीक ही कहा कि कई करोड़ का घाटा तो हम इन फैक्टरियां से ही पूर कर लेगे। इतनी बड़ी रकम सेल्ज टैक्स की इन बड़े बड़े सरमायेदारों के पास बची हुई हैं अगर छोटे छोटे दुकानदारों को तंग न करे इन्ही बड़े बड़े सरमायेदारों से इतना रूपया वसूल कर लिया जाए तो सरकार के घाटे को काफी हद तक पूरा किया जा सकता है।

इससे अगला प्वायंट मेरा यह है कि सोनीपत एक इंडस्ट्रीयल एरियाहै। वहां पर बहुत फैक्टरियों हैं अगर सरकार इन फैक्टरियों से बना हुआ माल खुद खरीदे तो इससे उन फैक्टीरियों को काफी लाभ होगा और उनके माल की लागत भी हरियाणा के अन्दर ही रहेगी। सरकार की भी इससे काफी बचत होगी। इन भाब्दों के साथ मै आपका धन्यवाद करता हुआ अपना स्थान लेता हूं क्योंकि आपने मुण्े बजट पर बोलने का अवसर प्रदान किया।

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, अगर हमें बोलने का समय मिलना हो तो हम इंतजार करें वरना रास्ता पकड़े।

Mr. Speaker: How can I commit it? This is not the way. You please take your seat.

श्री टेक चन्द (नरवाना): आदरणीय स्पीकर साहब, 1989–90 का कर मुक्त बजट जो हमारे उप मुख्य मंत्री व वित्त मंत्री महोदय जी ने इस हाउस में पे ा किया है इसे लिए वे बधाई के पात्र है क्योंकि पिछले वर्श जो बजट पे ा किया गया था, उसके मुकाबले में इस बजट को उनहोने 25.39 परसैन्ट को बढ़ोतरी करके पे ा किया है। नौन–प्लान का जो खर्चा रख गया है वह 3.41 करोड़ का और प्लान आउटले का 676 करोड़ रूपये रख गया हैं इस तरह से यह जो बजट है यह एक प्रकार से बैलेन्सड बजट हैं सिचाई और बिजली के लिये इसमें सबसे ज्यादा प्रावधान किया गयाहैं 290.95 करोड़ रूपया सिचाई एवं बिजली के लिये इस बजट में रखा गया हैं स्पीकर साहब, पिछले वर्श सूखा पड़ा। सूखा पड़ने के बावजूद कोई खास कमी हमारी आमदनी मे नही आयी। केवल 2.2 परसैन्ट की कमी ही आयी लेकिन इस वर्श अच्छी फसल होने के बावजूद हमें उम्मीद है कि 9 परसैन्ट की आय में वृद्धि होगी। चूंकि अच्छी फसले हुई है। इस वजह से आगे हमारी सरकार द्वारा किसी प्रकार के कर में कोई वृद्धि नही की जाएगी लेकिन यहां बाढ़ के कारण काफी नुक्सान हुआ। कुछ गांवों में तो सैन्ट परसैन्ट नुक्सान हुआ है। खासतौर से मेरे हल्के नरवाना के जो गांव थे, वहां काफी नुकसान हुआ है। ज्यादा वर्शा के कारण बरवाला लिक और सिरसा नहर के टूटने की वजह से मेरे हल्के के गांवों को काफी नुक्सान हुआ हैं सरकार ने इमदाद

की लेकिन वह थोड़ी इमदार थी। अब फिर वर्शा का मौसम आने वाला है, सरकार ने बाढ़ के प्रबन्ध के लिए 13 करोड़ रूपए रखे है। मै समझता हूं कि नरवाना, सिरसा ओर एक दो जिलों में इस साल जो नुक्सान हुआ है वहां परज्यादा प्रैफरैंस दिया जाए ताकि बाढ़ रोकने का काम जल्दी भ्रारू किय जाए। मरै हल्के में गांव अजाना है। जब भी ज्यादा प्रैफरैस दिया जाए ताकि बाढ़ रोकने का काम जल्दी भ्रारू किया जाएं। मेरे हल्के में गांव अजाना हैं जब भी ज्यादा वर्शा हाती तो वहा गांव चारों तरफ से पानी से घिर जाता हैं और वहां की आबादी ओरफसलों को नुक्सान हेताहं पहले वहां र केवल 40 क्यूसिक के पम्प लगे हुए थे लेकिन इस वर्श 150 क्यूसिक के पम्पो ंका इन्तजाम करने का विचार है। ऐसा विचार ाते है लेकिन अभी उस गांव में उनकी फाउंडे ान के लिए कोई कार्य नही किया गया। मेरी आई0 पी0 एम0 साहब से वि ो ा तौर पर विनती है। वे सदन मै बैठे नही है लकिन उम्मीद है कि वे इस और ध्यान देगो। इस तरह से मरे हल्के में 20–25 गांव और है जो बाढ़ की लपेट में आते है मेरी वित्त मंत्री जी से प्रार्थना है कि नरवाना हल्के को बाढ से बचाने क लिए जो योजना है उसको तुरन्त चालू करवाएं ताकि आने वाली बरसात से पहले वहां का प्रबन्ध किया जाए। इसके अलावा घग्घर, टांगरी, मारकंडा और यमुना से ज्यादा वर्शा होने की वजह से जो बाढ़ के आनी को खती के लिए इस्तेमाल में तबाही मचाती है। मै चाहता हूं कि उस बाढ़ के पानी को खेती के लिए इस्तेमाल किया जाए। पहले चण्डीमन्दिर के पास घग्गर के पानी को रोकने की एक

योजना थी लेकिन पिछली सरकार ने उस बारें में कुछनी किया। मेरी वित्त मंत्री जी से प्रार्थना है कि कोई डैम बनाने की योजना बनाई जाए ताकि नदियों को पानी बर्बाद करने की बजाए खेती ओर अन्न पैदा करने के लिए इस्तेमाल किया जा सके। ऐसा करने से हरियाणा और दे ा की तरक्की होगी। जहां तक सतलुज यमुना लिक की बात है। यह नहर कई वर्शो से लटकी हुई हैं इसके लिए केन्द्र की नीयत साफ नही है, उन्होने इसको पोलिटीकल इ ा बना रखा हैं और इससे वे राजनैतिक फायदा उठाना चाहते हैं लेकिन हमारी सरकार हमारे मुख्य मंत्री बार–बार प्रधान मंत्री जी से इस बारें मे मिले हैं 1983 में इस पर जहां 160 करोड़ रूपया खर्च होना था अब वह खर्च 430 करोड यपए का बन गया है। इससे हमारे बजट पर काफी बोझ आ गया हैं इस नहर को जल्द से जल्द बनाया जाए, सैंटर पर दवाब डाला जाए क्योंकि यह हमारी जिन्दगी ओर मौत का सवाल है। इससे खास कर महेन्द्रगढ़, रोहतक, गुडगांवा, भिवानी ओर जींद जिलों को फायदा होगा। इसलिए इस नहर को बनवाने के लिए हमें केन्द्रीय सरकार पर ज्यादा से ज्यादा दवाब देना चाहिए।

जहां तक इंडस्ट्रीज की बात हैं, मेरे से पहले बोलने वाले वक्ताओं ने इस बारें में रो ानी डाली है। हरियाणा में इंडस्ट्रीज के मामले में बजट का 1.7 परसैन्ट पैसा खर्च किया जात है। जबकि दूसरी स्टेटस जैसे गुजरात, बंगाल में इंडस्ट्रीज के लिए टोटल बजट का 10 परसैनट पैसा खर्च किया जाता है। उन

स्टेटेस में स्माल स्केल इंडस्ट्रीज का अलग अलग डारेकटोरेट हैं मेरा कहना है कि बेरोजगारी खत्म करने का केकवल एक सही तरीका हैं कि ज्यादा से ज्यादा लघु उद्योग लगाए जाएं ताकि नौजवानों का `रोजगार मिल सके। इस बारें में गुप्ता जी ने एक दिन वि वास दिलाया था कि उस स्टेटेस का इस मामले में सर्वे करवाऐं। पता नही इन्होन सर्वे करवाया है या नही। अगर उन्ळी स्टेटस की नति हरियाणा में आना ली जाती है तो बेरोजगारी की समस्सा को काफी हद तक दूर किया जा सकता हैं हम सभी पढ़े लिखे नौजवानों को नौकरी नही दे पाते। एक एक नौकरी के लिए हजारों की तादाद में दरख्वास्तें आती हैं इसलिए मै अपनी सरकार से निवदेन करूंगा कि महात्मा गांधी और चौधरी चरण सिंह के रास्ते पर चल कर हरियाणा प्रदे ा में स्माल इंडस्ट्रीज को बढ़ावा दें।

इसके अलावा, अध्यक्ष महोदय, ि ाक्षा क बारें में औरखास करके लड़कियों की ि ाक्षा के बारें मं हमारे आरणीय मुख्य मंत्री चोधरी देवी लाल जी काफी रूचि रखते है। हमारी सरकार ने 100 प्राईमरी स्कूल खोले है, 50 प्राईमरी स्कूल अपग्रेड करके मिडल स्कूल बना दिए है। ओर 25 मिडल स्कूल से हाई स्कूल अपग्रेड कर दिए हैं यह बहुत ही प्र ांसनीय कदम हैं मै ि ाक्षा मंत्री जी को इस बात के लिए बधाई देता हूं। कि उन्होने स्कूल अपग्रेडे ान के मामले में जींद जिले को वि ोश ध्यान रखा हैं इसकेसाथ साथ मैं एक बात यह भी कहना चाहूंगा कि मेरे

हल्के में कालवन गांव में स्कूल की बहुत बड़ी बिल्डिग बनी हुई हैं और वह लड़कों का स्कूल है उसको अपग्रेड करके टैन प्लेस टू बना जाए। कालवान गांव का स्कूल चर्चा का विशय बना हुआ क्योंकि मेरे हल्के से मेरे से पूर्व जो भाई पिछली सरकार में यहां बतौर मंत्री होते थे वह उस गांव में गए थे ओर उनको उस गांव के लोगों के सथ एक मजाक किया था कि टैन प्लस टू कया होता है? इसलि मै अपनी सरकारे से अनुरोध करूंगा कि उस मजाक को यह सरकार सच्चाई में बदल दे। उस गांव के लोग यह आ ाा लगाए बैठै है कि उनका स्कूल टैन प्लस टू का ही जाएगा। वहां पर इस समय जो बिल्डिग बनी ह्ु हैं उसमें 30–40 कमरें हे। मै अपनी सरकार से निवेदन करूंगा कि अब जब कभी स्कूल अपग्रेउ किए जाए तो मेरे हल्के के गांव कालवन का अव य ध्यान रखा जाए।

इसके अलावा मै कहना चाहूंगा कि हमारी सरकार ने पिछडे वर्ग के और अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों की जा छात्रवृति में जो वृद्धि की है, वह हमारी सरकार की बहुत ही सराहनीय कदम हैं है। इन वर्ग के विद्यार्थियों को छात्रवृति पांचवी क्लास कसे 8वी क्लास तक 15 रूप्ए से बढ़ा कर 30 रूप्ए कर दी हैं 9वी क्लास से 11वी क्लास के इन वर्ग के छात्रों की छात्रवृत्ति 90 रूपए से बढाकर 30 रूपए कर दी है। इसी तरह से इन वर्ग के छात्रों केा लेखन सामग्री के लिए 20 रूप्ए से 40 रूप्ए और 20 रूप्ए से 60 रूप्ए कर दिए है। ऐसा करके हमारी सरकार ने इन

वर्ग के छात्रों की बहुत इमदाद की है ताकि वे अपनी पढाई अच्छे ढंग से कर सकें। इसके अलावा मैं एक बात और कहना चाहूंग कि बैकवर्ड क्लासिज और ि ाड्यूल्ड कास्टस की भलाई के लिए पिछले साल जो 50 करोड़ रूप्ए का प्रावधन किय गया था, इस बजट में हमारी लोकप्रिय सरकार बधाई की पात्र है। इसके साथ साथ मै एक बात यह भी कहना चाहूंगा कि हमारी सरकार ने भाराब की बिक्री पर जो एक रूपया पर बोतल टैक्स लगाया है। उनकी भी आमदनी बढ़ेगी। लेकिन मै एक बात जरूर चाहूंगा। कि जो एक रूप्य पर बोतल के हिसाब से हमारी सरकार ने ठेकेदारों पर टैक्स लगाया हैं इससे कही ऐसी समस्या खड़ी न हो जाए कि ठेकेदारों को भाराब में कोई मिलावट करने का कोई अवसर न मिले इसके लिए उन पर पूरी चैकिग रखी जाए ताकि वे भाराब में कोई मिलावट न करें ओर लेागों को जहरीली भाराब सप्लाई न हो ओर वे लोगों की जान से न खेलें।

सरकारी कर्मचारियों के बारें में मरे से पहले बोलने वाले वक्ताओं ने अपने विचार रखे हैं। हमारी सरकार ने उन्हें 27 दिन के वेतन के बराबर बोनस दिया है। सरकारी कर्मचारियों को बोनस देकर हमारी सरकार ने एक अच्छाकाम किय हैं इसी प्रकार से हमारी सरकार ने अपने कर्मचारियों को मैडिकल एलाउंस 200 रूप्ये से बढ़ा कर 360 रूप्ये सालाना किया हैं। रिटायर्ड कर्मचारियों को भी फोर्थ पे कमी ान की रिपोर्ट के आधार पर जनवरी 1986 से नए वेतनमानों के तहत पैन ान दी है। इन सारी

सुविधाओं के देने से सरकार परकाफी बोझ पड़ा हैं हमारी इस सरकार को बनाने में सरकारी कर्मचारियांके वि ो ा योगदान रहा हैं अब जो ऐनोमली कमेटी ने कर्मचारियों की पे में जो त्रुटिया रह गई थी, उन्हें दूर करने के लिए जो अपनी रिकोमैन्टे ांज की हैं उन्हें जल्दी से जल्दी लागू किया जाये ताकि कर्मचारियें की पे में जो अन्तर हैं उसे दूर किया जाये ओर सरकारी कर्मचारियों में जो नाराजगी हैं वह दूर हो सके।

अध्यक्ष महोदय, अब मै पुलिस के बारें में कुछेक बातें कहना चाहूंगा। हमारे पुलिस कर्मचारी भाई बहुत ज्यादा मेहनत से काम करते है। मैने पहले भी बोलते हुए हकहा था कि एक पुलिए कांस्टेबल 12 से 16 घण्टे डयूटी देते है ओर ऐमरजैसी डयूटी में 24 घण्टै भी डयूटी देत`है। कल हमारे मुख्य मंत्री जी ने पंचकूला में ब्राउन कमाडोज का प्रद र्ान देखा था। उस प्रद र्ान से वे काफी प्रथावित हुए। उस मौके पर मुख्य मंत्री जी ने डी0 एस0 पोज0 के पे स्केल एच0 सी0 एस0 के बराबर करने का वायदा किया है। ओर साथ ही साथ कहा है कि पंजाब के बराबर या दूसरे प्रदे ाों के बराबर कांस्टेबल ओर हैड कांस्टेबल का वेतन दिए जाएंगे। इसलिए मेरी वित्त मंत्री जी से प्रार्थना है कि वे पुलिस कर्मचारियों को पे बढ़ाने में रूचि रखे क्योंकि उनकी पे बढाने के बोरं में मुख्य मंत्री जी ने भी वायदा किया है। ये पुलिए कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी के साथ साथ हमारी सुरक्षा भी करते है। और दूसरे उनकी डयूटी भी काफी सख्त होती हैं इसके

अलावा उन्हें जो हाउस रैट पुराने रेट स मिल रहा है। उसकी बजाये उन्हें नए रेट से हाउस रैंट दिया जाये।

अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में कई गांव ऐसे है। जहां चोधरी देवी लाल जी ने पहली बार मुख्य मंत्री बनने पर चौपाले बनाने का काम भाुरू किया था लेकिन वहां परवह काम ज्योा का त्यू अधूरा पड़ा हैं जिन गांवों में हरिजन चौपालों का काम अधूरा है वे गांव है। खेर, नारायणगढ़, पिशलथा, बदलैन, डूडोली, कर्मगढ़, गढी, रसिदा, लौन, राजगढ, ढोबी, कनौदाखुर्द, हंसडेहर, सुरजाखेड़ा, धनौटी, सुलेहडा और मोहल खेड़ा। इसलिए मेरी गुप्ता जी से प्रार्थना है कि इन सभी गांवों में हरिजन चौपालों के निर्माण कार्य को पूरा करवाये।

अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकी से मेरे हल्के में जो पक्के खाल बनोय जाने है उनके बारें में भी कुछ कहना चाहूंगा। गांव बदलैन के पक्के खालों का होल ठीक नही है। इन खालों का हाल आगे से ऊंचा हैं इसी प्रकार से मरे हल्के के गांव लौन, बेलरखा, सूरजाखेड़ा, मुलेहड़ा आदि में पक्के खाल बनाये जाने सैक ांड है लेकिन वे अभ तक बनाये नही गए हैं मै चाहता हू कि इन गांवों के पक्के खाल जल्दी से जल्दी बनाये जाये। इसके साथ साथ मै यह कहना चाहता हूं कि गांव सूरजाखेड़ा में विरोधी भाईयों ने हरिजनों के बोर ब्राहमणों के खेती के खाल पक्के नही किए हैं मै चाहता हूं कि ब्राहमणों और हरिजनों के खेतों के जो खाल पक्क होने पहली सरकार के समय मै रह गए थे, उन्हें अब

जल्दी से जल्दी पूरा किया जाये। अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के के तीन चार गांवों में पीने के पानी का उचित प्रबन्ध नही हैं रामबिलास भार्मा जी हमारे बड़े काबिल मंत्री है। उनसे मेरी प्रार्थना है कि गांव कर्मगढ़, हरनाम सिंह वाला ओर खानपुर मे ंपीने के पानी का उचित प्रबंध किया जाये ।इन गांवों में नेहरा वाटर वर्कस से पानी आता हैं इन गांवों में पीने के पानी का ठीक प्रबंध न होने के कारण इनके लिए अलग से वाटर वर्कस बनाये जाये ताकि इन लोगों को पीने के पानी की समस्या का सामना न करना पड़े।

अन्त में स्पीकर साहब, जो सड़के बाढ़ के दौरान टूट गई थी उनको जल्दी से जल्दी मुरम्मत कराने के बारें में मै गुप्ता जी से प्रार्थना करनाचाहता हूं। बाढ़ के दौरान मेरे हल्के की जिन सड़कों की बुरी हालत हुई हवे है घरौदी से लौन, हमीरगढ़ से खरल, ऊझाना से गढ, पिपलाना ये ढाबी टेक सिंह, नरवाना से इसमाईलपुर ओर नरवाना से सच्चीखेडा। ये जो सड़के टूटी हुई है, इनकी वि ोश रिपेयर करवाई जाये। अध्यक्ष महोदय, मै गुप्ता जी के नोटिस में लाना चाहता हूं कि बारि ा के दिनों में नरवाना भाहर में बारि ा होते ही सीवर के नीचे से पानी निकल आता है। जिसके कारण भाहर की बुरी हालत हो जाती है इसलिए `री सरकार से मांग है कि नरवाना भाहर की सीवर डिस्पोजल कैपेसिटी को बढाया जाये ताकि बरसात के दिनों में नरवाना भाहर की जा खस्ता हालत हो जाती है, वह न हो सके। अन्त में स्पीकर

साहब, आपका धन्यवाद करते हुए ओर इस बजट का समर्थन करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

चौधरी किशन सिंह सांगवान (गोहाना): स्पीकर सर, माननीय वित्त मंत्री महोदय ने सल 1989–90 का जो बजट पे ा किया है उसमें 32.24 करोड़ रूप्ये का घाटा दिखाया गया है। इस घाटे के कुछ हिस्से को टैकस में जो चोरी होती हे हउसको रोक कर पूरा करने का यकीन दिलायाहै और बाकी घाटा केन्द्र सरकार ने कन्साइनमैंट टैक्स के बारें मे लैजिस्ले ान पे ा करने का जो बायदा कियाहैं उससे पूरा करने की उम्मीद जाहिर की हैं यह जो बजट कर रहित है, यह अत्यन्त प्र ांसनीय हैं चौधरी देवी लाल की सरकार ने सभी महकमों के बारें में सभी डिपार्टमैट्स के बारें में वि ोशतौर पर समाज के गरीब और पिछडे हुए लोगों के बोरं में, बजट में जो प्रावधान किये है वे अत्यन प्र ांसनीय है। स्पीकर सर हमारा भारतवर्श एक कृशि प्रधान दे ा है। यहां की 80–85 फीसदी जनता सीधे रू॰ में या खेतीहार मजदूर की भाक्त मे ंखेती पर निर्भर है। जब तक किसान खु ाहाल नही होगा, दूसरें वर्गा के लोग भी खु ाहाल नही हो सकेगे। इस बजट में 671 करोड़ रूप्ये का कुल प्रावधान है। जिसमें से 202 करोड़ रूपया बिजली के लिए दिया गया है। ओर 93.95 करोड़ रूपया सिंचाई के लिए दिया गया है, यानी बजट का लग्भग आधा भाग करीब 300 करोड़ रूप्ये के लगभग अमाउंट पानी और बिजली के लिए दिया गया हैं हमारे मुख्य मंत्री ओर हमारी सरकार को यह वायदा था, ''बिजली

पानी का प्रबन्ध हो''। स्पीकर साहब, किसान को सबसे बड़ी मांग बिजली और पानी होती है। यदि किसान को पूरा पानी और पूरी बिजली मिल जाए तो किसान बड़ी से बड़ी मुसीबत को भी झेल लेगा। हमारी लोगों को अकाल का सामना करन पड़ा ओर फिर जबरदस्त बाढ़ आया। हमारी सरकार ने सूखे और बाढ़ के बावजूद भी लोगों को पूरी राहत दी।हमारे लोगों ने हमारी जनता ने और हमारे किसानों ने इस मुसीबत का सामना किया अैर यह दिखाया जैसे हमारे यहां न तो सूखा पड़ा और न ही बाढ आया है। सूखे और बाढ के दौरान हमारी सकार ने किसानों के लिए जो मदद की वह भाायद हिन्दूस्तान में कि सी भी सरकार ने ऐसे मौके पर नही दी होगी। हमारे पडोसी राज्य राजस्थान में भी सूखा पड़ा था वहां पर केन्द्रीय सरकार ने 488 करोड़ रूपये की सहायता दी हैं जब कि हमारे राजय को सिर्फ 32 करोड रूपये का ऐलान किया गया ओर वास्तव में 23 करोड़ रूपया दिया है। राजस्थान को इतनी अधिक केन्द्रीय मदद मिलने के बावजूद भी वहां पर लाखों प ाु मरे, हजारों लोग मरे या बीमार हुएं हमारे हरियाणा में इतनी कम मदद के बावजूद भी हमारें यहां एक भी प ाु भूख या प्यास नही मरा, एक भी इन्सान भूखा या प्यास नही रहा हमारी सरकार ने राजस्थान में प ाुओं के फ्री भूसा भेजा, सहायता देने में केन्द्र सरकार ने हालांकि हमारे साथ बड़ा भेदभाव किया था लेकिन फिर भी जो रिजल्ट्स रहे है वे अत्यन्त ही प्र ांसनीय है। स्पीकर सर, नहरों के बारें में ड्रेनों के बारें में भी मै थोड़ा बहुत अर्ज करना चाहता हूं। गोहाना सब–डिवीजन हमे ाा बाढ मे ंरहता हरहा हैं

एक प्र न के उत्त्तर में चोधरी वीरेन्द्र सिंह जीने आ वासन भी दिलाया था कि अगली बाढ़ सीजन से पहले, अगली बरसात से पहले इस हल्के का सारी ड्रेनें खुद जाएंगी। स्पीकर सर, यिद ऐा हो जाए तो हमारे लोगों के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। पिछले 25–30 साल से गौहाना सब डिविजन हरियाणा में सबसे ज्यादा बाढ़ मे डूबा रहा है। इन ड्रेनों नम्बर आठ सब से बड़ी ड्रेन है। अब उसकी कैपेसिटी बढ़ायी जा रही है। पहले उसकी एक हजार क्यूसिक की कैपसिटी थी। अब 1680 क्यूसिक की कैपेसिटी की जारी है। मै आदरणीय उप मुख्य मंत्री जी से यह जरूर अर्ज करना चाहता हूं कि इस ड्रेन पर एक सब से बड़ी कमी जो उस वक्त रह गई थी वह यह कि इस पर पूरे पुल नही बने थे। हर दो दो और चार चार किलोमीअर पर पुल बनात है लेकिन इस पर ऐसा नही है। यह ड्रेन इतनी बडत्री है कि कई जगह किसानों के खत गांव के दूसरी तरफ होते है जहां पुल न होने के कारण किसानों की गाड़ी, बैल नही जा सकते। इसलिए यह एक भयकर समस्या बनी हुई है। हमारे यहां एक मोई हुड्डा गांव है। वहां 5 किलोमीटर पर कोई पुल नही है। जबकि उस गांव का 70 फीसदी रकबा ड्रेन के दूसरी तरफ पड़ताहै। उस गांव को आई0 पी0 एम0 और सी0 एम0 साहब ने जो विजिट किया था और उन्होने भी उन लोगों की तकलीफे को देखा था। इसलिए मै गुप्ता जी से खासतौर पर अर्ज करूंगा कि कुछ फन्डज दे ताकि इस समस्या का फौरी तौर पर हल हो सके। एक बार में नहर के बोरं में भी अर्ज करना चाहता हूं। मेरे हल्के में तीन माईनर्ज ऐसी है जो बहुत

दिनो ंसक इन–कम्पलीट पड़ी है। एक माईनर के लिए लगभग डेढ लाख रूपये को आव यकता है जिसके न होने के कारण ये इन–कम्पलीट पड़ी है। इनका काग्रेस की सरकार के टाईम पर पत्थर लगा था। इनके नाम है जसीया माईनर, गुढा माईनर और रिठाल माईनर। इनके पूरा न होने के कारण किसान आबपासी से महरूम है। इसलिए गुप्ता जी से अनुरोध करूंगा कि केवल 5–6 लाख रूपये में इन तीन गांव का बड़ा भारी भला हो जायेगा। इसी प्रकार से गुहना माईनर और आठ माईनर की भी लाइनिग अधूरी पडत्री है। इसी तरह से एक सरकल माईनर है उसे भी जल्द से जल्द पूरा रवाया जाये।

स्पीकर साहब, आज हमारे माननीय मुख्य मंत्री जी ने सब की बडत्री महत्वपूर्ण सूचना दी है। एक प्रकारसे भवेत पत्र की भाक्त में सदन के पटल पर इन्होने सारी सूचना रख दी हैं हमारे माननीय मुख्य मंत्री ने महो कि सदन के बाहर ओर भीतर ऐसा गलत प्रचार किया गया है कि सरकार ने न कोई बेरोजगारी भत्ता दिया है ओर नह ही कर्जा माफ किया है लेकिन हमारे मुख्य मंत्री ने आज सदन के पटल पर सारी डिटेल रखी हैं मै आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करूंगा कि ऐसे आदमी जो पब्लिक के गुमराह करते है, झूठ बोलते है चाहे वे राजनैतिक है या और है उनके खिलाफ कोई न कोई इन्क्वायरी या कार्यवाही होनी चाहिए। चीफ मिनिस्टर साहब ने बिल्कुल डौकुमेंटरी प्रूफ रख दिये है। कि कितने लोग लोन माफी के कारण आर्थिक तौर पर प्रभावित हुए

और कितनों को बेरोजगारी भत्ता मिला। उन्होने सारी तफसील सदन में रख दी है।

एक बात मै ि ाक्षा के बारें में अर्ज करना चाहता हूं। आज हर एम0 एल0 ए0 अपने अपने हल्के की दिक्कत के बारें में हाउस में कहना चाहता है। पापुले ान बढ़ने को कारण आज स्टूडैटस की मांग है कि स्कूलों को अपग्रेड किया जाये। लेकिन स्कूलों को अपग्रेड करने के लिए ज्यादा से ज्यादा धन दे ताकि हमारी ि ाक्षा मंत्री महोदया स्कूलों की अपग्रेडे ान के मामले में मदद कर सके।

स्पीकर साहब, पी0 डब्ल्यू0 डी0 के बारें में भी मै कुछ अर्ज करना चाहता हूं। हर गांव में एक दो मील का सड़क का टुकड़ा बिना बना हुआ पड़ा है। किसानों की काफी राउन्ड लगा कर अपने गांव में आना पड़ता है। पी0 डब्ल्यू0 डी0 मिनिस्टर श्री भारद्वाज जी से जब भी कोई सवाल हाउस मे ंपूछा जाता है। तो वे जबाद दे देते है कि "Question does not arise" इसलिए उन्हें कुछ फन्डज दीजिए, मदद दीजिए ताकि वे गांवों के छोटे–छोटे सड़कों के टुकड़ों को बना सके। अगर इस तरह की सड़कें बन जाए तो बहुत ही अच्छी बात होगी। इन भाब्दों के साथ मै आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री अध्यक्षः अब हाउस कल सुबह 9.30 बजे तक ऐडजर्न किया जाता है।

13.30 बजे

(तत्प चात सदन भाुक्रवार, दिनांक 10.03.1989 प्रातः 9. 30 बजे तक स्थगित हुआ।)